ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अक्षम और अयोग्य गृह मंत्री को तुरंत करें बर्खास्त: पी राजीव @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 24 मई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-144

देशभर के पांच हजार से अधिक युवक कंबोडिया में हैं कैद

साइबर क्राइम करने से इन्कार, भारतीयों ने किया विद्रोह

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। चीन के दलाल द्वारा कंबोडिया ले जाए गए 300 से अधिक भारतीयों ने अपने शोषण करने वाले आकाओं के खिलाफ विद्रोह कर दिया। स्थानीय सरकार के संरक्षण में चल रही मानव तस्करी, साइबर अपराध और बंधुआगीरी के खिलाफ विद्रोह से नाराज पुलिसतंत्र ने विद्रोही भारतीयों को गिरफ्तार कर रखा है और उन्हें गंभीर यातनाएं दी जा रही हैं। इन भारतीयों में अधिकांश लोग आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के हैं। आंध्र प्रदेश सरकार ने भी आधिकारिक तौर पर यह स्वीकार किया है कि 20 मई को लगभग तीन सौ भारतीयों ने विद्रोह किया, जिन्हें स्थानीय माफिया और पुलिस ने गिरफ्तार कर बंधक बना रखा है। यह भी पता चला कि आंध्र प्रदेश के बंदरगाह शहर विशाखा-पत्तनम और उसके आसपास के लगभग 150 युवक पिछले एक साल से कंबोडिया में फंसे हुए हैं, जहां उन्हें चीनी संचालकों द्वारा साइबर अपराध और पोंजी घोटाले को अंजाम देने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशाखापत्तनम के संयुक्त पुलिस आयुक्त फक्कीरप्पा कागिनेल्ली के अनुसार, देशभर से करीब 5,000 लोगों को विभिन्न एजेंटों के माध्यम से कंबोडिया भेजा गया है। विशाखापत्तनम के पुलिस आयुक्त ए रविशंकर ने कहा कि तस्करी करके लाए गए भारतीयों ने कंबोडिया के जिनबेई और कंपाउंड सिहानोकविले में विद्रोह कर दिया। यह क्षेत्र साइबर अपराध का केंद्र है। कई लोगों ने विशाखापत्तनम शहर पुलिस के व्हाट्सएप नंबर पर फोन किया और वीडियो फुटेज भी भेजे। शंकर ने कहा, 20 मई 2024 को लगभग 300 भारतीयों ने कंबोडिया में अपने आकाओं के खिलाफ बड़े पैमाने पर विद्रोह किया। उसी दिन, विजाग और देश के अन्य हिस्सों के कई युवाओं ने अपने कंबोडिया कार्यालयों से वाकआउट किया और उन धोखाधड़ी करने वाली कंपनियों के खिलाफ खुलकर विरोध किया, जिन्होंने उन्हें फंसाया था। भारतीय युवक अपने मुद्दे पर एकजुट हुए और उन अवैध गतिविधियों में भाग लेने से इन्कार कर दिया, ▶8 पर

आंध्र प्रदेश के 300 युवकों ने चीनी आकाओं के खिलाफ खोला मोर्चा

कंबोडिया में फंसे सैकड़ों युवकों को वापस लाने में लगी विजाग पुलिस

कंबोडिया में फंसे 60 भारतीयों को बचाया गया

विशाखापत्तनम, 23 मई (एजेंसियां)। कंबोडिया स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि 60 भारतीय नागरिकों को बचाया गया है जो जिनबेई-4 में साइबर माफियाओं के चंगुल में कैद थे। उन्हें रोजगार और अच्छे वेतन का लोभ देकर मानव तस्करी के जरिए लाया गया था। विशाखापत्तनम शहर पुलिस के आग्रह पर सिहानोकविले अधिकारियों के समन्वय में किए गए ऑपरेशन के बाद 60 भारतीयों को सुरक्षित निकाला जा सका। कंबोडियाई अधिकारियों ने विजाग पुलिस को सूचित किया है ▶8 पर

पटियाला में कांग्रेस पर बरसे प्रधानमंत्री मोदी

हम होते तो करतारपुर साहब लेकर रहते

पटियाला, 23 मई (एजेंसियां)। पटियाला में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद को गुरु का सेवक बताया और कहा कि गुरुओं की सेवा से बड़ा काम कुछ भी नहीं है। गुरु सेवा के इसी भाव के कारण आज करतारपुर साहब का साक्षात दर्शन संभव हो सका। पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस ने सत्ता के लिए देश का बंटवारा किया। 70 साल तक हमें करतारपुर साहिब के दूरबीन से दर्शन करने पड़े। पीएम ने कहा, गुरुओं की सेवा से बड़ा कुछ नहीं है। आज करतारपुर साहिब कॉरिडोर से श्रद्धालु गर्व के साथ दर्शन के लिए जाते हैं।

पीएम मोदी ने भारत-पाकिस्तान के बीच 1971 में हुए युद्ध का जिक्र किया और कहा कि अगर उस समय मोदी होता तो इनसे करतारपुर साहिब लेकर रहता, उसके बाद ही पाकिस्तानी फौजियों को छोड़ता। उन्होंने कहा कि यही कांग्रेस है, जिसने सत्ता के लिए देश का बंटवारा किया, और बंटवारा भी ऐसा किया कि हमें दूरबीन से करतारपुर साहिब के दर्शन करने पड़ते थे। हर कोई इसे अपना अपमान महसूस करता था।

पीएम मोदी ने कहा, मैं कांग्रेस वालों को कहता हूं कि जब बांग्लादेश की लड़ाई हुई तो पाकिस्तान के 90 हजार से ज्यादा सैनिक सरेंडर कर चुके थे। 90 हजार से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिक हमारे कब्जे में थे। हुकुम का पत्ता हमारे हाथ में था। अगर उस समय मोदी होता तो मैं इनसे करतारपुर साहिब लेकर रहता, उसके बाद ही जवानों को छोड़ता। वो तो नहीं कर पाए, लेकिन मुझसे जितनी सेवा हो सकी मैंने की। आज करतारपुर साहिब कॉरिडोर आपके सामने है। एक तरफ भाजपा और एनडीए है और दूसरी तरफ भ्रष्टाचारियों का इंडी गठबंधन है। इंडी गठबंधन जिसके पास न नेता है, न नीयत है।

पीएम मोदी ने कहा, एक तरफ मोदी है जो लड़ाकू विमान से लेकर एयरक्राफ्ट कैरियर तक भारत में बना रहा है। दूसरी तरफ इंडी गठबंधन है जो लिखित रूप में कहता है कि हमारे परमाणु हथियारों तक को समाप्त कर देना चाहिए। आज बुद्ध पूर्णिमा है, आज ही के दिन हमने परमाणु विस्फोट करके अपनी ताकत का ▶8 पर

70 साल हमें करतारपुर साहब के दर्शन से वंचित रखा

आज संभव हो पाया करतारपुर साहब का साक्षात दर्शन

मैं गुरु का सेवक, गुरु की सेवा से बड़ा कोई काम नहीं

आजादी के बाद दूसरे दिन ही राम मंदिर बन जाना था

पीएम की रैली में शामिल नहीं हुए अस्वस्थ कैप्टन

पटियाला, 23 मई (एजेंसियां)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह आज पटियाला में पीएम मोदी की रैली में शामिल नहीं हो पाए। उनके ओएसडी ने कहा कि कैप्टन 14 मई से अस्वस्थ हैं और दिल्ली वाले घर पर आराम कर रहे हैं। कैप्टन अमरिंदर की पत्नी परनीत कौर चुनाव मैदान में हैं और उनके प्रचार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पटियाला पहुंचे। कैप्टन अमरिन्दर सिंह की अस्वस्थता के चलते परनीत कौर और उनकी बेटी जय इंदर कौर चुनाव अभियान को मैनेज कर रही हैं।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने देश के सामने पेश की न्यायिक फैसले की नजीर

राजनीतिक स्वार्थ के लिए मुस्लिमों को एक वस्तु माना गया

> इन जातियों को ओबीसी घोषित करने के लिए वास्तव में धर्म ही एकमात्र मानदंड प्रतीत होता है। हमारा मानना है, मुसलमानों की 77 श्रेणियों को पिछड़े के रूप में चुना जाना पूरे मुस्लिम समुदाय का अपमान है।
>
> *कलकत्ता हाईकोर्ट*

> कोर्ट का मन इस संदेह से मुक्त नहीं है कि इस समुदाय को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए एक वस्तु के रूप में माना गया है। 77 श्रेणियों को ओबीसी में शामिल करने संबंधी श्रृंखला और उनके समावेश से स्पष्ट होता है कि इसे वोट बैंक के रूप में देखा गया है।
>
> *कलकत्ता हाईकोर्ट*

कोलकाता, 23 मई (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मुसलमानों को ओबीसी बना कर 77 श्रेणियों में दिया गया आरक्षण रद्द कर देश के सामने न्यायिक फैसले की नजीर पेश की है। हाईकोर्ट ने ममता सरकार द्वारा वर्ष 2012 में कानून लाकर मुसलमानों को ओबीसी की 37 श्रेणियों में लाकर आरक्षण देने के निर्णय को भी खारिज कर दिया है।हाईकोर्ट ने साफ किया कि इस फैसले के दिन से ही रद्द प्रमाणपत्रों का किसी भी रोजगार प्रक्रिया में उपयोग नहीं किया जा सकेगा। इससे करीब पांच लाख ओबीसी प्रमाणपत्र अमान्य हो जाएंगे। जस्टिस तपोव्रत चक्रवर्ती और जस्टिस राजशेखर मंथा की पीठ ने यह भी कहा कि इन प्रमाणपत्रों से जिन उम्मीदवारों को पहले मौका मिल चुका है, उन पर फैसले का असर नहीं होगा।

हाईकोर्ट की पीठ ने कहा कि वर्ष 2010 के बाद जितने भी ओबीसी प्रमाणपत्र ▶8 पर

कलकत्ता हाईकोर्ट का फैसला गैर-संवैधानिक सीएम पर तमाचा

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुस्लिम आरक्षण संबंधी फैसले को गैर-संवैधानिक ममता सरकार पर तमाचा करार दिया। साथ ही यह भी आरोप लगाया कि ममता बनर्जी खुद को संविधान के ▶8 पर

दिल्ली शराब घोटाले की लीपापोती में खर्च किए 25.25 करोड़

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति घोटाले से जैसे-जैसे पर्दा साफ हो रहा है, वह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके साथी मंत्रियों और गुर्गों की पोल-पट्टियां खोल रहा है। इससे दिल्ली की केजरीवाल सरकार की साख पर भारी बट्टा लगा है। इसके साथ ही सरकारी खजाने पर भी डाका पड़ रहा है। 2020-21 में दिल्ली सरकार ने वकीलों पर कोई खर्च नहीं किया था। लेकिन 2021-2022 में शीर्ष वकीलों को 25.25 करोड़ का भुगतान किया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) इस मामले की गहन जांच कर रही है। कांग्रेस नेता और वकील अभिषेक मनु सिंघवी को पिछले 18 महीनों में केस लड़ने के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार ने 18.97 करोड़ का भुगतान किया। वकील राहुल मेहरा को पिछले 28 महीनों में 5.30 करोड़ का भुगतान किया गया। 2021-22 और 2022-23 में दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों ने कानूनी लड़ाई पर कुल 28 करोड़ खर्च किए, जिनमें से 25 करोड़ अकेले शराब उत्पाद शुल्क मामले से संबंधित मामलों पर खर्च किए गए थे।

प्रवर्तन निदेशालय ने राउज एवेन्यू कोर्ट में शराब उत्पाद शुल्क नीति मामले में जो दूसरी चार्जशीट दायर की है उसमें कुल 12 आरोपियों के नाम का उल्लेख है, जिनमें 5 व्यक्ति और 7 कंपनियां शामिल हैं। उन पांच लोगों विजय नायर, शरथ रेड्डी, बिनॉय बाबू, अभिषेक बोइनपल्ली और अमित अरोड़ा को गिरफ्तार किया जा चुका है। ▶8 पर

छठे चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार समाप्त

आठ राज्यों की 58 सीटों पर होगा मतदान

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के छठे चरण का चुनावी शोर गुरुवार की शाम को थम गया। छठे दौर में 25 मई को आठ प्रदेशों की कुल 58 सीटों के लिए वोटिंग होगी। छठे दौर में जिन सीटों पर मतदान होना है, उनमें सबसे ज्यादा 14 लोकसभा सीटें उत्तर प्रदेश की हैं। छठे दौर में आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 58 सीटों पर वोटिंग होनी है। इसमें जम्मू-कश्मीर का अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र भी है, जहां मतदान तीसरे चरण के बजाय छठे चरण के लिए स्थगित कर दिया गया था। ▶8 पर

स्वाति मालीवाल ने किया गंभीर इशारा, मांगा जवाब

विभव ने मुझे किसके इशारे पर पीटा?

मैं पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए तैयार: स्वाति

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत सीएम आवास के कुछ अन्य लोगों पर गंभीर इशारा करते हुए इस बात का जवाब मांगा है कि आखिर किस व्यक्ति के इशारे पर केजरीवाल के पीए विभव कुमार ने उन पर हमला करने की हिमाकत की? स्वाति ने कहा, घटना के दिन अरविंद केजरीवाल घर पर मौजूद थे। विभव कुमार ने जब मुझ पर हमला किया तब भी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल वहां मौजूद थे। जबकि केजरीवाल ने कहा था कि घटना वाले दिन वह घर पर नहीं थे। स्वाति ने कहा, सीएम केजरीवाल घर पर थे। मुझे ड्राइंग रूम में बैठके के लिए कहा गया। मुझे बताया गया कि केजरीवाल मुझसे मिलने आ रहे हैं। लेकिन इसी बीच उनकी पीए मुझसे बदतमीजी करता है और मुझे पीटने लगता है। मैं मदद के लिए चिल्ला रही थी लेकिन वहां कोई मेरी मदद के लिए नहीं आता है। पीए विभव कुमार ने मुझे गंदी गालियां दीं, ▶8 पर

घटना में केजरीवाल की भूमिका जानना अहम: ईरानी

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि जब स्वाति मालीवाल पर हमला किया गया तो उस वक्त सीएम आवास पर कौन-कौन मौजूद था। यह जानना महत्वपूर्ण है। किसी को भी जांच में बाधा नहीं डालना चाहिए। जांच के बाद ही साफ हो पाएगा कि उस वक्त दिल्ली के मुख्यमंत्री के आवास पर कौन-कौन मौजूद थे और घटना में सीएम अरविंद केजरीवाल की क्या भूमिका है।ईरानी ने कहा कि केजरीवाल को आरोपी बिभव कुमार के साथ यात्रा करते हुए देखा गया। ▶8 पर

शेयर मार्केट

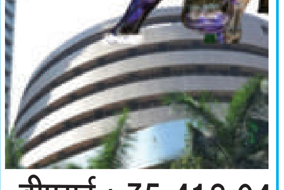

बीएसई : 75,418.04
+1196.98 +1.61% ↑

एनएसई :22,967.65
369.85 (1.64%) ↑

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32°
न्यूनतम : 23°

सनातन विरोधी तमिलनाडु सरकार की करतूत उजागर

हाथी-कॉरिडोर से हिंदू मंदिरों को बंद कराने का कुचक्र

चेन्नई, 23 मई (एजेंसियां)। हिंदू मंदिरों को दर्शन से अलग करने और हिंदू मंदिरों को परित्यक्त करने के इरादे से तमिलनाडु सरकार ने हाथी-कॉरिडोर बनाने का कुचक्र किया है। तमिलनाडु की डीएमके सरकार पर तीखा हमला करते हुए हिंदू मुन्नानी के राज्य अध्यक्ष गडेश्वर सी सुब्रमण्यम ने हाथी-गलियारे की आड़ में जानबूझ कर हिंदू मंदिरों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। मंदिरों का राज्य-अतिक्रमण किए जाने और मंदिरों में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाए जाने के सरकारी कुचक्र को लेकर सरकार और हिंदू संगठनों के बीच तनाव काफी बढ़ता जा रहा है।

सुब्रमण्यम ने राज्य में 42 हाथी-गलियारे की स्थापना करने का मसौदा जारी करने के लिए सरकार के वन विभाग की निंदा की और आरोप लगाया कि यह मंदिरों तक भक्तों की पहुंच को बाधित करने की एक चाल है।

मुन्नानी नेता सुब्रमण्यम ने व्यापक आंदोलन की घोषणा की

उन्होंने दावा किया कि रिपोर्ट का उद्देश्य मौजूदा हाथी गलियारों को छिपाना है और मरुधामलाई और वेल्लिंगिरी पहाड़ियों जैसे प्रमुख मंदिरों में जाने वाले भक्तों पर प्रतिबंध लगाना है।

सुब्रमण्यम ने तिरुनेलवेली में सोरिमुथयनार और कोयंबटूर में वीरकालियाम्मन जैसे मंदिरों की दुर्दशा का उल्लेख किया जो वन विभाग के नियंत्रण के कारण प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाथी-गलियारों के नाम पर हिंदू मंदिरों पर प्रतिबंध लगाने वाली तमिलनाडु सरकार ईसाई उपदेशक पॉल दिनाकरन से जुड़े करुण्य संस्थान पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाती? सुब्रमण्यम ने द्रमुक सरकार पर धार्मिक-पक्षपात का आरोप लगाया और कहा कि तमिलनाडु सरकार की ईसाई पक्षधरता उजागर हुई है। पर्यावरण संबंधी बातें तो हिंदू मंदिरों को परित्यक्त करने की साजिश का हिस्सा है। ▶8 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

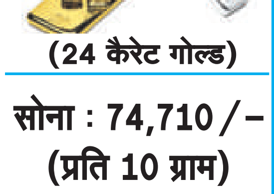

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,710/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 92,700/- (प्रति किलोग्राम)

देवेगौड़ा ने प्रज्वल रेवन्ना को दी चेतावनी

एसआईटी के सामने आत्मसमर्पण करने का दिया निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने चेतावनी देते हुए कहा कि प्रज्वल रेवन्ना जहां भी हों आएं, पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करें और मुकदमे का सामना करें। इस संबंध में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले गौड़ा ने कहा मैं यह बात बिना किसी बहाने या अनुमति के कह रहा हूं। उन्हें यह भी पता होना चाहिए कि यह मेरी उन्हें चेतावनी है। यदि वह इस चेतावनी पर ध्यान नहीं देते हैं, तो उन्हें सख्त चेतावनी दी जाती है कि उन्हें मेरे और पूरे परिवार के क्रोध का सामना करना पड़ेगा। प्रज्वल द्वारा की गई कथित गलतियों का निर्धारण करने के लिए कानून मौजूद है। लेकिन अगर उन्होंने इस चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया, तो निस्संदेह वह अपने परिवार की नजरों में अकेले हो जाएंगे। यदि उनके मन में मेरे लिए कोई सम्मान है तो उन्हें तुरंत

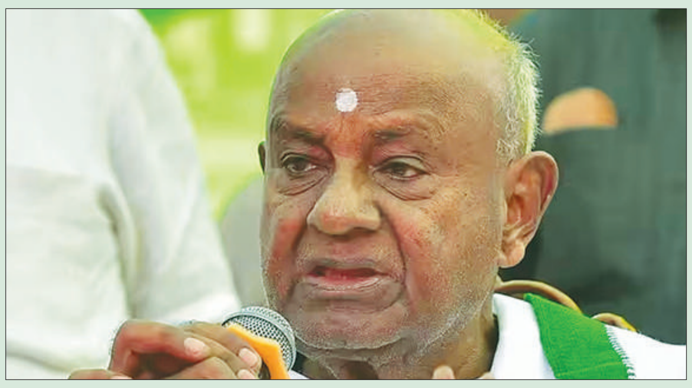

वापस आना चाहिए। उन्होंने कहा जब मैं 18 मई को मंदिर के लिए निकला तो मैंने प्रज्वल रेवन्ना के बारे में बात की। उन्होंने मुझे, मेरे परिवार, मेरे सहयोगियों, दोस्तों और पार्टी कार्यकर्ताओं को जो सदमा और दर्द दिया है, उससे बाहर आने और बात करने में मुझे कुछ समय लगा। यदि वह कानून के अनुसार दोषी है, जैसा कि मैंने पहले ही स्पष्ट कर दिया है, तो उन्हें बहुत कड़ी सजा दी जानी चाहिए। मेरे इस रुख का मेरे बेटे और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने समर्थन किया है। पिछले कुछ हफ्तों में लोगों ने मेरे और मेरे परिवार के बारे में बहुत अपमानजनक बातें की हैं। मैं ये सब जानता हूं। मैं उन्हें बात करने से रोकने की कोशिश नहीं करता। मैं उनकी आलोचना भी नहीं करने जा रहा हूं। इसमें कोई दो राय नहीं कि उन्हें इस घोटाले के सारे तथ्य सामने आने तक धैर्यपूर्वक इंतजार करना चाहिए था। मैं उन्हें यह विश्वास नहीं दिला सकता कि मुझे गतिविधियों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मेरा उनकी रक्षा करने का कोई इरादा नहीं है। मैं लोगों को यह नहीं समझा सकता कि मैं उनकी वर्तमान गतिविधियों और उनकी विदेश यात्रा के बारे में कुछ भी नहीं जानता। मैं केवल अपनी अंतरात्मा की आवाज पर उत्तर दे सकता हूं। मुझे भगवान पर भरोसा है और मेरा मानना है कि भगवान सारी सच्चाई जानते हैं। आजकल जो राजनीतिक षड्यंत्र, कुप्रचार, अतिशयोक्ति और झूठ चल रहे हैं, उनका मैं अब विश्लेषण नहीं करने जा रहा। मेरा मानना है कि जिन लोगों ने ऐसा किया है उन्हें ईश्वर को जवाब देना होगा और अपने किए की उचित कीमत चुकानी होगी। मैंने अपनी सच्चाई और पीड़ा का बोझ प्रभु के चरणों पर रख दिया है। ऐसे में अब मैं सिर्फ एक ही काम कर सकता हूं। यानी, मैं कह सकता हूं और कह रहा हूं कि प्रज्वला जहां भी हो, उन्हें आना चाहिए, पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करना चाहिए और मुकदमे का सामना करना चाहिए। मैं वादा करता हूं कि न तो मैं और न ही मेरे परिवार के सदस्य इस जांच में हस्तक्षेप करेंगे। इसमें किसी भी भावना में आए बिना, मेरे लिए जो महत्वपूर्ण है वह यह है कि उन सभी लोगों को न्याय मिलना चाहिए, जिन्होंने कथित तौर पर उसके द्वारा किए गए कृत्यों और गलतियों के कारण अन्याय सहा है। मेरा लक्ष्य लोगों का भरोसा दोबारा हासिल करना है। मेरे छह दशकों के राजनीतिक करियर में लोग मेरे साथ खड़े रहे हैं। मैं सदैव उनका ऋणी रहूँगा और जब तक जीवित हूँ, उनके हितों के विरुद्ध कभी कार्य नहीं करूँगा।

सत्ता का दुरुपयोग छोड़ें और निष्पक्ष शासन करें: निखिल कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस युवा इकाई के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने मांग की कि कांग्रेस सरकार को सत्ता का दुरुपयोग बंद करना चाहिए और राज्य में निष्पक्ष रूप से शासन करना चाहिए।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि गांव के लोग पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के परिवार को निशाना बनाकर कांग्रेस द्वारा राजनीति करने की बात कर रहे हैं। पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना पर निशाना साधा गया और उन्हें जेल भेज दिया गया। यह लंबे समय तक नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि सत्ता किसी के लिए स्थाई नहीं है। जिस हासन सांसद पर आरोप लगाया गया है, उन्हें राज्य में आकर एसआईटी जांच का सामना करना चाहिए। आरोप सुनने पर जांच का सामना करने की सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने भी खुला निमंत्रण दिया है। कुमारस्वामी के पास फोन टैपिंग की जानकारी हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईटी के गठन के बाद कोई पारदर्शी जांच नहीं हुई।

गौशाला के लिए एकत्र की खाद्य सामग्री

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पूर्णिमा के अवसर पर पार्श्वनाथ जैन मंदिर के प्रांगण में स्थानीय महावीर गौशाला के मुक प्राणियों के लिए खाद्य सामग्री एकत्र कर गौशाला भेजी गई। गौतमचंद कवाड़ ने कहा आज सारा विश्व समुदाय शांति की खोज में लगा हुआ है। शान्ति कहा है? यह शान्ति की खोज करने वाले व्यक्तिओं को ही मालूम नही है वे केवल शांती -शांति की रट लगा रहे है। शांति की आड़ में आज अंबार जुटाया जा रहा है। अंदर क्या है और बाहर क्या है यही विरोधी व्रतिया आज मानव को मानव नही बनने देती। जब तक इंसान को इंसान नही पहचानेगा और एकत्व भाव जागृत नहीं होगा तो वहां तक अहिंसा व सत्य का क्या मूल्य है? संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा अपने व्यतिगत हित की परवाह किये बगैर दूसरो की भलाई के लिए कार्य करना ही परोपकार है। परोपकार के लिए त्याग की भावना का होना बहुत आवश्यक है। दुसरो का उपकार करने से बड़ा कोई धर्म नही और दुसरो को पीड़ा देने से बढ़कर कोई पाप नही। परोपकार की सच्ची शिक्षा हमे प्रकुति से ही मिलती है। वृक्ष अपने फलो को स्वयं नही खाते, फूल अपनी सुगंध स्वयं ग्रहण नही ग्रहण करते। नदियाँ दुसरे की प्यास बुझाती, पेड़ अपनी छाया थके पथिक को निस्वार्थ भाव से देते है। ठीक इसी प्रकार महापरुषों का पूरा जीवन परोपकार करने में ही व्यतीत हो जाता है। इस अवसर पर पवन ओस्तवाल, मुकेश बाफना, ओम प्रकाश तातेड, राजेंद्र भंसाली, विक्रम गादिया, रणजीत गुरूजी, संगीता संघवी समेत कई लोग उपस्तिथ थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा के सदस्यों द्वारा मुनिराज श्री मलयप्रभ सागर जी एवं गुरुवर्या स्वर्णाजिना श्री जी की पावन निश्रा में श्री जिनकुशल सूरि जैन आराधना भवन बसवंगुड़ी के पावन प्रांगण में पूनम के शुभ अवसर पर दादागुरु देव का पूजन विधि विधान के साथ आयोजित किया गया। लाभार्थी अरुणा डोशी परिवार के सौजन्य से पूजन आयोजित हुआ। पूजन में लाभार्थी परिवार सहित बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु उपस्थित थी। परिषद की अध्यक्ष आरती जैन ने पूजन में पधारे सभी भाग्यशालियों एवं लाभार्थी परिवार का धन्यवाद सहित आभार प्रकट किया। यह जानकारी परमेश्वरी संखलेचा ने दी।*

संघ एवं संघपति के प्रति रहे समर्पित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा विजयनगर के नव मनोनीत टीम का शपथ ग्रहण समारोह तेरापंथ भवन राजा राजेश्वरी नगर में विदुषी साध्वी श्री सिद्ध प्रभा जी एवं विदुसी साध्वी श्री उदितयशा जी के सानिध्य में आयोजित हुआ। सर्वप्रथम सामूहिक नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में महासभा के प्रभारी प्रकाश लोढा ने अपनी भावना प्रेषित किया। निवर्तमान अध्यक्ष प्रकाश चंद्र गांधी ने नव मनोनीत अध्यक्ष मंगल कोचर को शपथ दिलाई। तत्पश्चात मंगल कोचर ने अपने कैबिनेट एवं कार्यकरिणी सदस्यों को शपथ दिलवाई। उपाध्यक्ष के रूप में भंवरलाल मांडोत, बाबूलाल बोथरा, ललित सेठिया, मंत्री के रूप में दिनेश हिंगड़, सह मंत्री के रूप में ज्ञानू

नाहटा एवं विमल दक, संगठन मंत्री के रूप में मनोहर लाल बोहरा, कोषाध्यक्ष के रूप में चंपालाल मालू को टीम में शामिल किया गया। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष ने बधाई संप्रेषित की। विजयनगर युवक परिषद अध्यक्ष राकेश पोकरणा, विजयनगर महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, आरआर नगर सभा अध्यक्ष छत्तर सिंह सेठिया ने भी शुभकामनाएं प्रेषित की। साध्वी ने शपथ लेने के पश्चात सभी को ऊर्जा प्रदान करते हुए अपनी भावना जताई एवं कहा कि संगठन में हमें गुरु इंगित एवं गुरु आराधना के साथ संघ के प्रति समर्पित होकर कार्य करना है। आपस में प्रेम वात्सल्य के साथ कार्य करना है, तभी कोई भी अध्यक्ष कार्यकाल सफल होता है। सफल संचालन राजेश चावत ने किया। आभार ज्ञापन मंत्री दिनेश हिंगड़ ने व्यक्त किया।

भाजपा ने बगावत के लिए रघुपति भट्ट के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी जिला भाजपा अध्यक्ष किशोर कुमार कुंडापुर ने कहा कि हमने सिफारिश की है कि राज्य समिति पूर्व विधायक रघुपति भट्ट के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करे। गुरुवार को मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा रघुपति भट्ट ने पार्टी और अपने राजनीतिक जीवन में सभी शीर्ष पदों पर काम किया है। वह चुनाव लड़ना चाहते थे लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिया गया। उनका विद्रोह उचित प्रतिक्रिया नहीं है। उन्होंने जिन मुद्दों का सामना करने का दावा किया है, हमने अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए राज्य समिति को अपनी सिफारिश दी है। वह मतदाताओं के बीच गलत जानकारी फैला रहे हैं क्योंकि उन्हें टिकट देने से इनकार कर दिया गया है। राज्य समिति कुछ दिनों के भीतर कार्रवाई लागू कर सकती है। रघुपति भट्ट के साथ कुछ जिला समिति के सदस्यों की संलिप्तता के बारे में बोलते हुए, किशोर कुमार ने कहा रघुपति भट्ट के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई होने के बाद, हम उनके साथ शामिल जिला समिति के सदस्यों के खिलाफ भी कार्रवाई करेंगे। करकला विधायक और राज्य भाजपा महासचिव सुनील कुमार ने कहा कि रघुपति भट्ट को 24 घंटे के भीतर राजनीति से संन्यास की घोषणा करनी चाहिए, अन्यथा उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा अगर वह अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा नहीं करते हैं, तो अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। हम अपने उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम अभी भी उनकी घोषणा की उम्मीद कर रहे हैं। हम पार्टी के आलाकमान के फैसले का पालन करते हैं। अगर कोई अन्याय हुआ है तो पार्टी अपना फैसला सुधारेगी।

मतगणना को लेकर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में पूर्व तैयारी शुरू

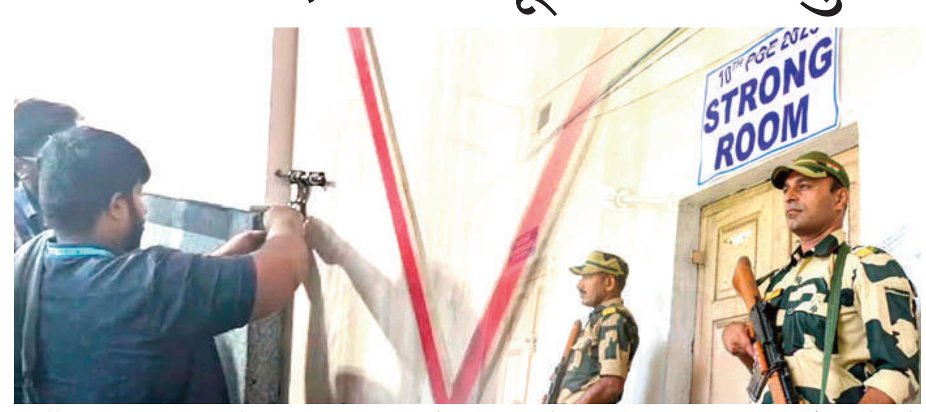

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मौजूदा लोकसभा चुनाव की मतगणना को लेकर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में पूर्व तैयारी शुरू हो गई है। अपर रिटर्निंग ऑफिसर, चुनाव अधिकारी और कर्मचारियों ने बैठक कर मतगणना की तैयारियों को लेकर दिशा-निर्देश दिए हैं।

राज्य में 2 चरणों में वोटिंग पूरी हो चुकी है और वोटिंग मशीनें स्ट्रॉन्ग रूम में रखी गई हैं। 4 जून को सुबह वोटों की गिनती शुरू होगी और शाम तक नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे। मतगणना के दिन कैसे तैयारी करें। मतगणना में लगे कर्मचारियों और राजनीतिक प्रतिनिधियों को निर्देश दिया गया है कि वे चुनाव एजेंटों को मतगणना केंद्र के मुख्य द्वार से मोबाइल फोन लाने या उपयोग करने से रोकें। बैठकें कर मतगणना के दिन बिजली गुल होने पर एहतियाती कदम उठाने, एजेंटों व मतगणना कर्मियों को पहचान पत्र जारी करने, मतगणना के लिए आवश्यक डाटा एंट्री ऑपरेटरों की नियुक्ति जैसे मुद्दों पर जानकारी दी गयी। मतगणना कर्मचारियों को खानपान, जल व्यवस्था, बुनियादी ढांचे सहित उचित तैयारी करने के निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं। मतगणना के दिन किसी भी प्रकार की चूक से बचने के लिए सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाने की तैयारी करने का सुझाव दिया गया है। वोटों की गिनती में अब सिर्फ 12 दिन बचे हैं और संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाची पदाधिकारी और जिला प्रशासन इसकी तैयारी कर रहे हैं।

मातृछाया का सात दिवसीय तीर्थ सेवा यात्रा संपन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मातृछाया जैन महिला संगठन की अध्यक्ष ललिता नागोरी व मंत्री पुष्पा बाफना के नेतृत्व में आयोजित गुजरात, सौराष्ट्र यात्रा के अंतर्गत श्रद्धालुओं ने शत्रुंजय तीर्थ व अनेकों तीर्थों के दर्शन एवं पूजा पाठ का लाभ लिया। गुरु सेवा संयोजिका त्रिशला दांतेवाड़िया व मीना सोलंकी के विशेष सहयोग से आचार्य अरविंद सागरसूरीश्वरजी, चंद्रयशविजयजी आदि अनेकों गुरुभगवंतों के दर्शन, वंदन, सेवा भक्ति का लाभ मिला। मानव सेवा कार्य, परमार्थ सेवा की विशेष सेवा सहयोगी निर्मला दांतेवाड़िया, पवनी राठौड़, कंचन भंसाली,

सूरज गुलेच्छा, डायाबाई सोलंकी, सारिका तलावत, मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी व अनेक सदस्याओं ने पालीताणा तीर्थ के वृद्धाश्रम व समर्पण बालाश्रम में नकदी एवं खाद्य सामग्री प्रदान की। यात्रा कार्यक्रम के मध्य में गुरु वैयावच्च, परमार्थ सेवा, मानव सेवा कार्यों, बच्चों की शिक्षा हेतु फीस राशि आदि में भी विशेष सहयोग प्रदान किया।

राज्य के कुछ जलाशयों में पानी का प्रवाह बढ़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछले कुछ दिनों से मालनाडु और केरल के वायनाड में लगातार बारिश के कारण राज्य के कुछ जलाशयों में पानी का प्रवाह बढ़ रहा है। प्री-मानसून बारिश के कारण सूखे नदी-नालों में पानी बहने लगा है। जो आवक रुकी हुई थी वह फिर से शुरू हो गई है और लोगों में एक नई आशा पैदा कर रही है। कर्नाटक प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार बुधवार को लिंगनमक्की जलाशय में 1369 क्यूसेक पानी का प्रवाह था। तीन जलविद्युत उत्पादक जलाशयों में कुल 1694 क्यूसेक का प्रवाह देखा गया है। बेंगलूरु को पानी की आपूर्ति

करने वाले कावेरी बेसिन के चार जलाशयों में पानी का प्रवाह शुरू हो गया है। कुल मिलाकर 6 हजार क्यूसेक से ज्यादा पानी जलाशयों में आ रहा है। छठे जलाशय के लिए अंतर्वाह 400 क्यूसेक, हेमावती जलाशय के लिए 2,800 क्यूसेक, केआरएस के लिए 1,400 क्यूसेक और काबिनी जलाशय के लिए 1,800 क्यूसेक है। इसी तरह अगर बारिश जारी रही तो आवक और बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 31 जून को केरल पहुंचेगा। इसके मुताबिक, अगर मॉनसून अभी शुरू होता है तो तटीय और पहाड़ी इलाकों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। जिससे जलाशयों में अपेक्षित मात्रा में आवक आ सकेगी। इससे पानी की कमी को दूर करने में भी मदद मिलेगी।

अक्षम और अयोग्य गृह मंत्री को तुरंत करें बर्खास्त: पी राजीव

कानून व्यवस्था भी खराब हो गयी है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रदेश भाजपा महासचिव पी. राजीव ने मुख्यमंत्री से अक्षम और अयोग्य गृह मंत्री को तुरंत उनके विभाग से बर्खास्त करने की मांग की। मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि गृह मंत्री पहले अक्षम गृह मंत्री हैं जो इस देश ने कभी देखा है। उनके शासन में बहुत सारे हत्या के मामले और बलात्कार के मामले हुए हैं। डकैती भी हो रही है और कानून व्यवस्था भी खराब हो गयी है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि इस सरकार के आने के बाद पुलिस विभाग सर्कुलर शब्द को भूल गया है। पहले राज्य में कहीं कोई लूट या दुष्कर्म की घटना होने पर भी सभी पुलिस स्टेशनों को सर्कुलर भेजा जाता था। उन्हें गश्त बढ़ाने के साथ कई निर्देश दिया जाता था। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि नई सरकार आने के बाद पुलिस विभाग को सक्रिय होने के लिए एक भी सर्कुलर नहीं मिला है। जब गृह मंत्री ही डीजीपी को निर्देश नहीं दे रहे तो डीजी क्या कर सकते हैं? उन्होंने आलोचना की कि राज्य में पुलिस स्टेशनों को कांग्रेस कार्यालयों में परिवर्तित किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट कई बार कह चुका है कि किसी आर-ोपी को गिरफ्तार करने की 3 वजहें होनी चाहिए। यदि आरोपी फरार है तो उसे तत्काल गिरफ्तार किया जाए। पी. राजीव ने कहा कि यदि उनके लिए सबूत नष्ट करने का कोई अवसर है, या यदि वह वादी या शिकायतकर्ता को प्रभावित करने और उसे खतरे में डालने की स्थिति में हैं, तो उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। बेलतांगडी विधायक हरीश पूंजा के मामले में, उन्होंने अपना सिर नहीं छिपाया और सबूत नष्ट नहीं किए। लेकिन सरकार ने केवल राजनीतिक कारणों से उन्हें गिरफ्तार करने के लिए 70 पुलिसकर्मियों का इस्तेमाल किया। उनका कोई आपराधिक इरादा नहीं था। इस तरह काम करने वाली इस सरकार ने सुधाकर को गिरफ्तार नहीं किया, जबकि उनके खिलाफ एससी और एसटी अत्याचार नियंत्रण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। भले ही हाल ही में पेन ड्राइव बांटने में डीके शिवकुमार की भूमिका सामने आई हो, लेकिन इन पुलिस ने अभी तक डीके शिवकुमार को बुलाकर पूछताछ नहीं की है। उन्होंने कहा कि यह सरकार बीजेपी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर नफरत की राजनीति करने में लगी है। उन्होंने आपत्ति जताई कि यह सरकार किसानों को मौत की सजा देने के लिए पूरक कदम उठा रही है। यह सरकार किसानों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने दिल्ली जाकर लड़ने का नाटक किया। उसके बाद राज्य सरकार ने किसानों को क्या दिया? पी. राजीव ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा दिया गया एनडीआरएफ का पैसा केवल 33 लाख किसानों को जारी किया गया है। उन्होंने इस बात की आलोचना की कि केंद्र से पैसा तो बांटा जा रहा है लेकिन उनकी ओर से एक रुपया नहीं दिया जा रहा है।

तय राशि से लगभग दोगुनी राशि दी थी

इससे पहले, जब भाजपा की राज्य सरकार येदियुरप्पा और बसवराज बोम्मई के नेतृत्व में थी, तो उसने एनडीआरएफ की पूर्ति के लिए अपने खजाने से धन जारी किया था। इस सरकार में एक रिकॉर्ड है। हमने फसल नुकसान के लिए तय राशि से लगभग दोगुनी राशि दी थी। आप राहत देने में इतनी देरी क्यों कर रहे? इस सरकार के हाथ किसने बांध रखे हैं? केंद्र सरकार की ओर से सूखा राहत के तौर पर 3,454 करोड़ रुपये दिये गये हैं। इसे पूरी तरह से जारी नहीं किया गया है। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि यदि पूर्व में एसडीआरएफ के माध्यम से दी जाने वाली राशि में कटौती की गयी तो यह एनडीआरएफ के नियमों का उल्लंघन होगा। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि यह सरकार जितना मुआवजा देना है उसे देने से पीछे हटने के साथ केंद्र सरकार जो मुआवजा दे रही है, उसमें भी कटौती कर रही है। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण, प्रदेश प्रवक्ता एच.एन. चन्द्रशेखर उपस्थित थे।

दूषित पानी की समस्या

सीएम सिद्धरामैया ने जिला कलेक्टरों को दी चेतावनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने चेतावनी दी है कि अगर राज्य के किसी भी हिस्से में प्रदूषित पानी की समस्या पाई गई तो संबंधित जिला कलेक्टर जिम्मेदार होंगे। आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव आचार संहिता में ढील दिए जाने के बाद गुरुवार को मुख्यमंत्री ने गृह कार्यालय कृष्णा से जिला कलेक्टरों, जिला पंचायत के कार्यकारी अधिकारियों के साथ वीडियो बातचीत की। मैसूरु के 2 गांवों में हैजा फैला हुआ है। टी. नरसीपुर तालुक के तगादुर और के. सलाहुंडी गांवों में दूषित पानी के कारण हैजा के मामले बढ़े हैं। उन्होंने जल प्रदूषण के लिए इंजीनियरों की गैरजिम्मेदारी को जिम्मेदार ठहराया। यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह पीने के लिए सुरक्षित है या नहीं, पानी की गुणवत्ता का प्रतिदिन परीक्षण किया जाना चाहिए।

ऐसा न करने में लापरवाही अधिकारियों द्वारा किया गया सबसे बड़ा अपराध है। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। अब से पीने के पानी का नियमित परीक्षण किया जाना चाहिए। यदि किसी भी हिस्से में प्रदूषित पानी का मामला सामने आता है तो संबंधित जिला कलेक्टर जिम्मेदार होंगे।

उन्होंने चेतावनी दी कि हैजा एवं अन्य संक्रामक रोगों के मामले में अपने कर्तव्यों की अनदेखी करने वाले जिला स्तरीय अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करनी होगी। के सलाहुंडी गांव में 40 लोग बीमार पड़ गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि हाल ही में सामने आए एक मामले में एक युवक की मौत हो गई। पिछले साल विजयपुरा, कलबुर्गी समेत कई इलाकों में दूषित पानी के मामले बार-बार सामने आए थे। महानगर बेंगलूरु में भी दूषित जल के छिटपुट मामले सामने आए हैं, लेकिन त्वरित उपचार के कारण कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई है।

पीने के पानी में दूषित पानी मिलाने में अधिकारी लापरवाही बरत रहे हैं, जिससे आम लोगों, खासकर गरीबों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। बैठक में मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे को प्राथमिकता दी है और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं।

कांग्रेस सरकार ने एक साल में प्रदेश के लिए क्या योगदान दिया: एचडी रेवन्ना

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। विधायक एचडी रेवन्ना ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने के बाद एक साल में राज्य के लिए क्या योगदान दिया है? शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हमने स्कूल-कॉलेजों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करायी हैं। सरकार बने एक साल हो गया, क्या प्रदेश में सड़कों के गड्ढे बंद हुए? उन्होंने पूछा कि क्या शिक्षक का पद भर गया है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी के प्रशासन में शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाया गया, उनके कार्यकाल के दौरान 1500 हाई स्कूल, 240 प्रथम श्रेणी कॉलेज खोले गए और सैकड़ों रिक्त शिक्षकों के पद भरे गए। 50 साल तक सत्ता में रही कांग्रेस सरकार ने कुछ नहीं किया, जबकि कुमारस्वामी और येदियुरप्पा ने शिक्षा क्षेत्र में यो-गदान दिया है, कुमारस्वामी और हमारे जेडीएस विधायकों ने पूरे देश में शिक्षा पर जोर दिया है। हमारा जिला अभी एसएसएलसी परिणाम में 15वें स्थान पर है और हमारी सरकार के शासनकाल में पहले स्थान पर था। इसका कारण कौन है? उन्होंने इस चुनाव में हमारी पार्टी के उम्मीदवार को वोट देने का अनुरोध किया। मैंने लोकसभा चुनाव का नतीजा जनता की ताकत पर छोड़ा है, मैं जनता के फैसले के सामने झुकूंगा। हम सत्ता के लिए नहीं लड़ते, हम सत्ता के साथ काम करते हैं। उन्होंने कहा कि वह बिना अधिकार के भी काम करेंगे। दायर दो मामलों पर टिप्पणी करते हुए रेवन्ना ने कहा कि किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है, इसका जवाब तो समय ही देगा। बस समय चाहिए। देवेगौड़ा ने 60 वर्षों तक हमारे जिले के लोगों की रक्षा की है। जिले की जनता ने मुझे 25 वर्षों तक आशीर्वाद दिया है। प्रज्वल रेवन्ना को 48 घंटे के भीतर आने के कुमारस्वामी के अनुरोध पर उन्होंने कहा कि जब मामला अदालत में है तो मैंने कुछ नहीं कहुंगा।

चुनाव आयोग कांग्रेस पार्टी को धमकाना बंद करे और निष्पक्षता से काम करे : हरिप्रसाद

यह चुनाव लोकतंत्र और संविधान के अस्तित्व का सवाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य बीके हरिप्रसाद ने मांग की है कि चुनाव आयोग को कांग्रेस पार्टी को धमकाना और सलाह देना बंद कर देना चाहिए और निष्पक्ष तरीके से अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने इस बारे में एक प्रेस बयान देते हुए कहा कि मतदाता करीब से देख रहे हैं कि देश में चल रहे आम चुनाव नफरत, अराजकता और पक्षपात के साथ आयोजित किए जा रहे हैं, जैसा पहले कभी नहीं हुआ। यह चुनाव लोकतंत्र और संविधान के अस्तित्व का सवाल है। उन्होंने कहा कि यह आश्चर्य की बात है

कि चुनाव आयोग ने चेतावनी दी है कि इस तरह के खतरे को देश के लोगों से छुपाया जाना चाहिए। भाजपा सांसदों और वरिष्ठ नेताओं ने खुलेआम बयान दिया है कि अगर वे इस बार सत्ता में आए तो हम संविधान बदलने के लिए तैयार हैं। राजस्थान के नागौर लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार ज्योति मिर्धा ने एक खुले चुनाव अभियान में कहा है कि देश की भलाई के लिए संविधान को बदलना जरूरी है। अयोध्या के मौजूदा सांसद और भाजपा उम्मीदवार लल्लू सिंह कुड़ी ने बयान दिया है कि अगर वह दोबारा सत्ता में आए तो देश को नया संविधान देंगे। इसके अलावा, वर्तमान सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनंत कुमार हेगड़े संविधान विरोधी बयान दे रहे हैं कि संविधान बदलने के लिए भाजपा को 400 सीटें जरूरी हैं। उन्होंने ऐसे खतरनाक बयानों पर आपत्ति जताई है जिस पर ना तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ना ही बीजेपी पार्टी ने जरा सी भी सफाई दी है।

प्रधानमंत्री के मुख्य आर्थिक सलाहकार विवेक ने लिखा है कि नए संविधान की जरूरत है। यह कोई रहस्य नहीं है कि भाजपा की संविधान विरोधी और आरक्षण विरोधी मानसिकता शुरू से ही रही है।

लेकिन संविधान के तहत काम करने वाले चुनाव आयोग की चुप्पी के पीछे मकसद क्या है? इस क्षण तक नोटिस देने के लिए भी किसकी सहमति का इंतजार किया जा रहा है? देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी को धमकाना सही नहीं है। देखा जाए तो कांग्रेस पार्टी को चेतावनी दी जा रही है कि देश के संविधान को रद्द किया जा सकता है। क्या भाजपा की संविधान बदलने की मंशा के लिए चुनाव आयोग की कोई समिति है? क्या देश की जनता को यह बताना गलत है कि संविधान खतरे में है? भाजपा नेताओं ने प्रधानमंत्री रहते हुए खुलेआम धर्म के आधार पर नफरत फैलाने वाले भाषण दिए और विरोध जताया कि चुनाव आयोग कार्रवाई नहीं कर रहा है। भारत के चुनावी इतिहास में पहली बार देश चुनाव आयोग का पक्षपात और निष्क्रियता देख रहा है। इससे पहले कि देश के मतदाताओं का चुनाव आयोग पर से पूरा भरोसा उठ जाए, उन्होंने मांग की है कि वह अपनी गरिमा और विरासत को निभाए।

प्रज्वल रेवन्ना की भारत वापसी सुनिश्चित करने के लिए उनका राजनयिक पासपोर्ट रद्द करें

सीएम सिद्धरामैया ने पीएम मोदी को फिर लिखा पत्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने पेन ड्राइव मामले के केंद्र में रहे हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने के लिए दूसरी बार प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। अगर विदेश में प्रज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द हो जाता है तो उन्हें भारत लौटना होगा। उन्होंने समझाया कि उसे गिरफ्तार कर कार्रवाई करने में सहूलियत होगी। गंभीर प्रकृति के सिलसिलेवार कृत्यों में प्रज्वल रेवन्ना की संलिप्तता ने न केवल लोगों को आहत किया है, बल्कि राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता पैदा की है।

प्रज्वल रेवन्ना की हरकत शर्मनाक है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री के पोते ने फिर से चुनाव लड़ने की मांग करते हुए चुनाव लड़ा। एफआईआर दर्ज होने से कुछ घंटे पहले और लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद 22 अगस्त को वह राजनयिक पासपोर्ट (नंबर बी 1135500) का उपयोग करके जर्मनी भाग गया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उन्होंने देश से भागने और आपराधिक मामलों में मुकदमे से बचने के लिए राजनयिक शिष्टाचार का दुरुपयोग किया है। कर्नाटक सरकार ने ईमानदार कदम उठाते हुए मामले की जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन किया है। एसआईटी प्रज्वल रेवन्ना द्वारा महिलाओं पर कथित हमले की जांच कर रही है। आरोपी फरार है और ब्लू कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया है। जांचकर्ताओं ने सीआरपीसी की धारा 41ए के तहत दो नोटिस जारी किए। प्रज्वल के खिलाफ रेप, यौन उत्पीड़न, महिलाओं की गरिमा का अपमान, अश्लील वीडियो समेत कई एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आर-ोप है कि पीड़िता को धमकी भी दी गई। आरोपियों को गिरफ्तार कर लाने में केंद्र सरकार से सहयोग नहीं मिल रहा है। अनावश्यक औपचारिकताएं प्रस्तावित कर जानबूझकर देरी की जा रही है। इससे पहले मैंने उन्हें पत्र लिखकर मामले पर चिंता व्यक्त की थी और कार्रवाई करने का अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री ने अधीरता व्यक्त करते हुए कहा कि उसी समय इस कृत्य की गंभीरता को समझकर कार्रवाई की जानी चाहिए थी। अब भी मुख्यमंत्री ने इसे अत्यंत गंभीर मानते हुए अनुरोध किया है कि कानूनी कार्रवाई की जाए और पासपोर्ट अधिनियम 1967 की धारा 10 (3) (एच) के तहत प्रज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द किया जाए।

केंद्र प्रज्वल रेवन्ना के राजनयिक पासपोर्ट पर प्रक्रिया के अनुसार शुरू करेगा कार्रवाई: प्रल्हाद जोशी

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। सेक्स वीडियो मामले के मुख्य आरोपी और फरार जद (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना के राजनयिक पासपोर्ट को रद्द करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा बार-बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखने पर आपत्ति जताते हुए केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि पासपोर्ट रद्द करने की स्थापित प्रक्रियाएं हैं।

यहां पत्रकारों से बात करते हुए, जोशी ने कहा राजनयिक पासपोर्ट को रद्द करने के लिए अदालत में एक याचिका पहले ही दायर की जा चुकी है। केंद्र सरकार कार्रवाई शुरू कर रही है। जो लोग विदेश भाग गए हैं उन्हें वापस लाने की एक प्रक्रिया है। केंद्र सरकार राज्य सरकार को सहयोग देने के लिए तैयार है, अगर वे उम्मीद करते हैं कि पत्र लिखने के तुरंत बाद पासपोर्ट रद्द कर दिया जाएगा, तो यह कैसे संभव है? जोशी ने सवाल किया कि सीएम सिद्धरामैया, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार और गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर को मेरे सवाल का जवाब देने दीजिए। प्रज्वल रेवन्ना मामले से जुड़ी पेन ड्राइव 21 अप्रैल को सामने आई। हालांकि, वह 27 अप्रैल को विदेश चले गए। तब तक राज्य सरकार

क्या कर रही थी? जोशी ने आरोप लगाया, चुनाव खत्म होने तक कोई कार्रवाई नहीं की गई, क्योंकि उन्हें डर था कि इससे वोक्कालिगा वोट बैंक प्रभावित होगा। सेक्स वीडियो स्कैंडल एक गंभीर मामला है। प्रज्वल रेवन्ना को जांच का सामना करना चाहिए। अगर उन्होंने अपराध किया है, तो कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रज्वल रेवन्ना के प्रति सहानुभूति का कोई सवाल ही नहीं है। जोशी ने राज्य सरकार पर जांच से ज्यादा राजनीति पर ध्यान देने का आरोप लगाया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने बुधवार को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर हासन से आरोपी जद (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने के साथ-साथ उनकी भारत वापसी सुनिश्चित करने के लिए त्वरित और ठोस कार्रवाई करने का अनुरोध किया था।

बंगाल पुलिस की सीआईडी ने दी सनसनीखेज जानकारी

बांग्लादेशी सांसद की हत्या के लिए दी गई थी पांच करोड़ की सुपारी

कोलकाता, 23 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम की हत्या में बड़ा खुलासा हुआ है। बंगाल सीआईडी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि सांसद अजीम के दोस्त ने ही हत्या के लिए लगभग पांच करोड़ रुपए की सुपारी दी थी। बांग्लादेश के गृहमंत्री असदुज्जामां खान ने बुधवार को कहा था कि अजीम 13 मई से लापता हैं। वे कोलकाता में थे। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सीआईडी के आईजी अखिलेश चतुर्वेदी ने बताया कि यह एक सुनियोजित हत्या है। सांसद के एक पुराने मित्र ने ही उन्हें मारने के लिए सुपारी दी थी। करीब पांच करोड़ की सुपारी थी। उनका दोस्त एक अमेरिकी नागरिक है, जिसका कोलकाता में एक फ्लैट है। एक दिन पहले उन्होंने कहा था कि अभी तक विदेशी सांसद का शव बरामद नहीं हो पाया है। क्या पुलिस को फ्लैट में खून के धब्बे मिले हैं, इस सवाल पर सीआईडी के

अधिकारी ने बताया कि हमारी फोरेंसिक टीम घटनास्थल की जांच कर रही है। इस बारे में बोलना अभी जल्दबाजी होगी।

बांग्लादेशी सांसद इलाज के लिए कोलकाता आए थे। उप उच्चायोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सांसद अजीम 12 मई को कोलकाता पहुंचे थे और शहर के उत्तरी इलाके में बारानगर में अपने दोस्त के घर पर ठहरे थे। 13 मई को वह किसी से मिलने गए लेकिन वापस नहीं लौटे। मामले का खुलासा 18 मई को हुआ, जब बांग्लादेशी सांसद के परिचित गोपाल बिस्वास ने थाने में उनके लापता होने की जानकारी दी। अजीम कोलकाता में बिस्वास के घर पर ही रुके थे। बिस्वास ने दावा किया कि सांसद 17 मई से उनके सम्पर्क में नहीं थे। इसलिए उन्होंने एक दिन बाद गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। उनके फोन से परिवार के सदस्यों को संदेश भेजे गए थे कि वह नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। उनका कोई पता नहीं है।

जंग-ए-आजादी स्मारक मामले में चुनाव आयोग ने मांगी रिपोर्ट

चंडीगढ़, 23 मई (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने पंजाब के मुख्य सचिव से जंग-ए-आजादी स्मारक मामले में रिपोर्ट मांगी है। विजिलेन्स ब्यूरो ने कल स्मारक निर्माण में कथित अनियमितताओं को लेकर वरिष्ठ पत्रकार और अजीत समूह के डॉ बलजिन्दर सिंह हमदर्द समेत 26 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। विपक्षी भाजपा, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल नेताओं ने इसे प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला करार दिया था।

भाजपा पंजाब अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने इस संदर्भ में निर्वाचन आयोग को पत्र भी लिखा था। चुनाव आयोग ने वीरवार को पंजाब के लिये नियुक्त विशेष पर्यवेक्षक ने इस मामले में पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पंजाब सरकार के मुख्य सचिव से तथ्य आधारित रिपोर्ट मांगने का निर्देश दिया।

महाराष्ट्र : केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लगने से आठ की मौत, 48 घायल

मुंबई, 23 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के डोंबिवली में गुरुवार को एक रासायनिक कारखाने में बॉयलर विस्फोट के बाद भीषण आग लगने से कम से कम आठ श्रमिकों की मौत हो गई और 48 अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि विस्फोट डोंबिवली एमआईडीसी क्षेत्र के फेस-2 में स्थित एम्बर केमिकल कंपनी के बॉयलर में हुआ।

एक प्रत्यक्षदर्शी ने दुर्घटना की पुष्टि करते हुये बताया कि विस्फोट इतना जोरदार था कि इसे एक किलोमीटर दूर तक आवाज सुनायी दी। निकटवर्ती इमारत के शीशे टूट गए, जबकि आसपास के कई घर विस्फोट से क्षतिग्रस्त हो गए। एक नागरिक अधिकारी ने बताया कि घायल श्रमिकों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया है। ठाणे नगर निकाय के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन

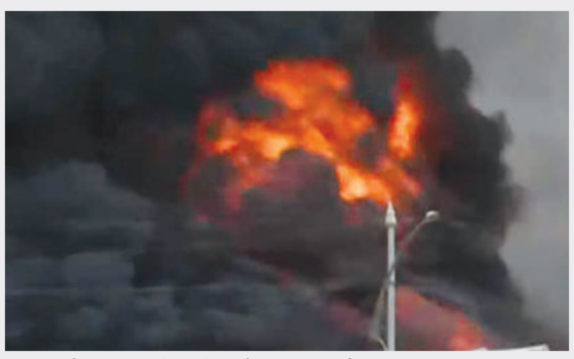

तडवी ने कहा कि विस्फोट दोपहर करीब 1.40 बजे रसायन कारखाने में हुआ।

उन्होंने कहा कि विस्फोट के बाद लगी आग आसपास की तीन फैक्टरियों में फैल गई और धुएं और आग की लपटें काफी दूर से देखा जा सकती थी। उन्होंने कहा, घायलों के इलाज की व्यवस्था की गई है और अधिक एम्बुलेंस तैयार रखी गई हैं। मैंने ठाणे कलेक्टर से चर्चा की है और वे भी मौके पर पहुंच रहे हैं... राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) टीडीआरएफ और दमकल विभाग की टीमों को बुलाया गया है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने एक्स पर कहा, मैं ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। विस्फोट अपराह्न के भोजन के समय अमुदान केमिकल कंपनी लिमिटेड के एक बॉयलर में हुए और जिला अधिकारियों ने बचाव अभियान में मदद के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय दमकल विभाग और पुलिस को बुलाया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आग की लपटें आसपास के अन्य उद्योगों में न फैल सकें।

सुक्खू की याददाश्त कमजोर, मेडिकल कॉलेज पर गली-गली बोल रहे झूठ :ठाकुर

सुजानपुर/धर्मपुर, 23 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को कहा है कि सर्वविदित है कि हमीरपुर मेडिकल कॉलेज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की देन है। मगर या तो मुख्यमंत्री सुक्खू की याददाश्त कमजोर है या उन्हें भाजपा के किए कामों की क्रेडिट लेने की बीमारी लग गई है। श्री सुक्खू गली-गली घूम कर मेडिकल कॉलेज पर सिर्फ़ झूठ बोल कर सिर्फ़ अपने अपरिपक्व राजनीति का परिचय दे रहे हैं।

श्री ठाकुर ने कहा कि 16 महीनों के शासन में मुख्यमंत्री सुक्खू जनता के लिए कुछ नहीं कर पाए, अपनी एक भी गारंटी पूरी नहीं कर पाए तो अब चुनाव के समय जन आक्रोश से बचने के लिए भाजपा के कार्यों को अपना बताकर बेचना चाह रहे हैं। अच्छा होगा अगर मुख्यमंत्री दूसरे के काम चुराने से ज्यादा अपने सरकार के कार्यों पर ध्यान दें क्योंकि ये पब्लिक है, सब जानती है। उन्होंने कहा, चार जून को कांग्रेस बेहद बुरी तरह हमीरपुर लोकसभा सीट हार रही है। मुख्यमंत्री भी ये बात भली- भाँति जानते हैं। अपनी खोती विश्वसनीयता, ख़त्म होते जनाधार और इहताशा में उन्होंने झूठ को अपना आवरण बना लिया है। आज मेडिकल कॉलेज और रेल पर झूठ बोल रहे, चार जून को ये

ईवीएम का रोना रोयेंगे। जनता के आशीर्वाद से मोदी सरकार से जोलसप्पड़ में मेडिकल कॉलेज की मंज़ूरी करवाई, जमीन भी हमने उपलब्ध कराई, शिलान्यास भी हमने किया, निर्माण कार्य भी हमने ही शुरु कराया, और उद्घाटन भी हम ही करेंगे। मगर मुख्यमंत्री को झूठ बोलने की बीमारी लग चुकी है और इसी लिए वो गली-गली मेडिकल कॉलेज का रोना रो रहे हैं।

श्री ठाकुर ने आगे हमीरपुर मेडिकल कॉलेज की घोषणा से लेकर बनने और उद्घाटन तक का संपूर्ण विवरण देते हुए बताया, श्री सुक्खू याददाश्त दुरुस्त करते हुए बताना चाहूँगा कि एक मार्च 2014 को, जोनल अस्पताल मंडी में 100 बिस्तरों वाले मातृ-शिशु ब्लॉक (17 करोड़ रुपये की लागत) की आधारशिला रखते हुए, तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, गुलाम नबी आज़ाद ने हिमाचल प्रदेश के लिए दो मेडिकल कॉलेजों (चंबा और नाहन) के साथ-साथ दो ट्रॉमा सेंटर और एक बर्न सेंटर के स्थापन कि घोषणा की। इस घोषणा का उद्देश्य पूर्णतः 2014 के लोकसभा चुनावों को प्रभावित करना था क्योंकि इसमें किसी भी तरह का बजटीय प्रावधान नहीं था। इसके अतिरिक्त उन्होंने उस समय खराब मौसम के कारण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से टांडा मेडिकल कॉलेज के अधूरे सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ब्लॉक का उद्घाटन किया था। उसमे भी हमीरपुर मेडिकल कॉलेज का कोई उल्लेख नहीं था।

उन्होंने कहा, पांच मार्च 2014 को राज्य मंत्रीमण्डल की बैठक हुई और स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने का निर्णय लिया गया। उसी दिन, भारत के चुनाव आयोग ने लोकसभा के लिए आम चुनावों कि घोषणा कर दी, जिससे आदर्श आचार संहिता लागू हो गई तो ऐसे में इस मंत्रीमण्डल की बैठक और एमओयू का कोई मतलब नहीं रह गया। चुनाव के बाद एनडीए सरकार बनने के बाद यूपीए सरकार के पास आगे कोई ठोस कदम उठाने का मौका नहीं रह गया था। नतीजतन, इन दो मेडिकल कॉलेजों की घोषणा का विषय भी मेरे द्वारा उठाए जाने तक अधूरी ही रह गई थी।

श्री ठाकुर ने कहा, विभिन्न स्तरों पर व्यक्तिगत मुलाक़ातों और पत्राचार के माध्यम से स्वास्थ्य और कल्याण मंत्रालय के साथ इस मामले को सक्रिय रूप से उठाया और काफी प्रयासों के बाद न केवल चंबा और नाहन मेडिकल कॉलेजों के लिए धन जारी हुआ, बल्कि चरणबद्ध उद्घाटन के लिए निर्धारित 157 नए मेडिकल कॉलेजों की सूची में डॉ. राधाकृष्णन मेडिकल कॉलेज, हमीरपुर को भी सफलतापूर्वक शामिल कराया।

सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 7 नक्सलियों को मार गिराया, 10 से अधिक घायल

▪ मुठभेड़ जारी, अत्याधुनिक हथियार बरामद

नारायणपुर, 23 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में माओवादी संगठन के बटालियन नम्बर-5 के साथ जवानों की जबरदस्त मुठभेड़ जारी है। खबर लिखे जाने तक सात नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नारायणपुर, बीजापुर और दंतेवाड़ा की फोर्स ने नक्सलियों को घेर रखा है और दोनों तरफ से ताबड़तोड़ फायरिंग चल रही है।

नारायणपुर पुलिस अधीक्ष प्रभात कुमार, दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव रॉय और बस्तर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा जवानों के सम्पर्क में हैं। उन्होंने बताया कि मारे गए नक्सलियों की संख्या और बढ़ सकती है। उन्होंने दावा है कि इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों को गोली लगी है, अभी तक सात नक्सली के शव मिले है और करीब 10 घायल होने की सूचना है, लेकिन जवानों के वापस लौटने के बाद ही इसकी पुष्टि हो पाएगी, फिलहाल जवानों ने चारों ओर से नक्सलियों को घेर रखा है और मुठभेड़ जारी है।

नारायणपुर जिले का अबूझमाड़ ओरछा बीजापुर जिले का सीमावर्ती इलाका है और यहां लगातार

नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पुलिस को मिल रही थी, जिसके बाद गुरुवार की सुबह तीनों जिलों की फोर्स जिसमें आईटीबीपी, एसटीएफ, डीआरजी और बस्तर बटालियन के जवानों ने संयुक्त अभियान चलाकर नक्सलियों के ठिकाने पर दबिश दी तीन जिले के 1000 जवान तलाश अभियान पर निकले थे। इस दौरान अलग-अलग इलाकों पर नक्सलियों और जवानों के बीच मुठभेड़ हुई और लगातार पिछले पांच घंटे से जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। पुलिस ने बताया कि 50 से 60 की संख्या में नक्सलियों की मौजूदगी के बारे में सूचना मिली, जिसके बाद जवानों ने नक्सलियों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की है। मौक़े से पांच ऑटोमेटिक हथियार भी बरामद किया गया है।

सीएम साय ने सुरक्षा बलों की बड़ी कामयाबी और साहस को किया सलाम

नारायणपुर, 23 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में गुरुवार को सुरक्षाबलों के संयुक्त अभियान में सात नक्सलियों के ढेर होने और 10 के घायल होने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ हमारी सरकार मजबूती से लड़ाई लड़ रही है। प्रदेश से नक्सलवाद का खात्मा ही हमारा लक्ष्य है।

श्री साय ने एक्स पर कहा, नारायणपुर-बीजापुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों की बीच हुई मुठभेड़ में सात नक्सलियों के मारे और 10 के घायल होने की खबर आ रही है। यह निश्चित ही सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। उनके साहस को सलाम करता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ हमारी सरकार मजबूती से लड़ाई लड़ रही है। प्रदेश से नक्सलवाद का खात्मा ही हमारा लक्ष्य है। सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में तीन महिलाएं भी शामिल थी। यह अभियान नारायणपुर और कांकेर जिले की सीमा पर शुरू किया गया था।

एटा में भीषण हादसा

बाइकों में आमने-सामने की भिड़ंत पिता व दो बेटों सहित चार की मौत

एटा, 23 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के एटा में बृहस्पतिवार की देर शाम दो बाइकों में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में पिता व दो बेटों सहित दूसरी बाइक पर सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि दो लोग घायल हो गए। घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

हादसा रिजोर थाना क्षेत्र के बाकलपुर के पास हुआ। गुमानपुर गांव निवासी महावीर सिंह (35) अपने दो पुत्र पीयूष (7) और यश (5) के साथ ही पत्नी नीरज के साथ बाइक से ससुराल नगला रंजीत जसराना से वापस आ रहे थे। बृहस्पतिवार शाम वह बाकलपुर के पास पहुंचे ही थे कि सामने से आ रही एक बाइक से उनकी भिड़ंत हो गई।

इससे दोनों बाइकों पर सवार छह लोग दूर जा गिरे। राहगीरों ने मामले की जानकारी थाना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को मेडिकल कॉलेज लेकर आई। यहां इमरजेंसी में चिकित्सक ने गुमानपुर निवासी महावीर सिंह, पीयूष व यश को मृत बता दिया।

जबकि दूसरी बाइक पर सवार जलेसर के महावीरगंज निवासी ललित को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल नीरज को आगरा रेफर किया गया है। फफोतू निवासी राजा का उपचार चल रहा है।

बाल विवाह करने जा रहे दुल्हा समेत आठ लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी, 23 मई (एजेंसियां)। असम में करीमगंज पुलिस ने जिले में बाल विवाह से निपटने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए हैं, जिसके परिणामस्वरूप दूल्हे और काजी सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये गिरफ्तारियां पत्थरकांडी निर्वाचन क्षेत्र के कबरीबंद गांव में छापेमारी के दौरान की गईं।

बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की कड़ी चेतावनी के बावजूद, यह गैरकानूनी प्रथा जारी है। सीएम ने असम में बाल विवाह उन्मूलन के महत्व पर बार-बार जोर दिया है, यह कहते हुए कि यह राज्य कानून के तहत एक दंडनीय अपराध है। हालांकि, हालिया घटना विशेष रूप से कुछ समुदायों के भीतर चल रही अवज्ञा को उजागर करती है।

इस मामले में अपराधी बिलालुद्दीन, सिर्फ पांच किलोमीटर दूर पास के गांव की एक कम उम्र की लड़की से शादी करने वाला था। कानूनी निहितार्थ जानने के बावजूद, दोनों परिवारों ने शादी को आगे बढ़ाने का फैसला किया, जो काजी की उपस्थिति में आयोजित की गई थी। स्थानीय ग्राम रक्षा पार्टी (वीडीपी) के सदस्यों ने पुलिस को आसन्न बाल विवाह के बारे में सचेत किया। पहुंचने पर पुलिस ने

पुष्टि की कि दुल्हन नाबालिग है।

पुलिस ने बिलालुद्दीन के साथ शब्बीर उद्दीन, दिलवर हुसैन, असब उद्दीन, निज़ाम उद्दीन, शाद उद्दीन, अली हुसैन और महताबुर रहमान को तुरंत गिरफ्तार कर लिया।

कम उम्र की दुल्हन को बचाया गया और सुरक्षा और देखभाल के लिए बाल कल्याण सोसायटी को सौंप दिया गया। बाल विवाह पर मुख्यमंत्री सरमा का रुख बच्चों के अधिकारों को बनाए रखने और उन्हें ऐसी हानिकारक प्रथाओं से बचाने के लिए एक व्यापक राज्य पहल को रेखांकित करता है। करीमगंज पुलिस का सक्रिय दृष्टिकोण बाल संरक्षण कानूनों का उल्लंघन करने का प्रयास करने वालों को कानूनी परिणामों की याद दिलाता है।

असम सरकार ने 2023 में बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। 3000 से अधिक बाल विवाह अपराधियों, जिनमें ज्यादातर मुस्लिम थे, को गिरफ्तार किया गया और इन अपराधियों के खिलाफ 4500 से अधिक मामले दर्ज किए गए। अब तक इनमें से 42 अपराधियों को विभिन्न अदालतों ने पॉक्सो अधिनियम के तहत दोषी ठहराया और कारावास की सजा सुनाई। लेकिन राज्य के दूर-दराज के मुस्लिम इलाकों में अब भी बाल विवाह हो रहे हैं. सीएम सरमा ने 2026 तक राज्य से बाल विवाह खत्म करने का संकल्प लिया।

कांग्रेस और आरजेडी देश में लाना चाहते हैं तालिबानी शासन : योगी

▪ सीएम योगी ने पूर्वी चंपारण में चुनावी जनसभा को संबोधित किया

पूर्वी चंपारण, 23 मई (एजेंसियां)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) देश में पर्सनल लॉ के जरिए तालिबानी शासन लागू करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे तालिबानी शासन में बेटियां पढ़ने नहीं जा पाएंगी, महिलाएं बाजार नहीं जा पाएंगी और बुर्के में कैद हो जाएंगी। योगी आदित्यनाथ गुरुवार को मोतिहारी में पूर्वी चंपारण लोकसभा सीट से पार्टी प्रत्याशी पूर्व केंद्रीय मंत्री राधा मोहन सिंह के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंडी गठबंधन अपने मेनिफेस्टो में मुस्लिमों को खान-पान की स्वतंत्रता देने की बात करता है। इसका मतलब है कि ये मुसलमानों को गोमांस खाने की छूट देना चाहता है। उन्होंने कहा कि जब-जब मुसलमान गोमांस खाता है तो हिन्दू उग्र होकर कहता है कि जनम जनम का नाता है गाय हमारी माता है। योगी ने जनता से सवाल पूछा कि क्या हम किसी को गोकशी की छूट देंगे? हमें कांग्रेस और आरजेडी को वोट देकर इस पाप का भागीदार नहीं बनना है। उन्होंने कहा कि हमे किसी भी हाल में राम विरोधियों को नहीं आने देना है। न तो हमें वीआईपी कल्चर वालों को आने देना है। ये लोग रोज पलटी मारने और रोज सौदेबाजी करने वाले हैं। उन्होंने कांग्रेस के मेनिफेस्टो में उल्लिखित विरासत टैक्स को इंडी गठबंधन का जजिया कर बताते हुए कहा कि इनके अंदर उस औरंगजेब की आत्मा घुस गई है, जिसने अपने पिता को बूंद बूंद पानी के लिए तड़पाया और बंदी बना लिया था। कोई भी सभ्य मुसलमान अपने बच्चों का नाम औरंगजेब नहीं रखता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राधा मोहन सिंह जैसा राजनेता मिलना दुर्लभ है।

यूपी के मुख्यमंत्री ने सत्याग्रह की संघर्ष भूमि और प्रधानमंत्री मोदी के स्वच्छाग्रह अभियान की भूमि तथा बाबा शोमेश्वरनाथ की पावन धरा को नमन करते हुए जननायक कर्पूरी ठाकुर को विनम्र श्रद्धांजलि दी। उन्होंने जनता के उत्साह का अभिनंदन करते हुए कहा कि चुनाव के बाद आप सभी अयोध्या आएं, मैं आपको दर्शन कराउंगा। उन्होंने कहा कि बिहार की धरती माता जानकी का मायका होने के नाते यूपी के लिए अहम स्थान रखता है। हमारा संबंध हजारों वर्ष पुराना है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उन्हें अबतक 12 राज्यों में चुनाव प्रचार में जाने का अवसर मिला है। मोदी लहर पूरे देश में सुनामी में बदल चुकी है। हर ओर एक ही स्वर और संकल्प है कि फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार। योगी ने कहा कि आरजेडी और कांग्रेस के लोगों को 400 पार का नारा सुनते ही चक्कर आने लगता है, क्योंकि दोनों मिलकर भी 400 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ रहे। उन्होंने कहा कि आज हर ओर जनता कह रही है कि रामभक्त ही राज करेगा राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर। जनता यह भी कहती है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे।

योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और आरजेडी पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग राम विरोधी और भारत विरोधी भी हैं। इनके कारनामे गरीब विरोधी हैं। ये जनता, बेटी और व्यापारी की सुरक्षा के विरोधी हैं।

उन्होंने बिहार में बीजेपी और जेडीयू की सरकार और केंद्र में एनडीए सरकार आने के बाद देश में हुए महत्वपूर्ण बदलावों और गरीब कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि कांग्रेस और आरजेडी का गठबंधन बिहार के लिए अशुभ है। इनके राज में गुंडागर्दी, लूटपाट और उपद्रव होते हैं। बिहार बदनाम हो चुका था, भूख से गरीब तड़पता था, किसान आत्महत्या और नौजवान पलायन के लिए मजबूर होता था।

अनुप्रिया और राजा भैया की जुबानी जंग का असर मिर्जापुर तक

लखनऊ, 23 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और कुंडा के विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के बीच जुबानी जंग का असर चुनाव पर पड़ने के आसार हैं। अनुप्रिया प्रतापगढ़ सीट पर राजा भैया पर हमला कर चुकी हैं। अब चर्चा है कि राजा भैया उनके खिलाफ मिर्जापुर में चुनाव प्रचार करने जाएंगे। ऐसे में नजदीकी मुकाबले वाली इन सीटों पर सियासी सरगर्मी कुछ ज्यादा ही बढ़ गई है।

मिर्जापुर में राजा भैया की पार्टी जनसत्ता दल लोकतांत्रिक ने समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को अपना समर्थन दिया है। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा ने समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी को पत्रक देकर अपना समर्थन जताया। दरअसल, इस मामले की शुरुआत उस समय हुई जब जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के अध्यक्ष राजा भैया ने गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद भी अपने समर्थकों को अपनी पसंद के अनुसार प्रत्याशी चुनने की बात कही।

इसके बाद उनके समर्थक प्रतापगढ़ में सपा प्रत्याशी की सभाओं में भी नजर आए। राजा भैया कौशांबी और प्रतापगढ़ लोकसभा सीट के साथ-साथ आसपास की कुछ अन्य सीटों पर भी प्रभाव रखते हैं। प्रतापगढ़ की दो विधानसभा सीटें कुंडा और बाबागंज कौशांबी लोकसभा क्षेत्र में आती हैं। राजा भैया खुद कुंडा से विधायक हैं और उनकी और पार्टी के विनोद सरोज बाबागंज सुरक्षित सीट से विधायक हैं।

यही वजह है कि कौशांबी की जीत काफी कुछ यहां पर निर्भर करती है। चर्चा है कि कौशांबी सीट पर हुए मतदान में राजा भैया के समर्थकों ने सपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया। अब राजा भैया के इस तरह से किनारा करने का असर प्रतापगढ़ लोकसभा सीट पर भी पड़ रहा है। प्रतापगढ़ सीट पर काफी संख्या में (13 फीसदी) पटेल बिरादरी के लोग हैं, जिनको साधने के लिए भाजपा की सहयोगी अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल भी लगातार प्रचार कर रही हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में गठबंधन से अपना दल के कुंवर हरिवंश सिंह यहां से चुनाव जीते थे। राजा भैया के बदले रुख से नाराज अनुप्रिया पटेल ने हाल ही में कुंडा में हुई एक सभा में यह कहकर प्रतापगढ़ का सियासी तापमान बढ़ा दिया था कि लोकतंत्र में राजा, रानी के पेट से नहीं, ईवीएम से पैदा होते हैं। भ्रम तोड़ दें कि कुंडा किसी की जागीर है। बिना नाम लिए अनुप्रिया का निशाना राजा भैया पर था।

राजनीतिक विश्लेषक प्रो. सुशील पांडेय कहते हैं कि प्रदेश में जातिगत राजनीति और इसके मतदाता काफी असरकारक होते हैं। इस बार भी मतदाता काफी शांत हैं। दावे चाहे जो हों ठाकुर मतदाता धर्मनिष्ठ है और वह भाजपा के साथ जाएगा। प्रतापगढ़ और कौशांबी में पार्टी नहीं बल्कि प्रत्याशियों को लेकर राजा भैया की नाराजगी है। वे इन सीटों पर अपना प्रभाव रखना चाहते हैं। भाजपा ने भी जाति को ध्यान में रखकर टिकट दिया है। कुर्मी मतदाता काफी संगठित होता है। ऐसे में यह खींचतान शायद इसी का असर है। हालांकि, यहां भी काफी ओबीसी व दलित मतदाता भाजपा के साथ हैं।

केंद्र के राशन पर पटनायक सरकार अपना नाम चिपका देती है: योगी

केंद्रपाड़ा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी बैजयंत जय पांडा को जिताने की अपील

केंद्रपाड़ा (ओड़ीशा), 23 मई (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ गुरुवार को ओड़ीशा की नवीन पटनायक सरकार पर बरसे। उन्होंने बीजद सरकार पर आरोप लगाया। बोले कि भारत 80 करोड़ लोगों को राशन दे रहा है। मोदी जी राशन भेजते हैं और नवीन पटनायक के नौकरशाह उस पर अपना नाम चस्पा करते हैं। पैसा दिल्ली से आता है, लेकिन यहां की सरकार गुमराह करती है। आयुष्मान भारत की सुविधा नवीन पटनायक सरकार ने शुरू नहीं होने दी, क्योंकि मोदी जी ने डीबीटी के माध्यम से गरीबों के खाते में सीधे पैसा देना शुरू किया है और इन्हें लगता है कि इसे लागू करने से कमीशनराशि बंद हो जाएगी। इस आयु में भी नवीन पटनायक ओडिशा की अस्मिता से खिलवाड़ कर रहे हैं। लैंड-सैंड, कोल, माइनिंग माफिया को प्रश्रय देकर ओडिशा के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है और संसाधनों को लुटाया जा रहा है।

सीएम योगी ने ओड़ीशा में दूसरी रैली केंद्रपाड़ा लोकसभा सीट पर की और यहां से भाजपा प्रत्याशी बैजयंत जय पांडा को संसद में भेजने का आह्वान किया। योगी आदित्यनाथ ने केंद्रपाड़ा विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी गीतांजलि सेठी, महांगा से सुमंत कुमार घड़ेई, सलीपुर से अरिंदम रॉय, राजनगर से ललित बेहरा, ओल से कृष्ण चंद्र पांडा, महाकालपद से दुर्गा प्रसन्न नायक, पटकुरा से तेजेश्वर परीदा को कमल के फूल पर जिताने की अपील की।

सीएम योगी ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में यदि प्रशासनिक तंत्र शासन को चलाने लगता है कि अव्यवस्था, भ्रष्टाचार, तानाशाही बढ़ती है। गरीबों का शोषण होता है और माफियाराज पनपता है। 20-25 वर्षों में प्रशासनिक तंत्र ने सरकार को घेरे में लेकर ओड़िसा के लोगों को विकास की पटरी से 50 साल पीछे भेज दिया है। जनता के पास अवसर है, जैसे डबल इंजन सरकार उत्तर प्रदेश में कार्य कर रही है, वैसे ही वैसे ही ओड़ीशा में लाने के लिए भाजपा के सुयोग्य लोगों को जिताकर विधानसभा व लोकसभा में भेजें। सीएम ने कहा कि दस वर्ष में हमने बदलते भारत को देखा है। मोदी जी के नेतृत्व में इंफ्रास्ट्रक्चर के अनेक कार्य हुए। रेलवे का अत्याधुनिकरण हो रहा है। देश की आजादी से 2014 तक जितने एयरपोर्ट भारत में बने थे, दस वर्ष में उससे अधिक एयरपोर्ट मोदी जी के नेतृत्व बने हैं। अब पटाखा फूटने पर पाकिस्तान सफाई देता है कि मेरा हाथ नहीं है।

मिलकर लड़ना और लूटना ही इंडी गठबंधन का उद्देश्य : योगी

सीएम योगी ने पश्चिमी चंपारण में चुनावी जनसभा को संबोधित किया

पश्चिमी चंपारण, 23 मई (एजेंसियां)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल का उद्देश्य मिलकर लड़ना और लूटना है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में जनता एक स्वर से कह रही है कि फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार। योगी ने कहा कि बीते 10 साल में हम सबने बदलते भारत को देखा है। उन्होंने कहा कि आज का भारत दुश्मनों के घर में घुसकर काम तमाम करता है। योगी आदित्यनाथ गुरुवार को रामगढ़वा में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पार्टी प्रत्याशी डॉ संजय जायसवाल के लिए जनता से वोट की अपील की।

योगी ने कहा कि डॉ संजय जायसवाल एक उच्च शिक्षित चिकित्सक हैं। हम दोनों एक साथ सांसद थे। हम दोनों विकास के बारे में चर्चा करते थे। गरीब कल्याण की चर्चा करते थे। योगी ने जनसभा में मौजूद बुलडोजर को देखते हुए कहा कि यहां आने से पहले जो बुलडोजर यहां मंगाया गया है, यही माफिया और आतंकवादियों का सबसे अच्छा उपचार है।

बीजेपी के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मोदी सरकार में आतंकवाद और नक्सलवाद का सफाया हो चुका है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम विराजमान हो गये हैं। इस एक बात से ही बिहारवासी इतने मगन हैं, क्योंकि बिहार माता जानकी का मायका है। आज अयोध्या में भगवान श्रीराम का सूर्य तिलक हो रहा है। अयोध्या में उनका जन्मोत्सव भी मन रहा है और वह होली भी मना रहे हैं। आज अयोध्या ऐसी चमका दी गई है कि आपको लगेगा कि ये प्रभु श्रीराम के समय की अयोध्या हो गई है। योगी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी की साधना स्थली भले ही यहां पर है, मगर उनके नाम पर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण अयोध्या में हुआ है। वहां जितने भी विश्रामालय हैं वो निषादराज के नाम पर हैं। नि:शुल्क भोजन की व्यवस्था माता शबरी के नाम पर हो रही है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज एक तरफ भाजपा और एनडीए देश का सम्मान बढ़ा रही है, सुरक्षा को मजबूत बना रही है। विरासत का सम्मान, विकास की योजनाओं के साथ ही गरीब कल्याण के लिए काम कर रही है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस और आरजेडी के गठबंधन का उद्देश्य है मिलकर लड़ना और जीतकर लूटना। इन्हें लूटने की स्वतंत्रता कतई नहीं देना है। बिहार को जिस अराजकता से जेडीयू और बीजेपी ने उबारा है उसे फिर से नहीं लाना है। योगी ने कहा कि बिहार में लालू जी कहते हैं कि ओबीसी का आरक्षण मुसलमानों को दे देना चाहिए। यही बात कांग्रेस का मेनिफेस्टो भी कहता है कि अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग के आरक्षण से काटकर मुसलमानों को देना है। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी ने 10 साल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से उबारा है। वहीं राहुल कह रहे हैं कि एक झटके में वह सबको गरीबी से उबार देंगे। उसके लिए वह हर एक की व्यक्ति की संपत्ति का सर्वे कराएंगे और उसपर विरासत टैक्स लगाएंगे। पूर्वजों की संपत्ति में से आधी संपत्ति लेकर उसे पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आए घुसपैठियों को बांटेंगे। योगी ने कहा कि विरासत टैक्स के बाद आपके घर के एक कमरे में जबरदस्ती किसी मुसलमान को दे दिया जाएगा।

योगी ने कहा कि कांग्रेस के अंदर औरंगजेब की आत्मा घुस गई है। शरीफ मुसलमान भी अपने बच्चों का नाम औरंगजेब के नाम पर नहीं रखता है।

सरकारी संरक्षण में गुम हो गई भगवान जगन्नाथ पुरी के खजाने की चाबी

यूपी के सीएम योगी ने गुरुवार को ओड़ीशा में की चुनावी रैली

पुरी, 23 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार ने ओड़ीशा में पुरी लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं प्रत्याशी डॉ. संबित पात्रा और चिल्का विधानसभा से उम्मीदवार पृथ्वीराज हरिचंदन के समर्थन में रैली की। सीएम योगी ने पुरी के लोगों को अयोध्या में रामलला का दर्शन करने के लिए आमंत्रित किया।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में सम्मान, सुरक्षा, विकास, गरीब कल्याण और विरासत का संरक्षण है। एक तरफ अयोध्या में 500 वर्ष का इंतजार समाप्त होकर राम मंदिर बन गया है। अयोध्या पुरी में प्रभु राम के समय की चमकती हुई अयोध्या दिखाई देगी। वहां गुलामी के सारे ढांचे हट गए हैं। कोई गुलामी की बात नहीं कर सकता, वहां जयश्रीराम के नारे लगते हैं तो दूसरी तरफ नवीन पटनायक सरकार के संरक्षण में भगवान जगन्नाथ पुरी के मुख्य खजाने की चाबी ही गुम हो गई। यह लोग भगवान के खजाने में डकैती डाल रहे हैं। मां भगवती के श्री-चरणों में प्रार्थना करता हूं कि हमें इतनी ताकत मिले कि डबल इंजन सरकार लाकर ओड़िशा के अंदर लैंड माफिया, सैंड माफिया, कैटल माफिया और फॉरेस्ट माफिया पर यूपी जैसा बुलडोजर चला सकें।

सीएम योगी ने कहा कि जब सरकार भाजपा की बनती है और नरेंद्र मोदी जैसा नेतृत्व मिलता है तो देश में परिवर्तन आता है। आतंकवाद-नक्सलवाद नियंत्रित हुआ है। यह मोदी का नया भारत है, किसी को छेड़ता नहीं, लेकिन छेड़ने वाले छेड़ता नहीं है। यहां विकास तेजी से हो रहा है। आज टू-लेन, फोरलेन बन रहे हैं। मीटर गेज की नहीं, वंदे भारत, नमो भारत, अमृत भारत के रूप में बुलेट स्पीड से चलने वाली विश्वस्तरीय ट्रेन की सुविधा दी जा रही है।

सीएम ने कहा कि देश में 80 करोड़ लोगों को चार वर्ष से फ्री राशन मिल रहा है और अगले पांच वर्ष तक मिलेगा, लेकिन ओडिशा की नवीन पटनायक सरकार फ्री राशन की सुविधा को भी अपने नाम से भुनाने का कार्य करती है। नवीन पटनायक सरकार आयुष्मान भारत की सुविधा लागू नहीं होने देना चाहती है। मोदी सरकार सबका साथ-सबका विकास की भावनाओं के साथ विकास योजनाएं लागू हो रही हैं, लेकिन आज भी देश में ऐसे कुछ लोग हैं, जो रहते-खाते भारत का हैं और गाते पाकिस्तान का हैं। वे पाकिस्तान का राग अलापते हुए भारत के दुश्मनों का महिमा मंडन करते हैं। ऐसे लोगों पर बिफरे योगी ने कहा कि वे भारत पर बोझ न बनें, वे पाकिस्तान ही चले जाएं, जहां 23 करोड़ की आबादी एक किलो आटा, गेहूं के लिए तड़प रही है।

सीएम योगी ने कहा कि अब तक 12 राज्यों में दौरा किया हूं, हर जगह से यही आवाज आ रही है कि फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी बार-400 पार। वे यहां की 21 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं, इसलिए यह नारा सुनते ही बीजू जनता दल के नेताओं को चक्कर आने लगता है। यह लोग केंद्र में सरकार नहीं बना पाएंगे। इन्हें जिताकर कोई फायदा नहीं, इसलिए जनता ही बीजद को जवाब देती है कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। पूरे देश में जश्न है, क्योंकि पांच सदी के बाद प्रभु राम ने अपना जन्मदिन अयोध्या में मनाया और होली भी खेली। नया भारत विरासत और विकास की यात्रा लेकर चल रहा है।

सीएम ने आरोप लगाया कि बीजू जनता दल नौकरशाहों से घिरी सरकार है। जब नौकरशाही सरकार को घेरती है तो वह तानाशाही को जन्म देती है। जनता से उसका कोई वास्ता नहीं होता है। वहां भ्रष्टाचार पनपता है, गरीब के हक पर डकैती पड़ती है। लैंड और सैंड माफिया के आगे प्रशासनिक तंत्र विफल हो जाता है। किसी नौकरशाह को इतनी स्वतंत्रता नहीं देना चाहिए कि वह सत्ता का संचालन करने लग जाए। सत्ता का संचालन संसदीय लोकतंत्र में जनता की ओर से चुने गए जनप्रतिनिधि के ही माध्यम से होना चाहिए। यही सही लोकतंत्र का प्रतीक है। एक ओर यहां की सरकार उड़िया परंपरा व संस्कृति का मखौल उड़ा रही है, वहीं दूसरी ओर इंडी गठबंधन देश में जनविरोधी कार्य कर रही है।

सीएम ने कोलकाता हाईकोर्ट का आभार जताया। बोले कि तृणमूल सरकार ने 2010 से लगातार मुस्लिमों को ओबीसी जाति में जबरन शामिल कर ओबीसी आरक्षण में घुसपैठ करने का षडयंत्र किया था।

कोलकाता हाईकोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस सरकार के सभी फैसले को पलट दिया और कहा कि भारत के अंदर धर्म के अंदर आरक्षण नहीं हो सकता। इस पर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का मंतव्य ही आखिरी है। हमें संविधान की भावना का पालन करना चाहिए। धार्मिक आधार पर आरक्षण संविधान की मूल भावना के विपरीत है। भारतीय मूल के पिछड़ी, अनुसूचित जाति व जनजाति के लोगों को ही आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए।

सीएम ने कहा कि कांग्रेस, बीजद, तृणमूल कांग्रेस व इंडी गठबंधन से जुड़े दल तुष्टिकरण की पराकाष्ठा पर चढ़ गए हैं। यह कहीं स्वामी लक्ष्मणानंद के हत्यारों को संरक्षण देते हैं तो कहीं पिछड़ी, अनुसूचित जाति व जनजाति के आरक्षण पर घुसपैठ करना चाहते हैं। इन दलों के गठबंधन का आचरण भारत विरोधी है। इनकी नीतियां अराजकता, भ्रष्टाचार, मतांतरण, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली है। इनका घोषणा पत्र मुस्लिम लीग का लगता है। यह लोग विरासत टैक्स की वकालत करते हैं।

जहां लोग करते हैं रिश्वत से सख्त नफरत

दुनियाभर में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो रिश्वत लेने से जरा भी कुरेज नहीं करते। पैसे की ललक लोगों में इस कद्र बढ़ गई है कि रिश्वत लेनी या देनी आम बात हो गई है लेकिन दुनिया में एक जगह ऐसी भी हैं जहां लोग रिश्वत से सख्त नफरत करते हैं। जी हां, बेलारूस एक ऐसी जगह है जहां पर लोग रिश्वत से दूर रहते हैं। बेलारूस का अर्थ होता है, व्हाइट रशिया (सफेद रूस)। ईस्टर्न यूरोप में स्थित बेलारूस, पॉलैंड और रूस के बीच है। यहां के लोग बहुत सारी चीजों के लिए रूस पर निर्भर हैं। वह आर्थिक और रोजगार संसाधनों से ज्यादा अहमियत अपनी सोच, एजुकेशन और सिद्धांतों के देते हैं। यहां के नागरिक नियमों की कड़ी पालना करते हैं। पुलिस अधिकारी रिश्वत नहीं लेते हैं। 16 साल की उम्र में ही लोग पासपोर्ट बनवा लेते हैं। हैरानी की बात तो यह है कि यहां ऐसी कोई यूनिवर्सिटी नहीं है, जो बेलारूसियन भाषा का कोर्स कराती हो या इसका प्रशिक्षण देती हो।

विटामिन बी-3 खाओ,बढती उम्र की चिंता भगाओ

खुशी की खबर है कि यदि विटामिन बी-3 और उसकी उपलब्धता वाले तत्वों का सेवन करें तो आयु बढने के कारण शरीर में आने वाले परिवर्तनों पर थोडा विराम लग सकता है और उम्र से जुडे मधुमेह जैसे रोग भी जल्द नहीं घेर पाएंगे। मैड्रिड के आईएमडीईए फूड के वैज्ञानिकों ने एक या कुछ ऑक्सीकरण रोधी एंजाइमों की बजाय कोशिकाओं की समूची ऑक्सीकरण रोधी क्षमता में वृद्धि करने का प्रयास किया है।

अल्जाइमर से भूली बातें वापस आ सकती हैं याद

अल्जाइमर के कारण लोग बातें भूल जाते हैं। उन्हें याद दिलाना जटिल काम है। लेकिन नोबेल पुरस्कार से सम्मानित सुसुमु तोनेगावा ने अपने नए शोध के आधार पर पाया है कि दिमाग के एक खास हिस्से में नीली रोशनी डालने से याददाश्त वापस लाई जा सकती है। जापानी वैज्ञानिक सुसुमु को जेनेटिक मैकेनिज्म में उनकी खोज के लिए 1987 में मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार मिला था। वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। वे मोल्येकुलर (आणविक) जीवविज्ञानी हैं। लेकिन उन्हें इम्यूनोलॉजी (रोगक्षमता विज्ञान) में काम के लिए नोबेल पुरस्कार मिला। अब वे न्यूरोसाइंस (तंत्रिका विज्ञान) के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। सुसुमु की टीम ने अभी चूहे तक ही प्रयोग किया है और वे सफल रहे हैं। उनका कहना है कि याददाश्त के मामले में चूहे और आदमी में एक समान चीजें पाई जाती हैं इसलिए यह संभावना बनी है। अल्जाइमर के शुरुआती स्टेज में तो इसकी संभावना ज्यादा है कि याददाश्त वापस लाई जाए। इस प्रयोग के बारे में 'नेचर' जर्नल में इस टीम का लेख छपा है।

कैसे किया

इसके लिए चूहे में जेनेटिक बदलाव लाया गया ताकि उसके दिमाग में उस तरह की स्थिति लाई जा सके जो अल्जाइमर की शुरुआत में होती हैं। ऐसे कई चूहों को एक बक्से में रखा गया जिसके पेंदे में काफी कम स्तर का बिजली का करेंट दिया गया। यह उनके लिए असुविधाजनक तो था लेकिन खतरनाक नहीं था। इसका मकसद उनके पैरों को शॉक ट्रीटमेंट देना था। थोड़े दिनों बाद दिमाग की स्कैनिंग से लगा कि वे कुछ बातें भूल गए हो सकते हैं। फिर, उन चूहों के सिर के एक खास हिस्से को लेजर से नीली रोशनी डालकर उत्तेजित किया गया। इस हिस्से को 'एनग्राम सेल्स' कहते हैं। इससे उन्हें उस शॉक की याद आने लगी।

क्या संभावनाएं हैं

सामान्य चूहे पर भी इसी तरह के प्रयोग किए गए। इसका मकसद यह देखना था कि उनके दिमाग पर वही असर होता है या वे सामान्य तरीके से व्यवहार करते हैं। सामान्य तरीके का व्यवहार पाए जाने के बाद यह पाया गया कि अल्जाइमर का इस तरह इलाज किया जाना संभव है। चूंकि इसमें ऑप्टिकल (प्रकाशीय) तरीके का इस्तेमाल किया जा रहा है इसलिए इसे ऑप्टोजेनेटिक्स नाम दिया गया है। आने वाले दिनों में इस तरह के प्रयोग लोगों पर भी किए जाएंगे।

डिप्रेशन से डरें नहीं

जिंदगी हमें तरह-तरह के रंग दिखाती है। इसमें हमें कभी खुशियों की सौगात मिलती है, तो कभी दुख का अहसास भी होता है। कई बार हमारे जीवन का दुख काफी लंबा हो जाता है जो, डिप्रेशन यानी अवसाद का कारण बन सकता है। यह जीवन पर पडने वाला ऐसा काला साया है, जिससे जीवन के प्रति रुचि खत्म होने लगती है और दिन-प्रतिदिन के कामकाज से भी मन उचट जाता है, लेकिन अब इस मनोरोग से छुटकारा संभव है...

डिप्रेशन के कई कारण हो सकते हैं। किसी व्यक्ति के निजी जीवन से जुड़ी कई बातें भी डिप्रेशन केलिए जिम्मेदार होती हैं। जैसे हमारे जीवन में आने वाले महत्वपूर्ण पड़ाव जिसमें किसी प्रियजन का बिछड़ना, नौकरी का छूट जाना, विवाह संबंधों में टूटन, शिक्षा के क्षेत्र में असफलता और इस तरह की अन्य समस्याएं अवसाद का कारण बनती हैं। इसके अलावा जीवन के प्रति नकारात्मक सोच रखने वाले लोग अवसाद या डिप्रेशन से कहीं ज्यादा ग्रस्त होते हैं। जैसे वे सोचते हैं कि मैं सफल नहीं होऊंगा, इसलिए यह कार्य नहीं कर सकता या फिर कई लोगों के मन में हमेशा कुछ न कुछ अनहोनी का डर बना रहता है जिससे उनके अवसाद में जाने का खतरा बना रहता है। कुछ समस्याएं ऐसी हैं, जिनके कारण व्यक्ति अवसाद में जा सकता है। जैसे थायराइड से संबंधित बीमारियां, विटामिन डी की कमी और पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक समस्याएं आदि। कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट्स के कारण भी व्यक्ति डिप्रेशन की स्थिति में पहुंच सकता है। हालांकि अवसाद ग्रस्त व्यक्ति सामान्य व्यक्तियों की तुलना में एकाकी रहना पसंद करता है।

लक्षण

कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके आधार पर डिप्रेशन की मनोदशा का पता लगाया जा सकता है। जैसे...

उदासी या एकाकीपन

अगर व्यक्ति डिप्रेशन या अवसाद से ग्रस्त है, तो उसका किसी काम या विषय में मन नहीं लगता। हालांकि सामान्य उदासी अवसादग्रस्त उदासी से बिल्कुल भिन्न है। अवसादग्रस्त व्यक्ति की विभिन्न वस्तुओं या विषयों से रुचि खत्म हो जाती है, उसे खुशी या गम का अहसास नहीं होता। वह अपनी ही दुनिया में खोया रहता है।

नकारात्मक रवैया: किसी भी तरह की सकारात्मक सोच पर ये लोग ध्यान नहीं देते। ऐसे व्यक्ति पर नकारात्मक सोच हावी रहती है।

शारीरिक अस्थिरता

अगर व्यक्ति अवसादग्रस्त है, तो उसे या तो अत्यधिक नींद आती है या फिर नींद कम आती है। कई बार आधी रात को ही नींद खुल जाती है। अवसादग्रस्त व्यक्ति को भूख कम लगती है और उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। अवसाद आनुवांशिक कारणों से भी संभव है। अवसाद किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकता है। अवसाद के भी विभिन्न स्तर हैं, जो इस प्रकार हैं- मेजर, क्रॉनिक, मैनिएक और अन्य प्रकार के अवसाद।

मेजर डिप्रेशन

एक गंभीर समस्या डिप्रेशन का सबसे सामान्य रूप है- मेजर डिप्रेशन।

इसके कुछ लक्षण इस प्रकार हैं...

- पीड़ित व्यक्ति अत्यधिक दुख, हताशा, ऊर्जा की कमी और चिड़चिड़ापन महसूस करता है।
- किसी काम में ध्यान न लगना। नींद और खाने की आदतों में परिवर्तन।
- शारीरिक दर्द और आत्महत्या जैसे विचारों का अहसास।

इलाज: मेजर डिप्रेशन से पीड़ित व्यक्ति कम से कम दो हफ्ते से ज्यादा समय तक अगर उपर्युक्त लक्षणों से ग्रस्त हैं, तो उसके परिजनों को मनोचिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। अच्छी बात यह है कि मेजर डिप्रेशन की चपेट में आने वाले 80 से 90 प्रतिशत व्यक्ति उचित इलाज से ठीक हो जाते हैं। इलाज के अंतर्गत दवाएं और मरीज के साथ ही उसके परिजनों की काउंसलिंग की जाती है। इसके अलावा पीड़ित व्यक्ति को कॉग्निटिव बिहेवियर थेरेपी (मरीज के सोचने के ढंग को बदलने के लिए प्रेरित करना) भी दी जाती है।

बाइपोलर डिसऑर्डर

बाइपोलर डिसऑर्डर को मैनिएक डिप्रेशन भी कहा जाता है, जो मानसिक चंचलता और मानसिक दिक्कतों का कारण बनता है। जब व्यक्ति अवसादग्रस्त होता है, तब वह दुखी या हताश महसूस करता है और किसी भी क्रियाकलाप के प्रति दिलचस्पी खो देता है, लेकिन जब उसका मूड दूसरी दिशा में शिफ्ट होता है, तब वह ऊर्जा से भरपूर और उल्लासमय नजर आता है। मूड का इस तरह बदलना जीवन में कई बार हो सकता है। कुछ लोगों में यह बीमारी गंभीर रूप ले लेती है।

इलाज: विशेषज्ञ की सलाह पर ट्रीटमेंट लेना आवश्यक है। ज्यादातर मामलों में बाइपोलर डिसऑर्डर को दवाओं और काउंसलिंग के जरिएनियंत्रित किया जा सकता है।

डिस्थाइमिया या क्रॉनिक डिप्रेशन

डिप्रेशन का यह सामान्य रूप मेजर डिप्रेशन से कम गंभीर होता है,लेकिन इसमें भी खतरा रहता है। डिस्थाइमिया इस प्रकार का डिप्रेशन होता है, जिसमें लंबे समय तक पीड़ित व्यक्ति की मानसिकस्थिति खराब रहती है। यह स्थिति एक साल या इससे भी ज्यादा समय के लिए हो सकती है।

उपचार

क्रॉनिक डिप्रेशन में दवाओं के साथ साइकोथेरेपी भी कारगर होती है। जो व्यक्ति डिस्थाइमिया की चपेट में होता है, उसे मेजर डिप्रेशन होने का खतरा रहता है।

सावधानियां बरतें

- डिप्रेशन पीड़ितों को उनके स्वभाव के लिए दोषी न ठहराएं।
- यह अपेक्षा न करें कि रोगी एकदम से ठीक हो जाएगा, क्योंकि इलाज की प्रक्रिया में वक्त लगता है।
- पीड़ितों को पारिवारिक व सामाजिक वार्तालाप में शामिल होने से न रोकें।
- उन्हें अकेला न छोड़ें।

शुरू कर सकते हैं खुद का कारोबार

पर्सलन स्टाइलिस्ट में बेहतर भविष्य खोज सकते हैं युवा

आजकल के युवा स्टाइल के मामले में किसी से भी कम नहीं वो अपनी लुक को बदलने के लिए प्रोफेशनल्स की मदद लेते हैं, जिन्हें पर्सनल स्टाइलिस्ट कहा जाता है। आजकल की युवा पीढ़ी अपने कॅरियर को लेकर काफी जागरूक है। वो अपने कॅरियर का चुनाव बड़े ही सोच समझकर कर करते हैं। आप पर्सनल स्टाइलिस्ट बनने में भी अपने कॅरियर की शुरुआत कर सकते हैं। पर्सनल स्टाइलिस्ट का काम होता है लोगों का मेकओवर करना और लोगों के ड्रेसिंग सेंस को भी बढ़ाना।

फैशन जगत से रहें अपडेट

हर कॅरियर की शुरुआत करने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी होना बेहद जरूरी है। पर्सनल स्टाइलिस्ट बनने के लिए आपको लोगों के मूड, फैशन के बदलते ट्रेंड , ड्रेसिंग सेंस के बारे में, इसके लिए आपको हर दिन की फैशन जगत की अपडेट रखनी होगी।

स्टडी सेंटर्स...

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- पर्ल एकेडमी ऑफ फैशन, दिल्ली

योग्यता...

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए ज्यादा शिक्षा की तो नहीं बल्कि आपके पास डिग्री होनी जरूरी है और इस क्षेत्र में काम करने के लिए आप फैशन डिजाइनिंग, कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग और मार्केटिंग का कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में आप चाहें तो खुद का कारोबार भी शुरू कर सकते हैं, जो आपके लिए फायदेमंद साबित होगा, इसके अलावा आप फैशन, एंटरटेनमेंट, डिजाइनिंग वाले क्षेत्र में भी नौकरी पा सकते हैं।

गाड़ी के यूजर मैन्यूअल पर ध्यान दें...

गाड़ी खरीदना कोई बड़ी बात नहीं है, बड़ी बात यह है कि गाड़ी को अच्छी स्थिति में रखना। हम अक्सर कारों का इस्तेमाल लगभग हर दूसरे कामो में करते हैं लेकिन कभी इस बारे में ज्यादा नहीं सोचते कि कारों की देखभाल भी बड़े ही अच्छे और प्यार से करनी चाहिए। गाड़ी की अच्छी देखभाल करने का एक सबसे आसन और सरल उपाय है यूजर मैन्यूअल। आपकी गाड़ी से सम्बंधित हर छोटी बड़ी बातें इस यूजर मैन्यूअल में रहती हैं। हम ज्यादातर यूजर मैन्यूअल पढ़ते भी नहीं ढंग से, लेकिन अगर आप ध्यान दें तो आपको पता चलेगा कि कितनी काम की जानकारियां इस यूजर मैन्यूअल से हमें मिल सकती हैं। तो अगर आप खुद गाड़ी की देखभाल करना चाहते हैं और छोटी छोटी बातों के लिए गाड़ी को गैराज में नहीं ले जाना चाहते तो अपने गाड़ी के यूजर मैन्यूअल पर भी थोड़ा ध्यान दें।

ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन की जांच

गाड़ी को स्थिर कर खड़ा करें एक स्तर पर, फिर पार्किंग ब्रेक लगाएं और इंजन शुरू करें।अपने ट्रांसमिशन शिफ्टर को पोजिशन(पार्किंग) में रखें। इंजन को वैसे ही रहने दें। ट्रांसमिशन डीप स्टिक निकले। डीप स्टिक को एक साफ कपड़े से या फिर टिशू पेपर से पोछ लें, इसके बाद फिर डीप स्टिक को वापस जगह पे डाल दें। डालने के बाद फिर से निकालें और फ्लूअड लेवल चेक कर लें। अगर इंजन बंद है तो ये कोल्ड मार्क तक रहेगा। अगर गाड़ी चली है और गर्म है तो हॉट मार्क पर रहेगा। फ्लूअड कोलोर का भी ध्यान रखें।अगर ज्यादा गंदा है और खराब गंध आ रही है तो ट्रांसमिशन सही काम नहीं कर रहा है। इसे साफ और पारदर्शी रहना चाहिए। आप अपने गाड़ी की मैन्यूअल देख लें की इसे कब बदलने की जरूरत है। गाड़ी को कोई समतल जगह खड़े करें, इंजन बंद कर दें, थोड़ी देर रूकें कि इंजन आयल अपने स्तर पर आ जाए। इंजन की डीप स्टिक निकालें। इसे अच्छी तरह किसी सूखे कपड़े या फिर टिशू पेपर से पोछ के फिर वापस जगह पर डाल दें। अब इस डीप स्टिक को फिर से निकालें और इंजन आयल लेवल चेक करें। आमतौर पे ये फुल मार्क तक रहेगा, लेकिन ये अगर फुल मार्क के कुछ ज्यादा ही नीचे है तो फिर आपको इंजन आयल बदलने की जरूरत है। यह भी देख लें अगर इंजन आयल में ज्यादा कालापन आ गया है या फिर ज्यादा गन्दा हो गया है तो इसे तुरंत बदल दें।

इंजन कूलन्ट की जांच

इंजन कूलन्ट के कम होने पर इंजन-ओवरहीट हो जाता जो की इंजन की एक बहुत ही बड़ी समस्या है। इंजन कूलन्ट का स्तर लो और फुल मार्क के बीच में रहना चाहिए। अगर आप बार बार कूलन्ट डाल रहे हैं फिर भी टैंक में सही मात्र में कूलन्ट नहीं है तो हो सकता है कि कूलन्ट लीक हो रही हो।

रेसिपी

अचारी पनीर

सामग्री

अचारी मॅरीनेड के लिए, 1/2 कप चक्का दही, 1 टेबल-स्पून हरीमिर्च का आचार, 1 टी-स्पून कटा लहसुन, 1 टी-स्पून सौंफ, 1/4 टी-स्पून मेथी दाना, 1/4 टी-स्पून कलौंजी, 1 टी-स्पून जीरा, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टेबल-स्पून राई का तेल, नमक स्वादानुसार

विधि

अचारी मॅरीनेड के लिए: दही, हरीमिर्च का आचार और लहसुन को मिक्सर में डालकर मुलायम पेस्ट बना लीजिए। एक बाउल में निकालकर एक तरफ रख दीजिए। शेष बची सारी सामग्री को ब्लैंडर में डालकर दरदरा पीस लीजिए। दरदरे पिसे पाउडर और दही के पेस्ट को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए। एक तरफ रख दीजिए। अब कड़ाही में तेल डालकर उसमें सारे सामग्री को मिला लें थोड़ी देर पकाने के बाद उसमें पनीर के टुकड़ों को डाल दीजिए और फिर थोड़ी देर पकने दें उसके बाद उसे किसी बाउल में निकाल लीजिए, हो गया आपका अचारी पनीर तैयार। आप इसे पराठा, पूरी या फिर चावल के साथ भी खाने का मजा लें सकते हैं।

खीरे का चीला

सामग्री

250 ग्राम बेसन, 200 ग्राम खीरा, 150 ग्राम बड़े टमाटर, 1 टे.स्पून हरा धनिया, 1 हरी मिर्च, आधा इंच अदरक का टुकड़ा, 15-20 करी पत्ता, स्वादानुसार नमक, एक चौथाई टी स्पून लाल मिर्च, तलने के लिए तेल।

विधि

खीरा छीलकर कस लें, हल्के हाथ से दबा थोड़ा पानी निकाल लें। टमाटर को खौलते पानी में दो-तीन मिनट रखकर निकालकर छिलका उतारकर रस निकाल लें व छान लें। धनिया, अदरक व हरी मिर्च मिलाकर पीस लें। करी पत्ता महीन काट लें। बेसन में तेल छोड़ बाकी सारा सामान मिला चीले जैसा घोल बना लें। तवे में तेल गर्मकर एक बड़ी चम्मच में घोल लेकर तीन-चार जगह छोड़ दें। लाल हो जाने पर चिमटे से पलट कर दूसरी तरफ भी लाल कर निकाल लें एवं अच्छी तरह तेल झारकर गरमागरम परोसें।

संपादकीय

संतों के विरुद्ध ममता बनर्जी की बयानबाजी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी राजनीतिक जमीन बचाने के लिए और अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए हिन्दू संतों को राजनीति में घसीटने की कोशिश की है। उन्होंने रामकृष्ण मठ, रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ से जुड़े संतों पर निशाना साधते हुए कहा है कि ये लोग भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। निःसंदेह, इस प्रकार का बयान वह नेता ही दे सकता है, जिसे एक खास वर्ग के वोट चाहिए। संतों को लेकर राजनीतिक टिप्पणी करना, निःसंदेह आपत्तिजनक है। रामकृष्ण मठ, मिशन और भारत सेवाश्रम संघ की ओर से एक बार भी भाजपा के पक्ष में मतदान करने का आह्वान नहीं किया गया है। जबकि पश्चिम बंगाल में इस्लामिक संगठनों एवं चर्चों के द्वारा भाजपा के विरोध में किसी एक विशेष दल के पक्ष में मतदान करने के प्रकरण कई बार सामने आए हैं। लेकिन आज तक ममता बनर्जी ने मौलानाओं एवं पादरियों के विरुद्ध एक भी बयान नहीं दिया है। इसलिए भी कहा जा सकता है कि बिना किसी प्रमाण हिन्दू संतों पर निशाना साधने का अभिप्राय यही है कि ममता बनर्जी की निगाहें कहीं हैं और निशाना कहीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ममता बनर्जी पर संतों को धमकाने का आरोप लगाया है। वहीं, एक संत कार्तिक महाराज ने मुख्यमंत्री को कानूनी नोटिस भेजा है। इस नोटिस में ममता बनर्जी के बयान को संत ने निराधार, झूठा और अपमानजनक बताया है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता किस प्रकार का उग्र और हिंसक प्रदर्शन करते हैं। पिछले कुछ सालों में ये हमेशा देखा गया है कि तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता सत्ता पाकर भाजपा समर्थकों के साथ किस प्रकार का व्यवहार करते हैं। वर्ष 2021 में भी तृणमूल कांग्रेस के जीतने के बाद राज्य में बवाल हुआ था और पंचायत चुनाव जीतने के बाद भी उसके कार्यकर्ताओं ने उत्पात मचाया था। उस समय भाजपा कार्यकर्ताओं के घरों को खोज-खोजकर हमले हुए थे। ऐसे स्थिति में और ऐसे कार्यकर्ताओं के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का ये बयान संतों के लिए जान तक का खतरा पैदा करता है। ममता बनर्जी के बयान के बाद कुछ हमलावर जलपाईगुड़ी स्थित रामकृष्ण मिशन के आश्रम में घुस गए। उन्होंने भिक्षुओं पर हमला किया, सीसीटीवी आदि तोड़ दिए। याद हो कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में पहली बार संतों पर दोष लगाकर उनके खिलाफ माहौल बनाने का काम नहीं हुआ। ममता बनर्जी सरकार से पहले वामपंथी शासन काल में भी संतों को माकपा की सरकार ने निशाना बनाया था। तब परिणाम यह हुआ था कि कोलकाता में सरेआम 16 भिक्षु और 1 साध्वी निशाना बना लिए गए थे। आज उस नरसंहार को 'बिजान सेतु नरसंहार' कहा जाता है। राजनीतिक बेशर्मी देखिए कि सरेआम संतों की हत्याएं की गईं लेकिन आज तक उस नरसंहार में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। माकपा सरकार पर आरोप हैं कि उसने इस मामले से संबंधित तथ्यों को छिपाया। नरसंहार की जाँच के लिए बने आयोगों को न तो माकपा सरकार ने सहयोग दिया और न ही तृणमूल कांग्रेस ने। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान के बाद से भय का वातावरण बन गया है। आश्रमों एवं संतों को नुकसान पहुँचाने की आशंका गहरा गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सांप्रदायिक बयान की जितनी निंदा की जाए कम है।

> संतों को लेकर राजनीतिक टिप्पणी करना, निःसंदेह आपत्तिजनक है। रामकृष्ण मठ, मिशन और भारत सेवाश्रम संघ की ओर से एक बार भी भाजपा के पक्ष में मतदान करने का आह्वान नहीं किया गया है। जबकि पश्चिम बंगाल में इस्लामिक संगठनों एवं चर्चों के द्वारा भाजपा के विरोध में किसी एक विशेष दल के पक्ष में मतदान करने के प्रकरण कई बार सामने आए हैं। लेकिन आज तक ममता बनर्जी ने मौलानाओं एवं पादरियों के विरुद्ध एक भी बयान नहीं दिया है। इसलिए भी कहा जा सकता है कि बिना किसी प्रमाण हिन्दू संतों पर निशाना साधने का अभिप्राय यही है कि ममता बनर्जी की निगाहें कहीं हैं और निशाना कहीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ममता बनर्जी पर संतों को धमकाने का आरोप लगाया है। वहीं, एक संत कार्तिक महाराज ने मुख्यमंत्री को कानूनी नोटिस भेजा है। इस नोटिस में ममता बनर्जी के बयान को संत ने निराधार, झूठा और अपमानजनक बताया है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता किस प्रकार का उग्र और हिंसक प्रदर्शन करते हैं। पिछले कुछ सालों में ये हमेशा देखा गया है कि तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता सत्ता पाकर भाजपा समर्थकों के साथ किस प्रकार का व्यवहार करते हैं।

लंबी सियासी लकीर खींचने वाले अरविंद केजरीवाल के लिए स्वाति मालीवाल केस कोई नई चीज नहीं

स्वाति मालीवाल प्रकरण में छिपे गहरे सियासी मायने को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

> अरविंद केजरीवाल के पीए विभव कुमार पर 'आप' की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने जो आरोप लगाया है, वह बहुत गम्भीर बात है। लेकिन उससे भी गम्भीर बात यह है कि इस मामले में शुरू से अबतक जो भी घटनाक्रम प्रकाश में आया है, उसके पीछे किसी गहरे सियासी षड्यंत्र का भी हाथ हो सकता है! इसलिए इस पूरी घटना के परिप्रेक्ष्य में छिपे सियासी मायने को समझना बहुत जरूरी है। अंतरिम जमानत पर तिहाड़ जेल से मुख्यमंत्री आवास पहुंचे अरविंद केजरीवाल से मिलने पहुंचीं स्वाति मालीवाल के साथ मुख्यमंत्री के घर पर वैभव कुमार के इशारे पर या उनकी भागीदारी से या फिर दोनों तरह से जो कुछ भी हुआ, वह अप्रत्याशित था।

आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए विभव कुमार पर 'आप' की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने जो आरोप लगाया है, वह बहुत गम्भीर बात है। लेकिन उससे भी गम्भीर बात यह है कि इस मामले में शुरू से अबतक जो भी घटनाक्रम प्रकाश में आया है, उसके पीछे किसी गहरे सियासी षड्यंत्र का भी हाथ हो सकता है! इसलिए इस पूरी घटना के परिप्रेक्ष्य में छिपे सियासी मायने को समझना बहुत जरूरी है। अंतरिम जमानत पर तिहाड़ जेल से मुख्यमंत्री आवास पहुंचे अरविंद केजरीवाल से मिलने पहुंचीं स्वाति मालीवाल के साथ मुख्यमंत्री के घर पर वैभव कुमार के इशारे पर या उनकी भागीदारी से या फिर दोनों तरह से जो कुछ भी हुआ, वह अप्रत्याशित था। लेकिन, उसकी बौखलाहट में दिल्ली पुलिस को फोन करके स्वाति मालीवाल बुरी तरह से घिर गईं। ऐसा इसलिए कि इस मामले में एफआईआर करवाने से पहले पार्टी के स्तर पर उन्होंने घटनाक्रम के डैमेज कंट्रोल की कोशिश की, जिसमें राज्यसभा सांसद संजय सिंह का भी उन्हें प्रारंभिक साथ मिला। परंतु उनके सारे प्रयास जब विफल हो गए, तब उन्होंने इस मामले में एफआईआर दी। जिसके बाद पूरी आप पार्टी ही उनके खिलाफ हो गई। उनके लिए सुकून की बात यह है कि भाजपा ने उनके मुद्दे को तूल दे दिया और उपराज्यपाल वी के सक्सेना तक ने उनसे हमदर्दी जताई। इससे आप पार्टी के इन आरोपों को बल मिला कि अब वह बीजेपी की एजेंट बन चुकी हैं। ऐसे में सीधा सवाल यही उठता है कि अरविंद केजरीवाल के सियासी दोस्तों ने उनसे दुश्मनी तो बहुत साधी, लेकिन वो प्रायः बेअसर ही रही है। क्योंकि स्वाति मालीवाल से पहले भी अरविंद केजरीवाल के कई राजनैतिक दोस्त उनको आरोपों के कठघरे में खड़ा कर चुके हैं, जिनमें कपिल मिश्रा से लेकर कुमार विश्वास तक का नाम शुमार किया जाता है। बावजूद इसके अरविंद केजरीवाल की राजनीतिक सेहत विशेष रूप से प्रभावित नहीं हुई है। वहीं कड़वा सच यह भी है कि दुश्मन की तरह पेश आ रहे अरविंद केजरीवाल के पुराने साथी कोई खास मुकाम हासिल नहीं कर पाये। यदि किरण बेदी, अन्ना हजारे और जनरल वी के सिंह की बात छोड़ दी जाए तो। ऐसे में यही बात सामने आ रही है कि बहुचर्चित स्वाति मालीवाल प्रकरण से मौजूदा संसदीय चुनाव में चाहे जो भी राजनीतिक नुकसान हो, लेकिन स्वाति मालीवाल केस का अरविंद केजरीवाल की सियासत पर बहुत ज्यादा असर होगा, ऐसा तो मुझे नहीं लगता। आपने देखा होगा कि दिल्ली के 7 लोकसभा क्षेत्रों से लेकर पंजाब के 14 लोकसभा क्षेत्रों में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का धुआंधार कैंपेन चल रहा है। कभी मीडिया के जरिये, तो कभी सोशल मीडिया के माध्यम से निरंतर वो अपनी बात कह रहे हैं और अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल के साथ भी लगातार रोड शो कर रहे हैं। इसी बीच वो नये नये नारे भी गढ़ रहे हैं, जिससे स्वाति मालीवाल से जुड़े सियासी हमले निष्प्रभावी दिखाई दे रहे हैं। हां, इतना जरूर है कि स्वाति मालीवाल केस के लेकर दिल्ली पुलिस की टीम पूरी तरह से सक्रिय है और उनके पीए विभव कुमार की गिरफ्तारी ने उन्हें अंदर से हिलाकर रख दिया है। ऐसा इसलिए कि पीए किसी भी व्यक्ति का वह राजदार होता है, जिसका अचानक चला जाना या किसी षड्यंत्र के तहत उसके बॉस से उसे अलग कर दिया जाना, ऐसी क्षति होती है, जिसकी त्वरित भरपाई किसी भी व्यक्ति के लिए मुश्किल होती है। इसलिए अरविंद केजरीवाल पर इस पूरे घटनाक्रम का तात्कालिक और दीर्घकालिक, दोनों प्रभाव पड़ेगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आप नेत्री सुनीता केजरीवाल के साथ रोड शो के दौरान बीजेपी के एक नारे को थोड़ा और विस्तार देते हुए कटाक्ष किया कि, 'अच्छे दिन आने वाले हैं, मोदी जी जाने वाले हैं।' इतना ही नहीं, भले वो अंतरिम जमानत पर हैं और आगामी 2 जून को तिहाड़ जेल में उन्हें फिर से सरेंडर करना है। लेकिन चुनाव अभियान के दौरान वो खुद भी और उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल भी लोगों को बार बार यह बात बताती रहती हैं कि यदि दिल्लीवालों ने 'इंडिया गठबंधन' के उम्मीदवारों को वोट देकर उनकी जीत पक्की कर दी तो अरविंद केजरीवाल को ज्यादा दिन के लिए जेल नहीं जाना पड़ेगा। लेकिन इस बीच अरविंद केजरीवाल की सबसे बड़ी समस्या स्वाति मालीवाल केस बन चुकी है, यह भी उन्हें समझना होगा। क्योंकि अरविंद केजरीवाल के पुराने साथियों में से एक और काफी निकटस्थ रहीं स्वाति मालीवाल अब उनकी नई विरोधी बन गई हैं।

स्वाति मालीवाल ने तो यहां तक आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री आवास पर उनके साथ मारपीट की गई, जिसमें अरविंद केजरीवाल के पीए विभव कुमार ने उन पर हमला किया। इस मामले में एफआईआर दर्ज होते ही दिल्ली पुलिस विभव कुमार को गिरफ्तार कर ले गई। जिसके बाद से वो पुलिस रिमांड पर हैं। हालांकि, भारतीय सियासत में विपक्षी दलों के बीच एक लंबी सियासी लकीर खींचने वाले अरविंद केजरीवाल के लिए स्वाति मालीवाल केस कोई नई चीज नहीं है। बस, इसे आप ऐसे समझ सकते हैं कि पुराने साथियों के दुश्मन बन जाने का एक और नया मामला है जो समय के साथ पुराने मामलों की तरह दब जाएगा। या फिर सवाल यह भी है कि यह मामला कहां तक जाएगा और अरविंद केजरीवाल की राजनीति पर यह केस का कितना प्रभाव डालेगा, यह बदलता वक्त ही बताएगा, क्योंकि केंद्र में सत्ता परिवर्तन भले ही हो, किंतु अधिकारियों की मनोदशा बदलेगी, ऐसा मुझे नहीं लगता? क्योंकि भारतीय प्रशासन और न्यायपालिका का यह निर्विवाद चरित्र रहा है कि जो भी एक बार कानूनी मकड़जाल में फंस गया वो फिर बाहर बमुश्किल ही निकल पाता है चाहे उसका राजनीतिक रसूख कुछ भी हो, कितना भी बड़ा हो। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव इसके दिलचस्प उदाहरण हैं। इसलिए इतना तो कहा ही जा सकता है कि भले ही अपनी अचूक सियासी रणनीति के बल पर अरविंद केजरीवाल भविष्य में प्रधानमंत्री बन जाएं, लेकिन जो विवाद उनके साथ जुड़ चुके हैं, वो उनकी राजनीति पर अपना कुप्रभाव अवश्य डालेंगे। स्वाति मालीवाल केस उनमें से एक है। इस केस ने अरविंद केजरीवाल को एकाएक ऐसा उलझा दिया है, जिसे सुलझाने के लिए उन्हें एक और विभव कुमार पैदा करना होगा। क्योंकि इस उलझन की सबसे बड़ी वजह उनके सहयोगी और करीबी विभव कुमार की गिरफ्तारी है। खास बात यह है कि स्वाति मालीवाल ने विभव कुमार पर मुख्यमंत्री आवास पर मारपीट करने जैसा जो आरोप लगाया है, वह उत्तरप्रदेश के मायावती गेस्ट हाउस कांड की याद तरोताजा कर देता है। राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि अरविंद केजरीवाल के लिए कभी अहम तो स्वाति मालीवाल भी रही हैं, लेकिन पीए विभव कुमार का महत्व ऐसे भी समझा जा सकता है कि जेल जाने के बाद मुलाकात के लिए जेल प्रशासन को जिन मुलाकातियों की सूची दी गई, उसमें उनका भी नाम शामिल था। इसलिए उन्हें कमजोर करने के लिए विभव कुमार को भी फंसाना जरूरी था, जो अब ताजा विवाद के केंद्र में हैं! यहां पर मुश्किल यह है कि सिर्फ स्वाति मालीवाल ही नहीं, बल्कि संजय सिंह की बातों से भी लगता है कि कहीं न कहीं विभव कुमार ही दोषी हैं। वहीं, अरविंद केजरीवाल की एक भरोसेमंद कैबिनेट मंत्री आतिशी ने विभव कुमार को बेकसूर ठहराते हुए स्वाति मालीवाल पर ही बीजेपी के हाथों में खेलने का आरोप लगाया है, जिसकी अब कुछ कुछ पुष्टि बदलते घटनाक्रमों से भी होने लगी है।

दृष्टि कोण

सुप्रीम कोर्ट से केंद्र को लगा जोर का झटका

देश की शीर्ष अदालत ने दो मामलों में केंद्र सरकार को जोर का झटका धीरे से देते हुए यह जाहिर कर दिया कि कानूनों की मनमानी व्याख्या अपनी सुविधा के हिसाब से नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट के ईडी की गिरफ्तार करने की शक्तियों को सीमित करने के साथ ही दूसरे मामले में एक वरिष्ठ पत्रकार की गिरफ्तारी को अवैध करार देने से केंद्र को यह झटका लगा है। इन दोनों मामलों में दिए गए फैसलों से बेशक केंद्र की भाजपा सरकार को व्यापक राजनीतिक नुकसान नहीं हो किन्तु इसके दूरगामी परिणाम अवश्यंभावी होंगे। परिणाम यह होगा कि ईडी अब आसानी से किसी के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई नहीं कर सकेगी। इसी तरह पुलिस खिलाफ खबर पर किसी पत्रकार को भी आसानी से गिरफ्तार नहीं कर सकेगी। ईडी की कार्रवाई में कितने कानूनी तथ्य हैं, यह देखने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अधिनस्थ अदालतों को रैफ्री की भूमिका दी है। गौरतलब है कि लंबे अर्से से विपक्षी दल केंद्रीय एजेंसियों पर भेदभाव के आरोप लगाती रहीं हैं। विपक्षी दलों का आरोप है केंद्र सरकार राजनीतिक रंजिशवश इन एजेंसियों को दुरुपयोग कर रही है। एक याचिकाकर्ता ने दिसंबर 2023 में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता का सवाल था कि अगर विशेष अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में व्यक्ति विशेष के आरोपों को संज्ञान में ले लिया है, तो क्या तब भी उसे बेल के लिए सेक्शन 45 की दोहरी शर्तों को पूरा करना होगा। इस मामले में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद धन-शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) प्रावधानों के तहत जमानत की कड़ी शर्तों को संतुष्ट करने की जरूरत नहीं है। अगर आरोपी समन द्वारा विशेष अदालत के समक्ष पेश होता है, तो यह नहीं माना जा सकता कि वह हिरासत में है। अगर अदालती समन के चलते पेश होने के बाद ईडी आरोपी की हिरासत चाहती है, तो उसे विशेष अदालत में आवेदन देना होगा। अदालत केवल उन कारणों के साथ हिरासत देगी, जो संतोषजनक हो और जिनमें हिरासत में लेकर पूछताछ की जरूरत हो। जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। बेंच ने कहा है कि अगर किसी

मामले में ईडी ने किसी आरोपी को गिरफ्तार किए बिना चार्जशीट दाखिल की और अदालत ने इस पर संज्ञान लेकर उसे समन किया तो ऐसे व्यक्ति को पीएमएलए के तहत जमानत के लिए दोहरी शर्तों को पूरा करने की आवश्यकता नहीं है। पीएमएलए को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के दौरान 2002-03 में लाया गया था। बाद में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान 1 जुलाई, 2005 को इसे लागू किया गया। उस वक्त इस कानून को ब्लैक मनी के फ्लो को रोकने के उद्देश्य से बनाया गया था। पीएमएलए कानून के तहत सबसे पहले झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सीएम मधु कोडा के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इसके बाद साल 2010 में 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, कोयला घोटाला समेत कई बड़े घोटालों में इस कानून के तहत कार्रवाई हुई। फिर साल 2012 में तत्कालीन वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने इसमें संशोधन भी किया था। बीते कुछ सालों में इस एक्ट में और भी कई बदलाव किए गए हैं। ईडी की शक्तियां सीमित करने के साथ केंद्र सरकार को दूसरा झटका लगा न्यूज क्लिक के फाउंडर संपादक प्रबीर पुरकायस्थ की गिरफ्तारी को लेकर। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद न्यूज क्लिक के फाउंडर प्रबीर पुरकायस्थ को रिहा कर दिया गया। न्यूजक्लिक फाउंडर पुरकायस्थ को पोर्टल के माध्यम से राष्ट्र-विरोधी प्रचार को बढ़ावा देने के लिए कथित चीनी फंडिंग के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पुरकायस्थ के खिलाफ आरोप लगाया गया कि न्यूजक्लिक को चीन के पक्ष में प्रचार के लिए कथित तौर पर धन मिला था। देश की सबसे बड़ी अदालत ने यूएपीए मामले में उनकी गिरफ्तारी और रिमांड को गलत माना। कोर्ट का यह फैसला अपने आप में एक नजीर है। इसका असर आने वाले दिनों में दूसरे फैसलों पर भी दिख सकता है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के जरिए किसी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस के सामने एक साफ-साफ लकीर खींच दी है। कोर्ट ने साफ कहा कि गिरफ्तारी के वक्त पुलिस को इसका आधार लिखित तौर पर देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 20, 21 और 22 के तहत सबसे अटूट मौलिक अधिकार है। इसे भी किसी तरह नजरअंदाज या अनदेखा नहीं किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट की कही इस बात का स्पष्ट संदेश है कि हर नागरिक के लिए जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार की अपनी विशेष अहमियत है। इस मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यूएपीए या अन्य कानून के तहत किसी भी शख्स की गिरफ्तारी से पहले अब पुलिस को पहले लिखित में ये बताना जरूरी होगा कि उसकी गिरफ्तारी किस आधार पर की जा रही है। इसके लिए लिखित में भी सूचित करना होगा। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान ये भी साफ कर दिया है कि किसी भी इंसान के लिए कानूनी कार्रवाई एक जैसी होनी चाहिए और उसे किसी हाल में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

कुछ अलग

टीम इंड़िया चयन

भारत में क्रिकेट और क्रिकेट में भारत ये दो ऐसे सिरे हैं जिसने हाल के दशकों में इस खेल के पूरे चरित्र को बदल दिया है। आलम यह कि अमेरिका भी बल्ला लेकर क्रिकेट के मैदान में उतरने को तैयार है। दरअसल क्रिकेट का रोमांच जहां सर चढ़कर बोल रहा है वहीं यह एक कुबेरी खेल भी बन गया है। इस बात को आज दुनिया मानती है कि 1983 में लाइर्स के मैदान में क्रिकेट विश्व कप जीतने के बाद से न सिर्फ भारत में बल्कि भारतीय महाद्वीप में क्रिकेट का एक नया जुनून देखने को मिला है। आईपीएल के बाद से तो भारत क्रिकेट जगत का नया मक्का बन गया है। यह फख्र कभी इंग्लैंड या आस्ट्रेलिया को हासिल था। ऐसे में जहां भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का जहां रसूख बढ़ा है वहीं टीम इंडिया में खिलाड़ियों के चयन का मामला भी असाधारण रूप से बढ़ गया है। ढेर सारी अपेक्षाओं आग्रहों–दुराग्रहों के बीच टीम को शक्ल देना कोई आसासन बात नहीं है। अलबत्ता इस पूरे मामले की हालिया चर्चा में गोता लगाने से पहले तारीखी तौर पर कुछ बातें समझनी जरूरी है। गौरतलब है कि 1983 क्रिकेट विश्व कप में खिताबी जीत के बाद टीम मैनेजमेंट से लेकर खिलाड़ियों की नई जमात तैयार करने का जो मॉडल भारत ने दिया वह पूरी दुनिया के लिए मिसाल बन गया। 2007 में टी–20 विश्व कप के आगाज तक इस प्रारूप की सफलता पर सवाल था लेकिन भारत इसमें चैंपियन बना और उसने इस प्रारूप के मायने ही बदल दिए लेकिन वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले 2024 आईसीसी टी–20 विश्व कप से पहले भारतीय क्रिकेट जगत में खलबली है। इस महाकुंभ के लिए चयनित टीम में जिस खिलाड़ियों को जगह दी गई है उस पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। टीम में चार स्पिनरों को चुनने पर भी लोगों की प्रतिक्रिया तीखी है। हालांकि चयनकर्ताओं का तर्क है कि उन्होंने सिर्फ आईपीएल में प्रदर्शन को देखकर टीम का चयन नहीं किया बल्कि अनुभव को भी तवज्जो दी है। टीम के चयन में हर विभाग का ध्यान रखा गया है और हर खिलाड़ी का चयन उसकी उपयोगिता के आधार पर ही हुई है। वैसे भारतीय टीम का प्रदर्शन तो १ जून से शुरू हो रहे विश्व कप के मैचों में ही दिखेगा लेकिन कुछ सवाल हैं जो खेल प्रशंसक और क्रिकेट जानकारों को परेशान कर रही हैं। दरअसल पूरी दुनिया में टी–20 क्रिकेट को मशहूर बनाने वाले भारत को टी–20 विश्व कप का खिताब जीते 27 वर्ष बीत चुके हैं। 2011 में ब्लू जर्सी ने 50 ओवर का विश्व कप तो जीता लेकिन इस प्रारूप में जीत हमारे हाथों से फिसलती रही है। शायद यही कारण है कि पूर्व क्रिकेटर से लेकर विश्लेषक तक एक बेहतरीन टीम संयोजन की वकालत करने में जुटे हैं। बहरहाल भारतीय टीम में शामिल 15 खिलाड़ियों में आठ का हाल के दिनों में प्रदर्शन बेहतर होने के बजाय खराब हुआ है। कप्तान रोहित शर्मा उपकप्तान हादक पंड्या सूर्य कुमार यादव संजू सैमसन शिवम दुबे ये सभी वे नाम हैं जिन्होंने आईपीएल के दौरान बड़े शॉट तो खेले लेकिन विश्वास और निरंतरता के साथ प्रदर्शन नहीं किया है। विकेटकीपर के तौर पर ऋषभ पंत अपने पुराने फॉर्म में लौटे हैं लेकिन बल्लेबाजी में अभी भी उन्हें कुछ समस्या है। गेंदबाजी में भी जसप्रीत बुमराह और सिराज को छोड़ दें तो किसी अन्य ने बहुत उम्दा प्रदर्शन किया है ऐसा नहीं है। के एल राहुल के बाहर करने पर भी विवाद हुआ जिसका जवाब दिया गया कि उनके शामिल होने से टीम में बल्लेबाजी क्रम में दिक्कत होती। भारतीय टीम के चयन पर सवाल उठने के बाद रोहित शर्मा से लेकर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर तक चाहे जितनी भी सफाई पेश कर चुके हों यह सच है कि विश्व कप की अन्य मजबूत टीमों के मुकाबले हमारी टीम में कुछ कमजोरियां नजर आ रही हैं। इंग्लैंड जैसी टीमों के उलट भारत की टीम में ऑलराउंडर्स और अनुभवी फिनिशरों की कमी दिख रही है।

देश दुनिया से

बेहद जरूरी है संकटग्रस्त जैव प्रजातियों का संरक्षण

> धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है लेकिन चिंतनीय स्थिति यह है कि धरती पर अब वन्य जीवों तथा दुर्लभ वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्यजीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यही स्थिति वनस्पतियों के मामले में भी है। वन्य जीव–जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं।

जीव-जंतु तथा पेड़-पौधे भी मनुष्यों की ही भांति ही धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन मनुष्य ने अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर न केवल वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है बल्कि वनस्पतियों का भी तेजी से सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है लेकिन चिंतनीय स्थिति यह है कि धरती पर अब वन्य जीवों तथा दुर्लभ वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्यजीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यही स्थिति वनस्पतियों के मामले में भी है। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवन में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। आज मानवीय क्रियाकलापों तथा अतिक्रमण के अलावा प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है।

दरअसल विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण जिस प्रकार असंतुलित हो रहा है, वह पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे जीव-जंतु और पेड़-पौधे पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते जीव-जंतुओं के आशियाने लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं, वहीं वनस्पतियों की कई प्रजातियों का भी अस्तित्व मिट रहा है। हालांकि जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों की विविधता से ही पृथ्वी का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए भी लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी पर मौजूद जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए तथा जैव विविधता के मुद्दों के बारे में लोगों में जागरूकता और समझ बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। 20 दिसम्बर 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा प्रस्ताव पारित करके इसे मनाने की शुरूआत की गई थी। इस प्रस्ताव पर 193 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। दरअसल 22 मई 1992 को नैरोबी एक्ट में जैव विविधता पर अभिसमय के पाठ को स्वीकार किया गया था, इसीलिए यह दिवस मनाने के लिए 22 मई का दिन ही निर्धारित किया गया। धरती पर पेड़-पौधों की संख्या बड़ी तेजी से घटने के कारण अनेक जानवरों और पक्षियों से उनके आशियाने छिन रहे हैं, जिससे उनका जीवन संकट में पड़ रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि यदि इस ओर जल्दी ही ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में स्थितियां इतनी खतरनाक हो जाएंगी कि धरती से पेड़-पौधों तथा जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां विलुप्त होकर सदा के इतिहास के पन्नों का हिस्सा बन जाएंगी। माना कि धरती पर मानव की बढ़ती जरूरतों और सुविधाओं की पूर्ति के लिए विकास आवश्यक है लेकिन यह हमें ही तय करना होगा कि विकास के इस दौर में पर्यावरण तथा जीव-जंतुओं के लिए खतरा उत्पन्न न हो। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक में चेतावनी देते हुए स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि विकास के नाम पर वनों की बड़े पैमाने पर कटाई के साथ-साथ जीव-जंतुओं तथा पक्षियों से उनके आवास छीने जाते रहे और ये प्रजातियां धीरे-धीरे धरती से एक-एक कर लुप्त होती गई तो भविष्य में उससे उत्पन्न होने वाली भयावह समस्याओं और खतरों का सामना हमें ही करना होगा। दरअसल बढ़ती आबादी तथा जंगलों के तेजी से होते शहरीकरण ने मनुष्य को इतना स्वार्थी बना दिया है कि वह प्रकृति प्रदत्त उन साधनों के स्रोतों को भूल चुका है, जिनके बिना उसका जीवन ही असंभव है। आज अगर खेतों में कीटों को मारकर खाने वाले चिड़िया, मोर, तीतर, बटेर, कौआ, बाज, गिद्ध जैसे किसानों के हितैषी माने जाने वाले पक्षी भी तेजी से लुप्त होने के कगार हैं तो हमें आसानी से समझ लेना चाहिए कि हम भयावह खतरे की ओर आगे बढ़ रहे हैं और हमें अब समय रहते सचेत हो जाना चाहिए। जैव विविधता की समृद्धि ही धरती को रहने तथा जीवनयापन के योग्य बनाती है, इसलिए लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

आप का नजरिया

क्या कहती है कश्मीर में हुई रिकॉर्ड वोटिंग

इस बार कश्मीर घाटी में दो दिलचस्प बातें हुईं। एक तो वहां के मशहूर ट्यूलिप के फूलों का रेकॉर्ड संख्या में खिलना और दूसरा लोकसभा चुनाव में रेकॉर्ड वोटिंग। ट्यूलिप की 71 किस्मों ने अपनी छटा बिखेरी, जिसे निहारने के लिए लाखों पर्यटक आए। वहीं, बारामूला और श्रीनगर में हुए मतदान ने पिछले कई दशकों के आंकड़े ध्वस्त कर दिए। बारामूला में 57.4% वोटिंग दर्ज की गई, जो 1984 के बाद सबसे अधिक मतदान है। साल 1984 में यहां 61.1% वोटिंग हुई थी। इसी तरह, श्रीनगर लोकसभा क्षेत्र में 38% मतदाता घरों से निकले। यहां 1996 के बाद पहली बार इस तरह का जोश देखने को मिला। अच्छी बात यह रही कि घाटी से अबकी बार न गड़बड़ी की खबरें आईं, न चुनाव बहिष्कार की और न ही अलगाववादियों की धमकियां सुनाई दीं। वोटर घरों से निकले। बड़गाम, गंदरबल, पुलवामा और शोपियां जैसी जगहों पर भी शांति रही। 5 अगस्त 2019 को जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल-370 हटाने का प्रस्ताव रखा तो भारत ही नहीं, सारी दुनिया में लोग हैरान रह गए थे। किसी को उम्मीद नहीं थी कि सरकार इतना बड़ा कदम उठाएगी। लेकिन, सरकार ने आगे बढ़ने के पहले ही रणनीति तैयार कर ली थी। मामला सुप्रीम कोर्ट की संविधान बेंच के सामने भी गया। वहां फैसला सरकार के हक में आया। देश की शीर्ष अदालत ने भी कहा कि आर्टिकल-370 अस्थायी था। यह फैसला बहुत बड़ा झटका था अलगाववादियों के लिए। वे अब आम जनता को गुमराह कर अपने साथ खड़ा नहीं कर पा रहे। इसका लाभ इस आम चुनाव में मिला, जहां बड़ी तादाद में आम लोगों ने भागीदारी की। वे केवल वोट देने ही नहीं निकले, बल्कि चुनाव प्रचार का भी हिस्सा बने। कश्मीर में चुनाव हमेशा से जटिल मुद्दा रहा है। पाकिस्तान के एजेंट वहां हमेशा हंगामा करा दिया करते थे। लेकिन, इस बार सभी शांत रहे। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था ने लोगों में भरोसा जगाया और सुनहरे भविष्य की उम्मीद ने उन्हें मतदान के लिए प्रेरित किया। दरअसल, घाटी के लोगों ने मान लिया है कि आर्टिकल-370 अब हमेशा के लिए खत्म है। सोच बदली। राज्य के राजनीतिक दलों ने भी इस सच को स्वीकार कर लिया है। फारूक अब्दुल्ला हों या महबूबा मुफ्ती, किसी ने भी आर्टिकल-370 को फिर से बहाल करने की मांग पुरजोर तरीके से नहीं उठाई। उन्हें आभास हो गया कि कश्मीरियों की सोच में बदलाव आ चुका है और अब नए विषयों को लेकर ही आगे बढ़ा जा सकता है। बदले हुए माहौल का असर इकॉनमी पर भी दिख रहा। दुबई की कंस्ट्रक्शन कंपनी एम्मार ने घाटी में निर्माण के लिए हाथ बढ़ाया है। लुलु मॉल का काम शुरू हो चुका है। साथ ही, मिडल ईस्ट की कंपनियां निवेश के लिए आगे आई हैं, इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। गवर्नल रूल के बाद बड़े पैमाने पर प्रशासनिक सुधार हुआ। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा, जिससे जनता ने राहत की सांस ली। प्रशासनिक बदलाव किए गए। सैलरी में इजाफा हुआ, जिससे कर्मचारियों की माली हालत सुधरी। इन्फ्रास्ट्रक्चर पर तेजी से काम हुआ। माहौल में आई इस बेहतरी ने युवाओं को अलगाववादियों से दूर कर दिया है।

देश की नई सरकार को आरबीआई से मिलेगा 2.11 लाख करोड़ रुपए का चेक, केंद्रीय बैंक ने पहली बार उठाया यह कदम

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। आम चुनाव 2024 के परिणामों के बाद देश में बनने वाली नई सरकार को भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से बड़ा तोहफा मिलेगा। केंद्रीय बैंक के बोर्ड ने पहली बार सरकार को लाभांश के रूप में 2.11 लाख रुपये देने का फैसला किया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैठक में वित्त वर्ष 2024 के लिए केंद्र सरकार के लिए 2.11 लाख करोड़ रुपये के लाभांश को मंजूरी दी, जो वित्त वर्ष 23 की तुलना में लगभग 141 प्रतिशत अधिक है। वित्तीय वर्ष 2023 में केंद्रीय बैंक ने केंद्र सरकार को अधिशेष के रूप में 87,416 करोड़ ट्रांसफर किए थे। मुंबई में आयोजित केंद्रीय बोर्ड की 608वीं बैठक के दौरान केंद्रीय बैंक के निदेशक मंडल ने दृष्टिकोण के जोखिम सहित वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य पर विचार-विमर्श किया।इस दौरान बोर्ड ने सरकार को 2,10,874 करोड़ रुपये का अधिशेष हस्तांतरित करने का फैसला किया।अब तक के सर्वाधिक लाभांश के भुगतान को मंजूरी भारतीय रिजर्व बैंक ने 2023-24 के लिए केंद्र सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपये के अब तक के सर्वाधिक लाभांश भुगतान को मंजूरी दी। आरबीआई की ओर से केंद्र को लाभांश या अधिशेष हस्तांतरण के तौर पर वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 87,416 करोड़ रुपये दिए गए गए थे। इससे पहले 2018-19 में सबसे अधिक 1.76 लाख करोड़ रुपये की राशि आरबीआई की ओर से केंद्र को लाभांश के तौर पर दी गई थी। गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में हुई बैठक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में आज मुंबई में भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की 608वीं बैठक आयोजित की गई। बोर्ड ने दृष्टिकोण के जोखिमों सहित वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा की। बोर्ड ने वर्ष अप्रैल 2023 मार्च 2024 के दौरान रिज़र्व बैंक के कामकाज पर भी चर्चा की और वर्ष 2023-24 के लिए रिज़र्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय विवरणों को मंजूरी दी। समिति ने सिफारिश की है कि आकस्मिक जोखिम बफर के तहत जोखिम प्रावधान आरबीआई की बैलेंस शीट के 6.5 से 5.5 प्रतिशत की सीमा के भीतर बनाकर रखा जाए।

न्यूज़ ब्रीफ

लिंक्डइन इंडिया और सत्या नडेला समेत आठ पर 27 लाख का जुर्माना, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की कार्रवाई

नई दिल्ली। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने कंपनी कानून के उल्लंघन के लिए लिंक्डइन इंडिया, सत्या नडेला और आठ अन्य पर जुर्माना लगाया है। नडेला माइक्रोसॉफ्ट के प्रमुख हैं, जिसने दिसंबर 2016 में पेशेवर नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन का अधिग्रहण किया था। 63 पेज के आदेश में रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (दिल्ली और हरियाणा) ने कहा है कि लिंक्डइन इंडिया और अन्य व्यक्तियों ने कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत सिगनिफिकेंट बेनेफिशियल ओनर (एसबीओ) मानदंडों का उल्लंघन किया है। आरओसी ने लिंक्डइन टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन प्राइवेट लिमिटेड या लिंक्डइन इंडिया, नडेला, लिंक्डइन के सीईओ रेयान रोसलैंस्की और सात अन्य व्यक्तियों पर कुल 27,10,800 रुपये का जुर्माना लगाया है। एसबीओ नियमों के उल्लंघन के लिए लिंक्डइन इंडिया पर सात लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। नडेला और रोजलांस्की पर दो-दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जिन अन्य व्यक्तियों पर जुर्माना लगाया गया है उनमें कीथ रेंजर डोलिवर, बेंजामिन ओवेन ऑर्नडॉर्फ, मिशेल कैटी लिउंग, लिसा एमिको सातो, आशुतोष गुप्ता, मार्क लियोनार्ड नाइ्रेस लेगास्पी और हेनरी चिनिंग फोंग शामिल हैं। आदेश के अनुसार, ... सत्य नडेला और रयान रोसलैंस्की उक्त कंपनी के मामले में एसबीओ हैं और धारा 90 (1) के अनुसार रिपोर्ट करने में उनकी विफलता के कारण अधिनियम की धारा 90 (10) के तहत दंड के लिए उत्तरदायी हैं। रेयान रोसलैंस्की को एक जून 2020 को लिंक्डइन कॉरपोरेशन का वैश्विक सीईओ नियुक्त किया गया और उन्होंने सत्य नडेला को रिपोर्ट करना शुरू किया। अधिनियम की धारा 90 एसबीओ से संबंधित है। इसके लिए कंपनियों को एसबीओ विवरण का खुलासा करना होता है। आदेश के अनुसार कंपनी और उसके अधिकारी कंपनी के संबंध में एसबीओ की पहचान करने के लिए आवश्यक कदम उठाने में विफलता के लिए उत्तरदायी हैं।

मक्का लदान में पूर्व मध्य रेलवे ने बनाया नया कीर्तिमान, 20 मई तक 172 रेक का किया गया लदान

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेलवे ने मक्का के लदान में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है. 20 मई तक 172 रेक मक्के का लदान किया गया है. पूर्व-मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के 20 मई यानी एक अप्रैल से 20 मई तक कुल 172 रेक मक्का का लदान किया गया, जिससे 62.25 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ. पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 के पूरे वर्ष में पूर्व मध्य रेल द्वारा कुल 311 रेक मक्के का लदान किया गया था तथा इससे 146 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। उल्लेखनीय है कि मक्का का लदान पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर एवं समस्तीपुर मंडलों से मुख्यत: उत्तरी भारत के अम्बाला, रुद्रपुर आदि स्टेशनों तथा दक्षिण भारत के ईरोड एवं तिरुपुर आदि स्टेशनों के लिए किया जाता है। उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में 20 मई तक सोनपुर मंडल द्वारा 100 रेक का लदान किया गया है, जिससे 35 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ. जबकि, पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान पूरे वर्ष में 189 रेक के लदान से 85 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक का मुनाफा 60 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। एयरटेल पेमेंट्स बैंक की ओर से वित्त वर्ष 2023-24 के नतीजे जारी किए गए। कंपनी के मुनाफे में करीब 60 प्रतिशत की बढ़त हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी की आय सालाना आधार पर 42 प्रतिशत बढ़कर 1,836 करोड़ रुपये और मुनाफा 60 प्रतिशत बढ़कर 34.5 करोड़ हो गया है। कंपनी के मासिक लेनदेन करने वाले उपयोगकर्ता (एमटीयू) की संख्या बढ़कर 8 करोड़ से ज्यादा हो गई है। एयरटेल पेमेंट्स बैंक का डिपॉजिट सालाना आधार पर 50 प्रतिशत बढ़कर 2,801 करोड़ हो गया है। तिमाही आधार पर भी कंपनी का प्रदर्शन अच्छा रहा है। मार्च तिमाही में कंपनी की आय 539 करोड़ रुपये रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

साइबर क्राइम...

जिसके लिए उन्हें मजबूर किया गया था। भारतीय युवकों ने अपने पासपोर्ट वापस करने की मांग की, जिसे चीनी माफियाओं ने जब्त कर रखा है। उनमें से कई लोगों से वादा किया गया था कि उन्हें प्रति माह 500 अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया जाएगा, लेकिन उन्हें महीनों तक भुगतान नहीं किया गया और बंदी बना लिया गया। कुछ बंदी पश्चिम बंगाल राज्य से हैं। एक बार जब वे वहां पहुंच जाते हैं, तो उनके पासपोर्ट जब्त कर लिए जाते हैं और फिर उन्हें प्रताड़ित किया जाता है।

18 मई 2024 को विशाखापत्तनम पुलिस ने चुक्का राजेश, एस कोंडाला राव और ज्ञानेश्वर राव को मानव तस्करी के आरोप में कंबोडिया में युवाओं को सिंगापुर में डेटा एंट्री नौकरियों का लालच देने के आरोप में गिरफ्तार किया था। लेकिन वास्तव में साइबर अपराध कराने के लिए उन्हें कंबोडिया भेज दिया जाता था। पुलिस ने कहा, कंबोडिया में युवाओं को बंधक बना लिया जाता है और टास्क गेम धोखाधड़ी, स्टॉक मार्केट धोखाधड़ी और अन्य ऐसे साइबर घोटालों को अंजाम देने के लिए चीनी संचालकों द्वारा मजबूर किया जाता है। विरोध करने वाले युवकों को बुरी तरह प्रताड़ित किया जाता है।

विशाखापत्तनम के संयुक्त पुलिस आयुक्त फकेरप्पा कागिनेल्ली के अनुसार, विभिन्न एजेंटों के माध्यम से देशभर से लगभग 5,000 भारतीयों की कंबोडिया से तस्करी की गई थी। विशाखापत्तनम पुलिस ने कंबोडिया, म्यांमार और थाईलैंड में चीनी संचालित साइबर अपराधों के लिए बेरोजगार युवाओं को लुभाने वाले कंसल्टेंसी एजेंटों को गिरफ्तार करने वाले एक साइबर अपराध रैकेट का भंडाफोड़ किया। आंध्र पुलिस कंबोडिया से तस्करी के शिकार युवाओं को वापस लाने की कोशिश कर रही है विशाखापत्तनम पुलिस ने मानव तस्करी और साइबर अपराध रैकेट का पता लगाने के लिए सात विशेष टीमों का गठन किया है और हाल ही में कुछ गिरफ्तारियां भी की हैं। इन गिरफ्तारियों के बाद कई लोगों ने विजाग सिटी पुलिस के व्हाट्सएप नंबरों पर फोन किया और वीडियो भेजे। विजाग शहर के पुलिस आयुक्त डॉ. ए रविशंकर ने कहा, हम अब युवाओं को वापस लाने के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए) के आव्रजन ब्यूरो से सम्पर्क कर रहे हैं। कंबोडिया का भारतीय दूतावास नागरिकों के सम्पर्क में है। कुछ भारतीयों को 20 मई 2024 को कंबोडियाई अधिकारियों ने जिनबेई-4 नामक स्थान से निकाला। इन भारतीय नागरिकों की तत्काल स्वदेश वापसी के लिए मामले को उच्चतम स्तर पर कंबोडियाई अधिकारियों के साथ उठाया गया है।

कंबोडिया में ...

कि लगभग 60 भारतीय नागरिकों को एसएचवी से नॉमपेन्ह भेजा गया है ताकि उन्हें यात्रा दस्तावेजों आदि के लिए दूतावास की सहायता से भारत वापस भेजा जा सके।

हम होते तो...

परिचय करवाया था। एक तरफ आतंकवादियों को घर में घुसकर मारने का साहस है, दूसरी तरफ इंडी वाले हैं जो आतंकवादियों के एनकाउंटर पर आंसू बहाते हैं। एक तरफ मोदी सरकार है, जिसने 10 साल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, वहीं दूसरी तरफ इंडी गठबंधन है जो कहता है कि आपकी कमाई, आपके खेत-खलिहान का आधा हिस्सा छीन लेंगे। इंडी गठबंधन समाज और देश को बांटना चाहता है। लेकिन, मोदी भारत को विकसित भारत बनाना चाहता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यहां पंजाब में दिखावे के लिए दिल्ली की कट्टर भ्रष्टाचारी पार्टी और सिख दंगे की दोषी पार्टी आमने-सामने लड़ने का नाटक कर रही है। सच्चाई यही है कि पंजा और झाड़ू पार्टियां दो हैं, लेकिन दुकान एक ही है। यहां के लोग कुछ भी बयान दें, लेकिन, दिल्ली में एक-दूसरे को कंधे पर उठाकर नाच रहे हैं। इसलिए मैं पंजाब के लोगों से प्रार्थना करता हूं कि इनसे सावधान रहना है। जिसे वो अपना गुरु मानते थे, उस अन्ना हजारे के साथ भी धोखा किया है। वो दिन में 10 बार झूठ बोलता है। ऐसे लोग न पंजाब का भला कर सकते हैं और न आपके बच्चों के भविष्य के लिए कुछ कर सकते हैं।पीएम ने कहा कि इंडी गठबंधन को न विकास की परवाह है और न ही हमारी विरासत की चिंता है। आजादी के बाद दूसरे दिन ही अयोध्या में राम मंदिर बन जाना चाहिए था। लेकिन, कांग्रेस ने राम मंदिर का निर्माण रोका। अब जब मंदिर बन गया तो मंदिर को गालियां दे रहे हैं। दुनियाभर से श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं और उनका स्वागत महर्षि वाल्मीकि के नाम पर बना हवाई अड्डा करता है। लेकिन इन्हें हर उस बात से नफरत है, जिससे हमारी आस्था का सम्मान होता है। इंडी गठबंधन वाले घोर सांप्रदायिक हैं। ये घोर जातिवादी हैं, ये घोर परिवारवादी हैं। ये सत्ता के लिए किसी को भी धोखा दे सकते हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने राम मंदिर के निर्माण का विरोध किया। हमारी आस्था की हर बात से उनको नफरत है। ये घोर सांप्रदायिक, घोर जातिवादी, घोर परिवारवादी लोग हैं। पीएम मोदी ने कहा, पंजाब के लोगों ने खेती से लेकर उद्योगों तक में अपना योगदान दिया है। कट्टर भ्रष्टाचारियों ने पंजाब का हाल खराब कर दिया। यहां राज्य सरकार का आदेश नहीं चलता। यहां खनन माफिया का राज है। कागजी सीएम को दिल्ली दरबार में हाजिरी लगाने से ही फुर्सत नहीं है। अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि जो अपने गुरु अन्ना हजारे के साथ धोखा कर सकता है, जो दिन में 10 बार झूठ बोलता है। वह पंजाब का भला नहीं कर सकता।

पीएम मोदी ने कहा, वोट उसे दीजिए जो सरकार बनाए। जो विकसित पंजाब और भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हो। लोकसभा चुनाव देश को मजबूत बनाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन देश को बांटना चाहता है। मोदी देश को आगे बढ़ाना चाहता है। मैं पंजाब के लोगों से आशीर्वाद मांगने आया हूं। सिख समाज ने हमेशा आगे बढ़कर काम किया है। पीएम मोदी ने कहा कि पटियाला से मेरी बहुत यादें जुड़ी हैं। यहां दोस्तों के साथ बारादरी गार्डन में घूमना याद है। जब भी पंजाब आता हूं, यहां से प्यार बढ़ जाता है।

पंजाब भाजपा के अध्यक्ष प्रधान सुनील जाखड़ ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने कहा कि पंजाब को मदद की जरूरत है। पंजाबियों को एक ऐसे नेता की जरूरत है जो पंजाब को मदद दे सके। पंजाब की नसल और फसल बनाने की जरूरत है। जाखड़ ने किसानों के प्रदर्शन पर कहा कि कुछ लोगों ने किसानों के नाम पर अपनी दुकानें चमका रखी हैं। सभा मंच पर प्रधानमंत्री को तलवार और सिरोपा देकर सम्मानित किया गया। मंच पर पटियाला की भाजपा प्रत्याशी परनीत कौर, बठिंडा से उम्मीदवार परमपाल कौर, प्रदेश प्रमुख सुनील जाखड़, फरीदकोट से भाजपा उम्मीदवार हंसराज हंस और मनप्रीत बादल मौजूद थे।

राजनीतिक स्वार्थ...

बनाए गए, वे कानून के मुताबिक नहीं हैं। विधानसभा को तय करना है कि अन्य पिछड़ा वर्ग में कौन होगा। प. बंगाल पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग ओबीसी की सूची निर्धारित करेगा। सूची को विधानमंडल को भेजा जाना चाहिए। जिनके नाम विधानसभा से अनुमोदित किए जाएंगे, उन्हें भविष्य में ओबीसी माना जाएगा।

हाईकोर्ट ने कहा कि मुस्लिम जातियों को ओबीसी घोषित करने के लिए वास्तव में धर्म ही एकमात्र मानदंड प्रतीत होता है। हमारा मानना है कि मुसलमानों की 77 श्रेणियों को पिछड़े के रूप में चुना जाना पूरे मुस्लिम समुदाय का अपमान है। हाईकोर्ट का मन इस संदेह से मुक्त नहीं है कि इस समुदाय को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए एक वस्तु के रूप में माना गया है। 77 श्रेणियों को ओबीसी में शामिल करने संबंधी श्रृंखला और उनके समावेश से स्पष्ट होता है कि इसे वोट बैंक के रूप में देखा गया है।दरअसल कोर्ट में राज्य के आरक्षण अधिनियम 2012 के प्रावधानों को चुनौती दी गई थी। इन याचिकाओं पर हाईकोर्ट ने आदेश पारित किया। याचिकाकर्ताओं की ओर से दावा किया गया था कि वर्ष 2010 के बाद पश्चिम बंगाल में ओबीसी के तहत सूचीबद्ध व्यक्तियों की संख्या पांच लाख से अधिक होने का अनुमान है। मई 2011 तक पश्चिम बंगाल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाला वाम मोर्चा सत्ता में था और उसके बाद तृणमूल कांग्रेस सरकार सत्ता में आई।अब अदालत ने पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अलावा) (सेवाओं और पदों में रिक्तियों का आरक्षण) कानून-2012 के तहत ओबीसी के तौर पर आरक्षण का लाभ प्राप्त करने वाले 37 वर्गों को संबंधित सूची से हटा दिया है। अदालत ने इस तरह के वर्गीकरण की सिफारिश करने वाली रिपोर्ट की अवैधता के चलते 77 वर्गों को ओबीसी की सूची से हटाया। अदालत ने अन्य 37 वर्गों को पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग का परामर्श न लेने के कारण हटाया। पीठ ने 11 मई 2012 के एक कार्यकारी आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें कई उप-वर्ग बनाए गए थे।न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा की खंडपीठ ने 211 पृष्ठ के अपने आदेश में स्पष्ट किया कि 2010 से पहले ओबीसी के 66 वर्गों को वर्गीकृत करने वाले राज्य सरकार के कार्यकारी आदेशों में हस्तक्षेप नहीं किया गया, क्योंकि इन्हें याचिकाओं में चुनौती नहीं दी गई थी। अदालत ने आयोग से परामर्श न लेने के आधार पर सितंबर 2010 के एक कार्यकारी आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसके जरिए ओबीसी आरक्षण सात प्रतिशत से बढ़ाकर 17 प्रतिशत कर दिया गया था। इसमें ए श्रेणी के लिए 10 प्रतिशत और बी श्रेणी के लिए सात प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था। पीठ ने कहा कि आरक्षण के प्रतिशत में 10 प्रतिशत वृद्धि वर्ष 2010 के बाद वर्गों को शामिल करने के कारण हुई।हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि चुनावी लाभ के लिए मुस्लिम समुदाय के वर्गों को ओबीसी के रूप में मान्यता देना उन्हें संबंधित राजनीतिक प्रतिष्ठान की दया पर छोड़ देगा और इससे वे अन्य अधिकारों से वंचित रह सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि इसलिए ऐसा आरक्षण लोकतंत्र और समग्र रूप से भारत के संविधान का भी अपमान है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल में मुसलमानों को ओबीसी मानते हुए आरक्षण देने के ममता बनर्जी सरकार के फैसले को रद्द कर दिया है। हाईकोर्ट ने आरक्षण प्रक्रिया को असंवैधानिक करार दिया। यह भी कहा कि मुसलमानों के 77 वर्गों को ओबीसी में शामिल करना पूरे मुस्लिम समुदाय का अपमान है। अदालत का मन इस संदेह से मुक्त नहीं है कि राजनीतिक लाभ के लिए मुसलमानों को कमोडिटी के रूप में समझा गया है। इस फैसले को बंगाल के मुस्लिमों के लिए बड़ा झटका देखा जा रहा है। वहीं, भाजपा ने इस मुद्दे पर ममता के साथ-साथ कांग्रेस को भी निशाने पर लिया है, जिसने आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में इसी तरह के फैसले लिए हैं। कोर्ट के फैसले का असर करीब पांच लाख लोगों पर पड़ेगा। इसमें एक बड़ा हिस्सा मुस्लिमों का होगा।

कलकत्ता...

ऊपर समझने लगी हैं। शिवराज सिंह चौहान ने पश्चिम बंगाल में मुसलमानों को ओबीसी आरक्षण देने के मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करने वाली ममता जी की कलई खुल गई है। तुष्टिकरण पर उतारू ममता बनर्जी हाईकोर्ट के फैसले को मानने के बजाय कह रही हैं कि मैं ये फैसला नहीं मानती हूं। यह फैसला लागू नहीं होगा। क्या ये संविधान का अपमान नहीं है? ममता बनर्जी अपने आप को समझती क्या हैं?

दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए शिवराज ने कहा कि क्या ममता संविधान के ऊपर हैं? आजादी के बाद से आज तक संवैधानिक पद पर बैठे किसी व्यक्ति ने कभी यह नहीं कहा कि मैं कोर्ट के फैसले को नहीं मानूंगा। ये अहंकार और अराजकता की पराकाष्ठा है। धर्म के आधार पर आरक्षण देने वाली मुख्यमंत्री (ममता बनर्जी) को एक दिन भी पद पर रहने का अधिकार नहीं है। धर्म के आधार पर आरक्षण देने की व्यवस्था संविधान में नहीं है। सिर्फ अपने वोट बैंक को बनाए रखने के लिए ओबीसी का आरक्षण छीनकर एक विशेष धर्म के लोगों को देना क्या न्याय संगत है?

शिवराज सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि कोलकाता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल में 2010 के बाद से अल्पसंख्यकों को जो ओबीसी सर्टिफिकेट जारी किये थे, उन्हें रद्द करने का फैसला सुनाया है। सत्ता संभालते ही ममता जी ने वोट बैंक की राजनीति की। ओबीसी सर्टिफिकेट बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं तक के बना दिए। 118 जातियों को ओबीसी श्रेणी में डाला और बिना किसी नियम का पालन करते हुए अल्पसंख्यकों को भी ओबीसी सर्टिफिकेट दे दिए। इसे पश्चिम बंगाल के हाईकोर्ट ने असंवैधानिक बताया है और उसे रद्द करने का फैसला किया है। कांग्रेस शासित राज्यों ने आंध्रप्रदेश और कर्नाटक में भी ओबीसी के हकों पर डाका डालकर अल्पसंख्यकों को आरक्षण देने का पाप और अपराध किया है।शिवराज ने कहा कि ये कांग्रेस की सरकार थी, जिसने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी और जामिया मिलिया इस्लामिया जैसे शिक्षण संस्थानों में ओबीसी, दलित और आदिवासियों के आरक्षण को खत्म करने का पाप किया है। राहुल गांधी जी ने भी एक बड़ा सच स्वीकार किया। उन्होंने संविधान सम्मान सम्मेलन में स्वयं कहा कि पूरा सिस्टम लोअर क्लास के खिलाफ है। मैं अंदर रहकर सिस्टम को देख रहा हूं। इसका मतलब है कि पंडित जवाहर लाल नेहरू जी ने, इंदिरा जी हों, राजीव जी हों और बाद में मनमोहन सिंह हों, राहुल गांधी जी ने सिस्टम को अंदर रहकर देखा है। अब बोल रहे हैं कि पूरा सिस्टम लोअर क्लास के खिलाफ है।

दिल्ली शराब ...

इस मामले में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी आरोपी हैं।ईडी और सीबीआई ने आरोप लगाया है कि उत्पाद शुल्क नीति को संशोधित करते समय अनियमितताएं की गईं, लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ दिया गया, लाइसेंस शुल्क माफ कर दिया गया या कम कर दिया गया, और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बिना एल-1 लाइसेंस बढ़ाया गया। लाभार्थियों ने अवैध लाभ को आरोपी अधिकारियों तक पहुंचाया और पहचान से बचने के लिए अपने खाते की किताबों में गलत प्रविष्टियां कीं। हाईकोर्ट ने कहा है कि मनीष सिसोदिया दिल्ली के सत्ता गलियारे में बहुत शक्तिशाली और प्रभावी व्यक्ति हैं, उनके पास 18 विभाग थे। सिसोदिया इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य सहित महत्वपूर्ण सबूतों को नष्ट करने में शामिल थे। इस टिप्पणी ने मामले को और गंभीर बना दिया है, जिससे दिल्ली सरकार और उसके प्रशासन पर सवाल उठ रहे हैं। इस घोटाले ने न केवल केजरीवाल सरकार की छवि को धूमिल किया है, बल्कि इसके कारण जनता के बीच भी सरकार की नीतियों पर अविश्वास बढ़ा है।

आठ राज्यों ...

पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी, भोजपुरी कलाकार मनोज तिवारी, दिनेशलाल यादव निरहुआ, पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और मनोहर लाल खट्टर समेत कई केंद्रीय मंत्रियों की किस्मत का फैसला इसी चरण में ईवीएम में बंद हो जाएगा।छठे चरण में जिन सीटों पर मतदान होना है उनमें उत्तर प्रदेश की 14, हरियाणा की सभी 10, बिहार और पश्चिम बंगाल की आठ-आठ, दिल्ली की सभी सात, ओड़ीशा की छह और झारखंड की चार सीटें शामिल है। वहीं सबसे कम जम्मू-कश्मीर की एक सीट पर भी लोग वोट डालेंगे। 2019 में इन 58 में से 40 सीटें भाजपा ने जीती थीं। वहीं दूसरे स्थान पर बसपा के खाते में चार सीटें गई थीं जबकि कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला था। पिछले चुनाव में इन 58 सीटों पर कुल 64.22 प्रतिशत वोट पड़े थे। सबसे ज्यादा 84.59 फीसदी मतदान पश्चिम बंगाल में हुआ था। वहीं, सबसे कम 8.98 फीसदी मतदान जम्मू-कश्मीर में दर्ज किया गया था।

विभव ने मुझे...

मुझे ताबड़तोड़ थप्पड़ मारे थे। मैंने पुलिस को फोन किया। 50 सेकंड का एक छेड़छाड़ किया हुआ वीडियो केजरीवाल के गुर्गों ने वायरल कर दिया, उन्होंने सबूतों के साथ छेड़छाड़ की। मुझे पता है कि उन्होंने दो वीडियो वायरल किए हैं।स्वाति मालीवाल ने कहा कि निर्भया से पूछा गया था कि उसने ऑटो से यात्रा क्यों नहीं की, वह रात में बाहर क्यों गई और दिन में क्यों नहीं? विक्टिम शेमिंग हर महिला के साथ होती है। लेकिन दुखद बात यह है कि दिल्ली की महिला मंत्री ने कहा कि उनके कपड़े नहीं फटे हैं। स्वाति ने कहा, मैं चाहती हूं कि पुलिस मेरा पॉलीग्राफ टेस्ट कराए ताकि सब कुछ साफ हो जाए। आपा सांसद ने कहा कि केजरीवाल जी को अगर मेरी राज्यसभा की सीट चाहिए थी, वो प्यार से मांगते तो मैं तुरंत दे देती। लेकिन अब चाहे दुनिया की कोई भी शक्ति लग जाए मैं इस्तीफा नहीं दूंगी।

घटना में ...

इससे साफ होता है कि उनकी वफादारी किस ओर है। क्या उनसे न्याय की उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल देश में महिला सुरक्षा के मुद्दे पर कैसे बात कर सकते हैं, जब उनकी पार्टी की महिला सांसद ही उनके आवास पर सुरक्षित नहीं हैं।स्मृति ईरानी ने लोगों से दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को भी पढ़ने का आग्रह किया, जिसमें दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को जमानत देने से इन्कार कर दिया गया था। अदालत ने कहा था कि आपा नेता के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला है कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग भ्रष्टाचार के लिए किया। वे सबूतों को नष्ट करने और दबाव बनाने की क्षमता रखते हैं। स्मृति ने दावा किया कि घोटाले में केजरीवाल के साथ-साथ सिसोदिया ने भी अहम भूमिका निभाई।

हाथी-कॉरिडोर...

धार्मिक पक्षपात के कारण ही सरकार ईसाई प्रतिष्ठानों के प्रति अतिरिक्त उदार है। सुब्रमण्यम ने ईशा केंद्र द्वारा कराई गई पर्यावरणीय जांच को लेकर गंभीर सवाल उठाए।हिंदू मुन्नानी का बयान हिंदू संगठनों के बीच व्यापक भावना को दर्शाता है, जो लंबे समय से मंदिर की भूमि पर कथित अतिक्रमण और भक्तों की पहुंच पर प्रतिबंध पर चिंता व्यक्त करते रहे हैं। यह मुद्दा तेजी से विवादास्पद हो रहा है। इसे लेकर राज्य के विभिन्न हिस्सों में श्रद्धालुओं और अधिकारियों के बीच झड़पें भी हुई हैं। सुब्रमण्यम ने प्रसिद्ध मरुधामलाई मंदिर का मामले भी उठाया और कहा कि भक्तों को असुविधा पहुंचाने के लिए हाथी-गलियारे का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि डीएमके सरकार हिंदू मंदिरों को हाथी-गलियारे के क्षेत्र में डालकर उन्हें हमेशा के लिए प्रतिबंधित वनक्षेत्र में डाल सकती है। मरुधामलाई मंदिर भक्तों के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक महत्व रखता है, जो इसे कोंगु क्षेत्र में भगवान मुरुगा का सातवां निवास मानते हैं।हिंदू मुन्नानी नेता ने करुण्या कॉलेज जैसे अन्य संस्थानों की तुलना में मंदिरों के साथ किए जा रहे दोगले व्यवहार की भी आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि हाथियों सहित जंगली जानवरों को होने वाले नुकसान की असली कहानी तमिलनाडु सरकार छुपा रही है। इसके अलावा, सुब्रमण्यम ने सड़क विस्तार और अतिक्रमण जैसे विभिन्न बहानों के तहत मंदिर का विध्वंस किए जाने की भी सनसनीखेज जानकारी दी। उन्होंने सवाल किया कि क्या तमिलनाडु में हिंदुओं के लिए अलग नियम लागू हैं? द्रमुक सरकार को यह बताना चाहिए। सुब्रमण्यम ने हाथी संरक्षण की आड़ में हिंदुओं के अधिकारों का उल्लंघन करने के कुचक्र के खिलाफ व्यापक संघर्ष की चेतावनी दी और कहा कि मरुधामलाई और पूंडी जैसे महत्वपूर्ण मंदिरों में हिंदुओं के प्रवेश में बाधा डालने के खिलाफ शीघ्र ही बड़े पैमाने पर आंदोलन की शुरुआत की जाएगी।उल्लेखनीय है कि कोयंबटूर के थोंडामुथुर क्षेत्र के किसानों ने कृषि भूमि को हाथी-गलियारे में शामिल करने के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया था। थोंडामुथुर के किसान एवं कोयंबटूर स्थित वेल्लियांगिरी उझावन प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष कुमार ने कहा, पूरे तमिलनाडु में 42 नए हाथी-गलियारों की स्थापना का प्रस्ताव आया है। अकेले कोयंबटूर में 4 नए हाथी-गलियारे प्रस्तावित हैं। हाथी गलियारों में कृषि खेत, निवास और मंदिर शामिल कर लिए गए हैं। इसके लिए क्षेत्र के स्थानीय लोगों से कोई सलाह-मशविरा नहीं किया गया। जिन क्षेत्रों को हाथी-गलियारों में शामिल करने की सरकार ने सिफारिश की है, उन क्षेत्रों में हाथियों के आवागमन की कोई पृष्ठभूमि नहीं है। इसमें व्यापक पैमाने पर हिंदू समुदाय प्रभावित हो रहा है। हिंदू समुदाय ने हाथी-गलियारों की स्थापना और विस्तार के नाम पर 450 एकड़ भूमि के अधिग्रहण के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया है। वेलिंगिरी अंदावर मंदिर और मरुधामलाई मंदिरों को हाथी-गलियारे में शामिल करने के कुचक्र के खिलाफ लोगों में भारी आक्रोश है।

ऋषभ पंत या संजू सैमसन, कौन है असली मैच विनर युवराज ने बताया टी20 विश्व कप 2024 में किसे मिले तरजीह

दुबई, 23 मई (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने टी20 विश्व कप में भारतीय एकादश में विकेटकीपर की भूमिका के लिए संजू सैमसन पर ऋषभ पंत को तरजीह दी है जबकि खराब फॉर्म से जूझ रहे हार्दिक पांड्या का समर्थन करते हुए कहा कि वह टूर्नामेंट में कुछ विशेष करेंगे। अमेरिका और वेस्टइंडीज में एक जून से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप के लिए भारत ने रोहित शर्मा की अगुआई में 15 सदस्यीय मजबूत टीम का चयन किया है जबकि चार रिजर्व खिलाड़ी भी टीम के साथ यात्रा करेंगे। बल्लेबाजी क्रम में बाएं और दाएं हाथ के संयोजन को तरजीह देने वाले युवराज ने विकेटकीपर बल्लेबाज की महत्वपूर्ण भूमिका के लिए सैमसन पर पंत को तरजीह दी।

ऋषभ को तरजीह देने की वजह – आगामी टी20 विश्व कप के दूत युवराज ने आईसीसी से कहा, मैं संभवत: ऋषभ के साथ जाऊंगा। बेशक संजू भी काफी अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन ऋषभ बाएं हाथ का खिलाड़ी है और मुझे लगता है कि ऋषभ में भारत के लिए मैच जीतने की काफी अधिक क्षमता है जो उसने अतीत में भी किया है। उन्होंने कहा, टेस्ट क्रिकेट में और भी अधिक (सक्षम) और वह ऐसा खिलाड़ी है जिसके बारे में मेरा मानना है कि वह बड़े मंच पर मैच विजेता है। पंत और सैमसन दोनों आईपीएल के वर्तमान सत्र में शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन भारत के उप कप्तान हार्दिक लय हासिल करने के लिए जूझ रहे हैं। युवराज हालांकि टी20 विश्व कप में इस आलराउंडर के प्रभाव को लेकर आशावादी हैं।

ये दो खिलाड़ी दुर्भाग्यशाली रहे – युवराज ने कहा, शुभमन गिल और रिंकू सिंह के लिए थोड़ा दुर्भाग्यशाली रहा। अगर मैं रिंकू की बात करूं तो भारत के लिए वह अच्छी फॉर्म में थे और उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए इतना अच्छा प्रदर्शन किया है। और पिछले कुछ वर्षों में मुझे उनकी बल्लेबाजी में काफी सुधार नजर आता है। उन्होंने कहा, उनके और शुभमन के लिए बेशक दुर्भाग्यशाली रहा, ढेरों रन बनाए, पिछले वर्ष भारत के लिए सबसे अधिक शतक बनाने वाला खिलाड़ी और फिर बाहर हो जाना। जैसा कि मैंने कहा कि यह विश्व कप टीम चुनने की प्रकृति है और मुझे विश्वास है कि जब भी अवसर उपलब्ध होगा तो इन्हें सबसे पहले मिलेगा। भारत टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत पांच जून को आयरलैंड के विरुद्ध करेगा और नौ जून को पाकिस्तान से भिड़ेगा।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय पुरुष टीम ने अर्जेंटीना को हराया, महिला टीम को 5-0 से मिली करारी हार

एंटवर्प (बेल्जियम)। भारतीय पुरुष टीम यहां एफआईएच प्रो हॉकी लीग मैच में निर्धारित समय में 2–2 से बराबरी पर रहने के बाद शूटआउट में अर्जेंटीना को 5–4 से हराने में सफल रही। भारत के लिए मनदीप सिंह (11वें मिनट) और ललित कुमार उपाध्याय ने मैदानी गोल दागे जबकि अर्जेंटीना की ओर से लुकास मार्टिनेज (20वें) और टॉमस डोमेने (60वें) ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल किए। शूटआउट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह ने दो–दो गोल जबकि अभिषेक ने एक गोल किया। पहले हाफ में भारत और अर्जेंटीना के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दुनिया की छठे नंबर की भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में दबदबा बनाया, लेकिन उससे एक पायदान निचली रैंकिंग वाली अर्जेंटीना ने अगले 15 मिनट में बेहतर खेल दिखाया। महिला टीम को अर्जेंटीना के हाथों मिली 0–5 से हार महिला हॉकी टीम को एफआईएच प्रो हॉकी लीग में अर्जेंटीना के हाथों 0–5 से करारी हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम ने चारों क्वार्टर में गोल खाए। अर्जेंटीना के लिए जूलिएटा यानकुनास (53, 59), ऑगस्टीना गोरजेलानी (13), वेलेंटीना रापोसो (24), विक्टोरिया मिरांडा (41) ने गोल किए। भारतीय टीम पहली बार नए कोच हरेंदर सिंह की कोचिंग में यहां खेल रही है। इस मैच में पूर्व कप्तान और गोलकीपर सविता को बाहर रखते हुए बिच्छू देवी को गोलकीपिंग का मौका दिया गया। भारत का अगला मुकाबला कल मेजबान बेल्जियम से होगा।

विश्व नंबर एक बेटियां कंपाउंड तीरंदाजी विश्व कप के फाइनल में, तुर्किये से खिताबी भिड़ंत

येचियोन (कोरिया)। कंपाउंड तीरंदाजी में विश्व नंबर एक बेटियों ने विश्वकप स्टेज दो में कंपाउंड वर्ग के फाइनल में प्रवेश कर लिया। हांगझोऊ एशियाई खेलों में तीन स्वर्ण जीतने वाली ज्योति सुरेखा, पटियाला की परणीत कौर और अदिति स्वामी ने अमेरिका को सेमीफाइनल में 233–229 से हराकर फाइनल में तुर्किये से भिड़ने का अधिकार हासिल किया। वहीं, प्रथमेश, प्रियांश और अभिषेक वर्मा की कंपाउंड पुरुष तीरंदाजी टीम को कांस्य पदक की लड़ाई में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार मिली। पिछले विश्व कप में स्वर्ण जीतने वाली पुरुष टीम यहां चौथे स्थान पर रही। क्वालिफाइंग में तरुणदीप छठे, दीपिका चौथे स्थान पर विश्व नंबर सात तुर्किये ने क्वालिफाइंग में शीर्ष वरीयता हासिल करने वाली और स्वर्ण की दावेदार मेजबान कोरिया पर 233–229 से अप्रत्याशित जीत हासिल की। पिछले विश्वकप की विजेता महिला टीम को पहले दौर में बाई मिली, जबकि क्वार्टर फाइनल में उसने इटली को 236–234 से हराया। पुरुष टीम का ऑस्ट्रेलिया के साथ 133–133 से मुकाबला बराबरी पर था, लेकिन दो तीर 10 के करीब लगने से ऑस्ट्रेलिया को विजेता घोषित किया गया। रिकर्व में तरुणदीप रॉय क्वालिफाइंग दौर में 681 का स्कोर कर छठे स्थान पर रहे। वहीं महिलाओं में दीपिका कुमारी 677 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। पुरुष टीम रैंकिंग राउंड में दूसरे और महिला टीम छठे स्थान पर है।

तेजस शिरसे ने फिनलैंड में पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया

जिवास्किला (फिनलैंड)। तेजस शिरसे ने यहां 13.41 सेकेंड के समय से विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर स्तर की प्रतियोगिता मोटोनेट जीपी सीरीज में स्वर्ण पदक जीतकर पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। 21 वर्षीय शिरसे ने 2017 में सिद्धांत थिंगाल्या द्वारा बनाये 13.48 सेकंड के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया। उनका पिछला व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 13.56 सेकंड है जो उन्होंने नौ मई को नीदरलैंड में बनाया था। शिरसे ने कोई अंतरराष्ट्रीय पदक नहीं जीता है, लेकिन पुरुष 110 मीटर बाधा दौड़ में शीर्ष भारतीय हैं। उन्होंने पिछले साल फेडरेशन कप, राष्ट्रीय अंतर–राज्य चैंपियनशिप और राष्ट्रीय ओपन में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने इस साल के फेडरेशन कप में हिस्सा नहीं लिया क्योंकि वह विदेश में ट्रेनिंग और प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। यह जीत उन्हें विश्व एथलेटिक्स की रोड टू पेरिस सूची में उनके 61वें स्थान से ऊपर ले जायेगी। पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ के लिए स्वत: क्वालीफाइंग मार्क 13.27 सेकंड है। पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में 40 एथलीट प्रतिस्पर्धा करेंगे। इनमें से आधे विश्व रैंकिंग से जगह बनाएंगे।

अमेरिकी दूतावास ने लामिछाने को वीजा देने से इनकार किया : नेपाली क्रिकेटर के टी-20 वर्ल्ड कप खेलने पर संशय, रेप केस में पिछले हफ्ते बरी हुए थे

दुबई, 23 मई (एजेंसियां)। नेपाल के स्पिनर संदीप लामिछाने को नेपाल स्थित अमेरिकी दूतावास ने वीजा देने से इनकार कर दिया है। लामिछाने को हाल ही में बलात्कार के मामले में हाई कोर्ट ने बरी कर दिया है। जिसके बाद से यह उम्मीद की जा रही थी कि वह टी–20 वर्ल्ड कप में टीम का हिस्सा होंगे।

टी–20 वर्ल्ड कप इस बार अमेरिका और वेस्टइंडीज में 2 जून से हो रहा है। अब अमेरिकी दूतावास की ओर से वीजा नहीं दिए जाने से उनके वर्ल्ड कप में खेलने को लेकर संशय हो गया है। संदीप ने सोशल मीडिया पर अमेरिकी दूतावास की ओर से वीजा नहीं दिए जाने की जानकारी दी।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा– नेपाल में अमेरिकी दूतावास ने वही किया जो उन्होंने 2019 में मेरे साथ किया था। उन्होंने मुझे वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिए वीजा देने से इनकार कर दिया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है और मैं नेपाल क्रिकेट की भलाई चाहने वाले लोगों और शुभचिंतकों से माफी मांगता हूं। इसके साथ उन्होंने नेपाल क्रिकेट संघ को भी टैग किया है।

जिला अदालत ने आठ साल जेल की सजा सुनाई थी, हाईकोर्ट ने फैसले को पलटा

दरअसल संदीप लामिछाने पर सितंबर 2022 में रेप का केस हुआ था। निचली अदालत ने उन्हें पुलिस हिरासत में रखकर पूछताछ करने के लिए कहा, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हिरासत में रखने के फैसले को पलट दिया। सुनवाई के दौरान लामिछाने जमानत लेकर नेपाल के लिए क्रिकेट खेलते रहे।

आखिर में जनवरी 2024 में काठमांडू जिला न्यायालय ने लामिछाने को आठ साल की जेल की सजा सुनाई। उन पर 3 लाख नेपाली रुपए का जुर्माना लगाया गया और पीड़ित को 2 लाख रुपए का मुआवजा देने को कहा गया। नेपाल क्रिकेट एसोसिएशन ने तुरंत स्पिनर को किसी भी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मैच में भाग लेने से बैन कर दिया। फरवरी में, लेग स्पिनर ने ऊपरी अदालत में अपील की और याचिका पर सुनवाई होने तक हिरासत से बाहर रहने का उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया गया। वहीं 15 मई को नेपाल की पाटन हाई कोर्ट ने जिला अदालत के फैसले को पलट दिया है और उन्हें निर्दोष करार दिया।

144 टी-20 में 206 विकेट ले चुके हैं

संदीप लामिछाने ने अब तक नेपाल के लिए 51 वनडे और 52 टी–20 खेले हैं। 51 वनडे में उनके नाम 112 विकेट और 52 टी–20 इंटरनेशनल में 98 विकेट हैं। इसके अलावा संदीप ने आईपीएल में नौ मैच खेले हैं और 13 विकेट चटकाए हैं। ओवरऑल संदीप ने दुनियाभर की लीगों को मिलाकर कुल 144 टी–20 खेले हैं। इसमें उन्होंने 206 विकेट चटकाए हैं।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट में संदीप के नाम तीन विकेट और लिस्ट–ए में उनके नाम 158 विकेट हैं। वनडे में संदीप का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 11 रन देकर छह विकेट है। वहीं, टी–20 अंतरराष्ट्रीय में संदीप का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नौ रन देकर पांच विकेट है।

वर्ल्ड कप के घोषित 15 सदस्यीय टीम में पहले नाम नहीं किया गया था शामिल

संदीप को टी–20 वर्ल्ड कप के लिए घोषित नेपाल के टीम में शामिल नहीं किया गया था। 30 अप्रैल को आईसीसी को सभी देशों को संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट सौंपनी थी, उसमें संदीप का नाम नहीं शामिल किया गया था। हालांकि, 30 मई से पहले खिलाड़ियों की सूची में फेरबदल किया जा सकता है, ऐसे में हाईकोट से बरी किए जाने के बाद संदीप को टी–20 वर्ल्ड कप टीम में शामिल किए जाने की उम्मीद बढ़ गई थी।

सचिन ने विश्व पैरा एथलेटिक्स में जीता स्वर्ण, भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

कोबे (जापान)। भारत के सचिन सर्जेराव खिलाड़ी ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरूषों के शॉटपुट एफ46 वर्ग में एशियाई रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता है। वहीं, भारत ने टूर्नामेंट में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किया है। भारत ने अब तक पांच स्वर्ण समेत 11 पदक जीते हैं।। इससे पहले भारत ने 2023 में पेरिस में तीन स्वर्ण समेत 10 पदक जीते थे। सचिन ने 10.30 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ सोना अपने नाम किया। उन्होंने 16.21 मीटर का अपना ही रिकॉर्ड बेहतर किया जो उन्होंने पिछले साल पेरिस में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बनाया था। पैरा एथलेटिक्स स्पर्धाओं में एफ46 श्रेणी उन लोगों के लिए है जिनकी एक या दोनों भुजाओं की गतिविधि मामूली रूप से प्रभावित है या जिनके हाथ–पैर नहीं हैं। इन एथलीटों को कूल्हों और पैरों की ताकत से थ्रो करना होता है। महाराष्ट्र के सांगली जिले के रहने वाले सचिन स्कूली दिनों में एक दुर्घटना का शिकार हो गए थे जिससे उन्होंने कोहनी की मांसपेशियां गंवा दी थीं।

हरियाणा की महिला पहलवान पेरिस ओलंपिक में दिखाएंगी दम

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। खेल के मैदान में हरियाणा के खिलाड़ियों ने देश का मान हमेशा बढ़ाया है और बात जब पहलवानी की हो तो यहां के पहलवान सभी को पछाड़ने का माद्दा रखते हैं। इसलिए पेरिस ओलंपिक 2024 में देश को मेडल दिलाने का भार हरियाणा के कंधों पर सबसे ज्यादा है।

पेरिस ओलंपिक 2024 में इस बार कुश्ती में पदक की सबसे ज्यादा उम्मीदें बेटियों से हैं। हरियाणा से विनेश फोगाट, अंशु मलिक, निशा दहिया, अंतिम पंघाल के बाद अब रितिका हुड्डा ने भी महिला पहलवानी में पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है।

सोनीपत के रायपुर गांव के अखाड़े में अंतरराष्ट्रीय कोच कुलदीप से पहलवानी के गुर सीखने वाली रोहतक के गांव खरकड़ा की रहने वाली रितिका को 76 किलोग्राम वर्ग भार में पेरिस ओलंपिक का टिकट मिला है। रितिका ने पहली बार देश को 76 किलोग्राम वर्ग भार में पेरिस ओलंपिक का टिकट दिलवाया है, जिसके लिए वो दिन रात कड़ी मेहनत कर रही हैं।

पेरिस ओलंपिक का टिकट मिलने के बाद रितिका हुड्डा ने कहा, ऐसा पहली बार हुआ है कि मुझे 76 किलोग्राम वर्ग भार में ओलंपिक खेलने का मौका देश की तरफ से मिला है। मैं इसके लिए कड़ी मेहनत कर रही हूं। मेरा सपना है कि मैं ओलंपिक में देश के लिए मेडल जीतकर लाऊं।

रितिका हुड्डा की इस उपलब्धि के पीछे उनके कोच कुलदीप सिंह और परिवार का महत्वपूर्ण योगदान है। रितिका हुड्डा की मां नीलम और उनके कोच कुलदीप सिंह का कहना है कि उनकी बेटी को ओलंपिक का टिकट मिलना उनके लिए सम्मान और खुशी की बात है। पूरे अखाड़े और परिवार में खुशी का माहौल है।

उन्हें उम्मीद है कि रितिका इस वेट कैटेगरी में देश के लिए मेडल जीतकर लाएंगी और देश का नाम रोशन करेंगी।

सिंधू करियर की 450वीं जीत के साथ दूसरे दौर में, अश्मिता भी अंतिम-16 में पहुंचीं

कुआलालंपुर, 23 मई (एजेंसियां)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर को सीधे गेम में हराकर मलयेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के दूसरे दौर में पहुंच गई। ब्रेक से वापसी करने वाली सिंधू को गिलमोर से कड़ी चुनौती मिली, लेकिन वह 21–17, 21–16 से गिलमोर को हराने में कामयाब रहीं। दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने उबेर कप और थाईलैंड ओपन में भाग नहीं लिया था। यह सिंधू के महिला एकल करियर की 450वीं जीत रही।

पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधू पिछले साल घुटने की चोट के बाद वापसी के साथ कई करीबी मुकाबले हार गई हैं। अब उनका इरादा इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करके पेरिस ओलंपिक की तैयारी पुख्ता करने का होगा। पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधू ने आखिरी बार खिताब 2022 सिंगापुर ओपन में जीता था। अब उनका सामना कोरिया की सिम यू जिन से होगा। अश्मिता चालिहा ने एकल और पति–पत्नी की जोड़ी एन सिक्की रेड्डी–बी सुमित रेड्डी ने भी मिश्रित युगल के अंतिम–16 में जगह बना ली है। अश्मिता ने ताईवान की क्वालिफायर लिन सिह युन को 21–17, 21–16 से हराया। वहीं, उन्नति हुड्डा को चीन की गाओ फेंग जी के हाथों 13–21, 18–21 से हार मिली। पुरुष युगल में साई प्रतीक–कृष्ण प्रसाद ने ताईवान के मिंग चे लू–तांग काई वेई को 23–21, 21–11 से हराया।

मिश्रित युगल में विश्व रैंकिंग में 53वें स्थान पर काबिज बी सुमीत रेड्डी और एन सिक्की रेड्डी ने हॉन्गकॉन्ग के क्वालिफायर लुइ चुन वाइ और फु चि यान को 21–15, 12–21, 21–17 से हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त मलेशिया के चेन तांग जि और तोह ई वेइ से होगा।

पाक आईसीसी महिला चैंपियनशिप में इंग्लैंड से भिड़ने को तैयार

डर्बी, 23 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम इंग्लैंड से तीन मैचों की वनडे सीरीज में भिड़ने को तैयार है जो डर्बी में काउंटी मैदान में शुरू होगी। दूसरा वनडे 26 मई को टांटन में और तीसरा मैच 29 मई को चेम्सफोर्ड में खेला जाएगा।

यह सीरीज आईसीसी महिला चैंपियनशिप 2022–25, का हिस्सा है। यह इस चक्र में पाकिस्तान की आठवीं और अंतिम सीरीज होगी।

पाकिस्तान 10 टीमों की महिला चैंपियनशिप में 16 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। इस प्रतियोगिता की शीर्ष पांच टीमें मेजबान भारत के साथ विश्व कप 2025 के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगी।

इससे पहले दौरे पर दोनों टीमें तीन मैचों की टी 20 सीरीज में भिड़ी थीं जिसे मेजबान ने 3–0 से जीता था।

टीमें :

पाकिस्तान महिला: निदा डार (कप्तान), आलिया रियाज, आयशा जफर, डायना बेग, फातिमा सना, गुल फिरोजा, मुनीबा अली (विकेटकीपर), नजीहा अल्वी (विकेटकीपर), नशरा सुंधू, नतालिया परवेज, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल , सिदरा अमीन, तूबा हसन, उम्म–ए–हानी और वहीदा अख्तर

इंग्लैंड महिला: हीथर नाइट (कप्तान), एलिस कैप्सी, एमी जोन्स, चार्ली डीन, डेनिएल व्याट, केट क्रॉस, लॉरेन बेल, लॉरेन फाइलर, माइया बाउचियर, नेट शिवर–ब्रंट, सारा ग्लेन, सोफी एक्लेस्टोन और टैमी ब्यूमोंट

वनडे सीरीज का शेड्यूल:

- 23 मई – पहला वनडे, डर्बी
- 26 मई – दूसरा वनडे, टॉन्टन
- 29 मई – तीसरा वनडे, चेम्सफोर्ड।

प्रगनानंदा ने कार्लसन को दी खुली चुनौती, कहा- उनके देश में खेलना मेरे लिए मुश्किल नहीं

स्टवांगर (नॉर्वे), 23 मई (एजेंसियां)। कई बार मैग्नस कार्लसन को पराजित करने के बाद युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंदा को लगता है कि जब वह 27 मई से शुरू हो रहे नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में कई दफा के विश्व चैंपियन से उनके ही देश में भिड़ेंगे तो उन पर कोई दबाव नहीं होगा। प्रगनानंदा ने अंतिम बार 33 साल के कार्लसन को इस महीने के शुरु में वारसॉ में ग्रैंड शतरंज टूर के सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में मात दी थी।

प्रगनानंदा के साथ उनकी बहन आर वैशाली भी इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। वैशाली पहली बार नॉर्वे शतरंज महिला टूर्नामेंट में खेलेंगी। प्रगनानंदा ने कहा– मुझे नहीं लगता कि मैग्नस से उनके देश में खेलना मेरे लिए कोई चुनौती है। वैसे यह देश में खेलने वाले खिलाड़ी के लिए मायने रखता है, लेकिन मेरे लिए नहीं।

11 दिन तक चलने वाले टूर्नामेंट में घरेलू दावेदार कार्लसन के अलावा विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन और हिकारू नाकामुरा जैसे खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे। पिछले साल फिडे विश्व कप में कार्लसन से अपनी प्रतिद्वंद्विता के बारे में भारतीय ग्रैंडमास्टर ने कहा कि यहां का अनुभव उन्हें भविष्य की प्रतियोगिताओं में मदद करेगा।

प्रगनानंदा ने कहा– मुझे हमेशा अच्छी चुनौती में मजा आता है। पिछले साल विश्व कप के बाद यह मेरा उनके साथ पहला क्लासिकल मुकाबला होगा। मैं उनके साथ खेलने के लिए काफी उत्साहित हूं और अन्य के खिलाफ खेलने के लिए भी बेताब हूं। इसमें कोई शक नहीं कि यहां का अनुभव मुझे भविष्य के टूर्नामेंट में मदद करेगा।

18 साल के इस खिलाड़ी ने कहा– मैं नॉर्वे शतरंज में खेलने को लेकर काफी उत्साहित हूं। काफी मजबूत दावेदार टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। अभी तक मैं जितने भी टूर्नामेंट खेला हूं, उसमें मुझे यह शायद सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी लग रहे हैं। मेरे लिए यह अच्छा मौका है और मैं चुनौती देकर अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहूंगा।

उन्होंने कहा, इस साल का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। नॉर्वे शतरंज के बाद मैं शतरंज ओलंपियाड के लिए बुडापेस्ट जाऊंगा। मैं इस साल के अंत में ग्लोबल शतरंज लीग में भी खेलूंगा। इस तरह की रोमांचक लीग होना वास्तव में अच्छा है जिससे इस खेल को आगे बढ़ने में निश्चित रूप से मदद मिलेगी। अभी मेरा फोकस नॉर्वे शतरंज पर है और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार हूं। प्रगनानंदा ने कहा कि वह महिला वर्ग में अपनी बहन वैशाली की प्रगति पर भी नजर रखेंगे। उन्होंने कहा– नॉर्वे शतरंज में महिला टूर्नामेंट शुरू होना अच्छा है। यह अच्छी पहल है क्योंकि महिलाओं के लिए ज्यादा टूर्नामेंट नहीं है। इससे अन्य आयोजकों को भी महिलाओं के टूर्नामेंट आयोजित करने का प्रोत्साहन मिलेगा। मेरी बहन भी इसमें खेलेगी। मैं अपनी बहन के प्रदर्शन पर नजर रखूंगा।

शख्स को निगल गया सिंकहोल, 11 साल बाद फिर हुआ प्रकट, फ्लोरिडा में यह एक गंभीर समस्या

फ्लोरिडा, 23 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका के फ्लोरीडा में 2013 में एक 100 फीट के विशाल सिंकहोल ने एक व्यक्ति को उसके बेडरूम में निगल लिया, जो फिर कभी नहीं मिला, यह खौफनाक घटना मार्च 2013 में फ्लोरिडा में घटी जब जेफरी बुश अपने घर के बेडरूम में थे लेकिन अचानक ही उनके भाई जेरेमी ने चीखने की आवाजें सुनीं।

उन्होंने देखा तो सिंकहोल ने उन्हें पूरी तरह से निगल लिया था। 11 सालों तक जेफरी को मृत मान लिया गया उनका कोई सुराग नहीं मिला क्योंकि जमीन ने उसे पूरी तरह निगल लिया था।

इस हादसे में जेफरी का भाई जेरेमी, जो खुद भी इसमें डूब चुका था। उसने इस भयावह सपने जैसे हादसे को बताते हुए कहा कि उस बेडरूम का फर्श अभी भी नीचे जा रहा था लेकिन उन्हें परवाह नहीं थी। जेरेमी की किस्मत अच्छी थी क्यों एक टाम्पा पुलिस अधिकारी ने उसे सिंकहोल के जबड़े में जाने से बचा लिया लेकिन जेफरी को खोजने के प्रयासों के बावजूद सफलता नहीं मिली। जल्द ही खोजबीन बंद कर दी गई क्योंकि जगह बचाव टीमों के लिए बहुत खतरनाक हो गई थी, जिसके कारण घर को गिरा दिया गया और छेद को बजरी से भर दिया गया, लेकिन यह हादसा भुलाने के लिए काफी नहीं था।

सालों के बाद सिंकहोल ने फिर अपना मुंह खोला और अधिकारियों को खतरे वाले क्षेत्र को घेरना पड़ा। पिछले साल जुलाई में तीसरी बार सिंकहोल फिर से खुला लेकिन अधिकारियों ने आसपास के निवासियों को सूचित किया कि उनके घरों में रहना सुरक्षित है। जेरेमी की पत्नी और बेटी भी इस आपदा के दौरान बाल-बाल बच गई थी। जेरेमी की छोटी लड़की अभी भी अपने चाचा को याद करती है। फ्लोरिडा पर्यावरण संरक्षण विभाग के आंकड़ों के अनुसार, फ्लोरिडा में सिंकहोल्स एक गंभीर समस्या है और अकेले 2022 में राज्य भर में करीब 27,000 घटनाएं दर्ज की गई हैं।

न्यूज ब्रीफ

आइओवा में चक्रवात का कहर, कई लोगों की गई जान, घर-इमारतें ध्वस्त, गवर्नर ने घोषित किया आपातकाल

वॉशिंगटन। पश्चिमी आइओवा में बवंडर के कारण कई लोगों की मौत हुई। डेस मोइनेस से लगभग 50 मील दक्षिण पश्चिम में स्थित आयोवा के छोटे शहर ग्रीनफील्ड में यह बवंडर आया। कई घर, इमारत ढेर हो चुके हैं, पेड़ उखड़े पड़े हैं। गवर्नर ने आपातकाल घोषित कर दिया। राहत कार्य के लिए टीम बनाई गई हैं। आइओवा में आया तूफान मुख्य रूप से आइओवा, उत्तर पश्चिम इलिनोइस, दक्षिण-पश्चिम विस्कॉन्सिन और उत्तरी मिसौरी ज्यादा प्रभावित रहे। आइओवा स्टट पेट्रोल के प्रवक्ता सार्जेंट एलेक्स डिंकल ने बताया कि शाम 5 बजे से पहले एक तूफान से बवंडर शुरू हुआ। जिससे कई सारे लोगों की मौत हुई। कई समाचार पत्रों ने भी प्रकाशित किया कि बवंडर से कई मौतें हुई हैं। ग्रीनफील्ड के कई निवासी घायल हो गए। यहां तक कि एक अस्पताल भी इस बवंडर की चपेट में आ गया। कई चैनल नष्ट हो चुके घर, ध्वस्त हो चुकी इमारतें, मलबों के ढेर, क्षतिग्रस्त वाहन, उखड़े पड़े पेड़ आदि का नजारा दिखा रहे हैं। ग्रीनफील्ड से आधे मील की दूरी पर रहने वाले आइओवा के पूर्व प्रतिनिधि क्लेल बॉडलर ने कहा कि अब कुछ नहीं बचा। वहीं काउंटी मेडिकल परीक्षण लिसा ब्राउन ने पुष्टि की कि डेस मोइनेस से लगभग 90 मील दक्षिण-पश्चिम में एडम्स काउंटी में एक और तूफान आया था। जिससे कई मौतें हुईं। वहीं तूफान पूर्वानुमान केंद्र के अनुसार क्षेत्र में आए शक्तिशाली तूफानों में आइओवा, मिनेसोटा, विस्कॉन्सिन और इलिनोइस के कुछ हिस्सों के लिए बवंडर घड़ी का संकेत दिया था। बवंडर घड़ी तभी जारी की जाती है, जब लंबे समय तक रहने वाले अधिक शक्तिशाली बवंडर की संभावना का ज्यादा होती है।

ऑस्ट्रेलिया में इंसानों में बर्ड फ्लू का पहला मामला, एच5एन1 से संक्रमित मिला बच्चा; अब ठीक है हालत

केनबरा। ऑस्ट्रेलिया में इंसानों में बर्ड फ्लू का पहला मामला सामने आया है। बताया गया है कि एक बच्चे में इस बीमारी के लक्षण पाए गए हैं। यह भी बताया गया है कि बच्चा कुछ सप्ताह पहले भारत में रहते हुए इस बीमारी से संक्रमित हुआ था। हालांकि, अब बच्चा अब पूरी तरह से स्वस्थ है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने क्या कहा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि विक्टोरिया राज्य में रहने वाले एक बच्चे में बर्ड फ्लू के लक्षण पाए गए। यह ऑस्ट्रेलिया में किसी भी इंसान में बर्ड फ्लू का पहला मामला है। अधिकारियों ने बताया कि जिस समय बच्चा भारत में था, इसी समय उसे एवियन इन्फ्लूएंजा ए (एच5एन1) संक्रमण हो गया। मार्च महीने में वह बीमार हो गया था। 'राज्य में संक्रमण फैलने का खतरा नहीं' हालांकि राज्य में इस संक्रमण के फैलने का कोई मामला सामने नहीं आया है। अधिकारियों ने बताया कि बच्चा मार्च 2024 में विदेश से ऑस्ट्रेलिया लौटा था। इस दौरान बच्चा गंभीर रूप से बीमार हो गया था। जांच के बाद डॉक्टर्स ने पाया कि बच्चा एवियन इन्फ्लूएंजा ए (एच5एन1) से संक्रमित था। अब बच्चा अस्वस्थ नहीं है। ऑस्ट्रेलिया में एवियन इन्फ्लूएंजा ए का पहला मामला अधिकारियों ने बताया कि यह ऑस्ट्रेलिया में एवियन इन्फ्लूएंजा ए का पहला मामला है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों को आश्वस्त किया है कि राज्य में कोई और व्यक्ति एच5एन1 से संक्रमित नहीं है। जांच में ऐसा कोई और मामला सामने नहीं आया है।

अमेरिका में अनियंत्रित कार पलटकर पेड़ से टकराई, तीन भारतवंशी छात्रों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के जॉर्जिया प्रांत में एक तेज रफ्तार कार के पलट जाने से हुए हादसे में तीन भारतीय मूल के छात्रों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। ये सभी पांचों छात्र अल्फारेटा हाई स्कूल और जॉर्जिया विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान श्रेया अवसारला, अन्वी शर्मा और आर्यन जोशी के रूप में की गई है। तीनों भारतवंशी पिछले सप्ताह कार से यात्रा कर रहे थे। घटनास्थल पर मौजूद सबूतों के आधार पर, यह माना जाता है कि चालक ने अपनी कार से नियंत्रण खो दिया था, जिसके बाद कार पेड़ की कतार में उलटी होकर टकरा गई। कार में सवार आर्यन जोशी और श्रेया अवसारला घटनास्थल पर मृत पाए गए। शेष तीन को इलाज के लिए नॉर्थ फुल्टन अस्पताल ले जाया गया। इनमें से अन्वी शर्मा ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। घायलों में छात्र मोहम्मद लियाकत और रिथवाक सोमपल्ली शामिल हैं। सभी की उम्र 18 वर्ष थी। 14 मई को हुई घटना के कारण हेम्ब्री रोड और मैक्सवेल रोड के बीच सड़क मार्ग बंद हो गया।

नॉर्वे, आयरलैंड, स्पेन से फलस्तीन को देश की मान्यता भड़के इजराइल ने दो देशों से राजदूत वापस बुलाए

बार्सिलोना, 23 मई (एजेंसियां)।

नॉर्वे, आयरलैंड और स्पेन ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए फलस्तीन को देश के तौर पर मान्यता दे दिया। इसकी इजराइल ने कड़ी आलोचना की है जबकि फलस्तीन ने खुशी जताई है। इजराइल ने नॉर्वे व आयरलैंड से अपने राजदूतों को वापस बुलाने का आदेश दिया है। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इस कदम के गंभीर नतीजे होंगे। इससे तनाव बढ़ गया है।

सबसे पहले नॉर्वे ने मान्यता देने के फैसले की घोषणा की। नॉर्वे के पीएण जोनस गार स्तूर ने कहा, यदि मान्यता नहीं दी गई तो पश्चिम एशिया में शांति नहीं हो सकती। नॉर्वे 28 मई तक फलस्तीन को देश के तौर पर मान्यता दे देगा। यूरोपीय संघ के कई देशों ने पिछले दिनों संकेत दिया है कि वे मान्यता देने की योजना बना रहे हैं, क्योंकि क्षेत्र में शांति के लिए द्वि-राष्ट्र समाधान जरूरी है।

इजराइल ने पीएम मोदी के समर्थन को सराहा

इजराइली राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने गत वर्ष 7 अक्तूबर को देश में हुए हमास के आतंकी हमलों के बाद इजराइल के समर्थन व एकजुटता का वादा करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की सराहना की है। इजराइल के राष्ट्रीय दिवस पर एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा, मोदी इतिहास के सही पक्ष में खड़े रहे। भारत सचमुच दुनिया के बड़े देशों में से एक है और इजराइल सबसे छोटे देशों में...फिर भी बहुत कुछ है जिसे हम साझा करते हैं। इस्राइली राष्ट्रपति ने कहा, भारत और इजराइल दोनों पूरी तरह से आधुनिक राष्ट्र हैं, जो दृढ़ लोकतांत्रिक आदर्शों पर आधारित हैं। लेकिन हम परंपराओं में भी गहराई से निहित हैं। इतने सारे क्षेत्रों में, हमारी साझेदारी मजबूत व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों से लेकर सार्थक सांस्कृतिक, शैक्षणिक, तकनीकी और वैज्ञानिक आदान-प्रदान तक बढ़ाती है।

वैश्विक आलोचना के बीच भारत के समर्थन का आभार : गिलोन

नई दिल्ली में आयोजित इस्राइली राष्ट्रीय दिवस समारोह में भारत में इस्राइली दूत नाओर गिलोन ने कहा, गाजा अभियान पर बढ़ती आलोचना के बीच भारत के अटूट समर्थन को हम कभी नहीं भूलेंगे। यहां हमें जितना समर्थन मिला, वह किसी आश्चर्य से कम नहीं है। भारत का आभार।

भारत स्वयं आतंकवाद का शिकार : विनय मोहन क्वात्रा

भारत के विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने कहा, हम इजराइल की आजादी के एक और वर्ष को मना रहे हैं, लेकिन हमारा दिल हाल की घटनाओं के बोझ से भारी है। भारत खुद सीमा पार आतंकवाद का शिकार है। हमारी संवेदनाएं बंधकों के साथ हैं।

भारतीय मूल के वैज्ञानिक प्रोफेसर कुलकर्णी को सम्मानित करेगा अमेरिका, मिलेगा प्रतिष्ठित शॉ पुरस्कार

वॉशिंगटन। अमेरिका में भारतीय मूल के खगोलशास्त्री प्रोफेसर श्रीनिवास आर कुलकर्णी को प्रतिष्ठित शॉ पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। बताया गया है कि प्रोफेसर कुलकर्णी ने मिलीसेकंड पल्सर, गामा किरण विस्फोट, सुपरनोवा और अन्य खगोलीय पिंडों की खोज की है। उन्होंने इन अभूतपूर्व अन्वेषणों के लिए खगोल विज्ञान में शॉ पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। श्रीनिवास आर कुलकर्णी कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में भौतिकी, गणित और खगोल विज्ञान विभाग के प्रोफेसर हैं। इन वैज्ञानिकों को मिलेगा शॉ पुरस्कार प्रोफेसर कुलकर्णी के अलावा अमेरिका के वैज्ञानिक स्वी ले थीन और स्टुअर्ट ऑर्किन को जीव विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में शॉ पुरस्कार दिया जाएगा। बताया गया है कि वैज्ञानिक पीटर सरनाक को गणितीय विज्ञान में शॉ पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्रोफेसर कुलकर्णी ने की अभूतपूर्व खोज शॉ पुरस्कार फाउंडेशन का कहा 'प्रोफेसर कुलकर्णी ने खगोल विज्ञान में शानदार अन्वेषण किए हैं। आकाश के प्रति उनकी समझ से खगोल विज्ञान के क्षेत्र में नई क्रांति आई है। प्रोफेसर कुलकर्णी और उनके उत्तराधिकारी ज्विकी ने नेतृत्व में पालोमर ट्रांसिएंट फैक्ट्री की संकल्पना और निर्माण किया गया। बता दें पालोमर ट्रांसिएंट फैक्ट्री एक खगोलीय सर्वेक्षण था। प्रोफेसर कुलकर्णी ने 1978 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) से एमएस किया था। इसके बाद उन्होंने 1983 में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से पीएचडी की। प्रोफेसर कुलकर्णी वर्ष 2006 से 2018 तक कैलटेक वैधशाला के निदेशक भी रहे। इन्हें दिया जाता है शॉ पुरस्कार शॉ पुरस्कार खगोल विज्ञान, जीव विज्ञान और चिकित्सा और गणितीय विज्ञान के क्षेत्र में अभूतपूर्व खाजों के लिए दिया जाता है। इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाले वैज्ञानिकों को 1.2 मिलियन डॉलर दिए जाते हैं। 12 नवंबर को हांगकांग में इस सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा।

किंग सलमान बिन के फेफड़ों में सूजन, पीएम मोदी ने शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

रियाद (सऊदी अरब), 22 मई।

सऊदी अरब के किंग सलमान बिन अब्दुलअजीज अल-सऊद के बीमार होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। सलमान फेफड़ों की समस्या से जूझ रहे हैं। मेडिकल परीक्षण के बाद 88 वर्षीय किंग को फेफड़ों में सूजन का पता चला, जिसके लिए वह जेद्दा में एंटीबायोटिक उपचार ले रहे हैं। वहीं, किंग सलमान के बीमार होने से देश के क्राउन प्रिंस और उनके बेटे मोहम्मद बिन सलमान ने टोक्यो, जापान का दौरा रद्द कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'सऊदी अरब साम्राज्य के महामहिम किंग सलमान बिन अब्दुलअजीज के स्वास्थ्य की रिपोर्ट को लेकर बेहद चिंतित हूं। मैं भारत के लोगों के साथ उनके शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' क्राउन प्रिंस की अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलहाकार के साथ मुलाकात मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जापान दौरा रद्द करने से पहले क्राउन प्रिंस बिन सलमान ने पूर्वी शहर धहरान में अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच बैठक के दौरान गाजा में युद्ध विराम की आवश्यकता और दो राज्यों द्वारा समाधान की दिशा में एक विश्वसनीय रास्ता खोजने सहित विभिन्न क्षेत्रीय विकास पर चर्चा की गई।

2015 में सऊदी अरब के किंग बने सलमान

बता दें कि सलमान बिन अब्दुलअजीज अल-सऊद 2015 में किंग अब्दुल्ला की मृत्यु के बाद से सऊदी अरब के किंग हैं। किंग सलमान ने अपने अपने पित्ताशय को हाटने के लिए 2020 में सर्जरी कराई थी। वहीं, 2017 में मोम्मद बिन नायेफ को क्राउन प्रिंस के पद से हटा दिया गया था। उनकी जगह बिन सलमान को यह भूमिका निभाने की जिम्मेदारी दी गई थी।

प्लास्टिक सर्जरी के दौरान हुई युवक की मौत....सीसीटीवी में दिखा भयावक सच

सियोल, 23 मई (एजेंसियां)।

सुंदर दिखाने के लिए लोग क्या क्या नहीं करते हैं। प्लास्टिक सर्जरी इसका बढ़ता विकल्प बनता जा रहा है। कई बार प्लास्टिक सर्जरी में भी उल्टे ही नतीजे मिलते हैं। लेकिन एक शख्स के साथ कुछ ज्यादा ही बुरा हो गया। उसकी प्लास्टिक सर्जरी के बाद दुखद मृत्यु हो गई। लेकिन सीसीटीवी से भयानक सच बाहर आया, जिससे साफ हुआ कि वह वास्तव में एक घोस्ट डॉक्टर घोटाले का शिकार हुआ था। दक्षिण कोरिया के 24 वर्षीय क्वोन ने अपनी ठुड्डी को आकार देने की सर्जिकल प्रक्रिया के लिए करीब 4 लाख रुपयों का भुगतान किया। स्टेफनी सू ने बताया कि क्वोन को ब्रेन-डेड घोषित करने के बाद, अस्पताल के अधिकारियों ने उसके भाई, क्वोन ताए-हून को फोन कर उसकी मौत के बारे में नहीं बताया। क्वोन की मां की शिकायत के जवाब में प्लास्टिक सर्जन ने ऑपरेशन की सीसीटीवी फुटेज सौंपने की पेशकश की थी। फुटेज से पता चला कि जिस शीर्ष प्लास्टिक सर्जन पर क्वोन ने अपने चेहरे को फिर से तैयार करने का भरोसा किया था, वह प्रक्रिया के

लगभग 60 मिनट बाद ही ऑपरेशन थिएटर से चला गया। फिर एक दूसरे डॉक्टर को ऑपरेशन पूरा करने के लिए छोड़ दिया गया था, जिसके पास प्लास्टिक सर्जरी का लाइसेंस नहीं था। स्टेफनी ने बताया कि घोस्ट डॉक्टर आमतौर पर प्लास्टिक सर्जरी में कार्यरत होते हैं। जब मरीज को ऑपरेशन टेबल पर रखा जाता है, तब वे प्रक्रिया शुरू कर चले जाते हैं और एक घोस्ट डॉक्टर अंदर आकर ज्यादातर काम कर देता है। प्रमुख सर्जन बहुत ही कम समय तक मरीज के पास रहते हैं। जब सब हो जाता है, तब घोस्ट डॉक्टर उस भूत की तरह खत्म हो जाते हैं, जो कभी अस्तित्व में ही नहीं था। उनका कोई भी रिकॉर्ड में नहीं रखा जाता।

रूस ने यूक्रेनी इलाके में न्यूक्लियर हथियार टेस्टिंग शुरू की, पुतिन ने दिया था आदेश, इस्कंदर और किंझल मिसाइलें इसमें शामिल

मास्को, 23 मई (एजेंसियां)।

यूक्रेन जंग के बीच रूसी सेना ने इस्कंदर और किंझल मिसाइलों के साथ टैक्टिकल न्यूक्लियर टेस्ट शुरू कर दिए हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ये टेस्ट यूक्रेन के दक्षिणी सैन्य इलाके में हो रहे हैं। यह इलाका काफी बड़ा है। इसमें ठीक किस जगह टेस्ट किए जा रहे हैं यह रूस ने नहीं बताया है। रूस ने जंग के शुरुआती दिनों में इस इलाके पर कब्जा कर लिया था। इस टेस्टिंग में बेलारूस के भी शामिल होने की उम्मीद है। पिछले साल रूस ने ऐलान किया था कि वे बेलारूस में टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन तैनात करेगा। रूस इस टेस्ट से पश्चिमी देशों की धमकियों का जवाब देने की कोशिश कर रहा है। पिछले महीने ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने अपनी सेना को परमाणु हथियारों की ड्रिल करने का आदेश दिया था। इसमें उन्होंने नेवी और यूक्रेनी सीमा के पास तैनात सैनिकों को भी शामिल होने को कहा था। पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को सैन्य मदद देने को कहा था रूस ये टेस्ट ऐसे समय में कर रहा है जब कुछ दिन पहले

नाटो और पश्चिमी देशों ने यूक्रेन की मदद के लिए सेना भेजने की बात कही थी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पिछले महीने कहा था कि अगर यूक्रेन ने मदद मांगी तो वे अपने सैनिकों को वहां भेज सकते हैं। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड कैमरून ने भी कहा था कि यूक्रेन अगर चाहे तो वह रूस पर हमला करने के लिए ब्रिटिश हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। अमेरिका ने यूक्रेन को अप्रैल में 12 मिसाइलें दी थीं। इसकी रेंज 300 किलोमीटर है, यानी अगर जंग में इसका इस्तेमाल होता है तो यह रूस में 300 किलोमीटर अंदर तक अटैक कर सकती हैं। इसके बाद पिछले हफ्ते ही अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने यूक्रेन का दौरा किया था। ब्लिंकन ने कहा था कि आज दुनिया का अधिकांश हिस्सा स्वतंत्र दुनिया के लिए लड़ रहा है।

तीसरे साल में रूस-यूक्रेन युद्ध

रूस और यूक्रेन का युद्ध फरवरी में तीसरे साल में पहुंच गया। यूक्रेन के हथियार और सैनिक दिन पर दिन कम होते जा रहे हैं। यूक्रेन-रूस जंग में अब तक 50 हजार से ज्यादा रूसी सैनिकों की मौत हुई है। वहीं यूक्रेन ने जंग के दूसरे साल में 27 हजार 300 रूसी सैनिकों को गंवाया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि मरने वालों का आंकड़ा अनुमान से ज्यादा हो सकता है। इससे पहले फरवरी में राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की भी यूक्रेनी सैनिकों की मौत का आंकड़ा बता चुके हैं। जेलेंस्की के मुताबिक युद्ध में अब तक सिर्फ 31 हजार यूक्रेनी सैनिकों ने जान गंवाई है। हालांकि अमेरिकी खुफिया जानकारी के मुताबिक यूक्रेन के 70 हजार से ज्यादा सैनिकों की मौत हुई है।

प्रधानमंत्री सुनक ने किया आम चुनाव का एलान, 4 जुलाई को मतदान, कहा- हमारी योजना से मिली आर्थिक स्थिरता

लंदन, 23 मई (एजेंसियां)।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने ब्रिटेन के आम चुनाव की तारीख का एलान कर दिया है। एलान के मुताबिक ब्रिटेन में 4 जुलाई को आम चुनाव होंगे। इस दौरान ऋषि सुनक ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि आर्थिक स्थिरता बहुत मुश्किल से मिली है और यह सिर्फ शुरुआत है।

सवाल ये है कि आप कैसे इस पर विश्वास दिखाते हैं और इस नींव को अपने,

अपने परिवार और देश के एक सुरक्षित भविष्य में बदलते हैं। 4 जुलाई को आम चुनाव का एलान पीएम ऋषि सुनक ने कैबिनेट बैठक के बाद किया। दरअसल ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कैबिनेट की बैठक बुलाई थी, जिसके बाद से ही कयास लग रहे थे कि सुनक आम चुनाव जुलाई में कराने का एलान कर सकते हैं और अब ये कयास सही साबित हुए हैं।

सुनक ने कहा, हमारी अर्थव्यवस्था फ्रांस, जर्मनी और अमेरिका से ज्यादा तेजी से आगे बढ़ रही है। सुबह हमें यह स्वागत योग्य खबर मिली कि महंगाई सामान्य हो गई है। यह इस इस बात का संकेत है कि हमारी योजना और हमारी प्राथमिकताएं काम कर रही हैं। यह कड़ी मेहनत से हासिल की गई आर्थिक स्थिरता केवल शुरूआत है और इसीलिए मैंने चुनाव की घोषणा की है। उन्होंने कहा, जो योजनाएं हमने तैयार की हैं, वह एक सुरक्षित भविष्य प्रदान करेंगी।

कैबिनेट बैठक पर लगी थी निगाहें

कैबिनेट बैठक की खबर के बाद जल्द आम चुनाव की चर्चा चल रही थी, लेकिन हाल ही में ब्रिटिश संसद में पीएम सुनक ने कहा था कि इस साल की दूसरी छमाही में आम चुनाव होंगे। संसद में सुनक ने ब्रिटिश अर्थव्यवस्था के लिए कुछ अच्छी खबरें भी दीं, जिनमें महंगाई दर कम होकर 2.3 फीसदी रहने का एलान भी शामिल है। यह बीते तीन वर्षों में सबसे कम है। सुनक ने विपक्षी लेबर पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि लेबर पार्टी देश की अर्थव्यवस्था को खतरे में डाल देगी। वहीं कंजरवेटिव पार्टी देश के भविष्य को बचाने की कोशिश कर रही है।

प्रधानमंत्री सुनक जल्द ही किंग चार्ल्स से इस संबंध में मुलाकात करने जा सकते हैं। जिसके बाद संसद को भंग किया जा सकता है। चुनाव पूर्व अनुमानों में फिलहाल विपक्षी लेबर पार्टी मजबूत स्थिति में है और कंजरवेटिव पार्टी की हालत खराब बताई जा रही है। वहीं चुनाव एलान पर लेबर पार्टी ने कहा है कि वह चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

पूर्व पीएम इमरान खान ने दिया बड़े आंदोलन का संकेत अपने समर्थकों से कहा- अगले आदेश तक इंतजार करें

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के राजनीतिक उत्पीड़न के विरोध में आंदोलन शुरू करने का संकेत दिया है। इमरान खान ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं और समर्थकों को आंदोलन के लिए इंतजार करने का निर्देश दिया है। पीटीआई कार्यकर्ताओं को संदेश देते हुए इमरान खान ने दावा किया कि पिछले दो दशक पाकिस्तान के इतिहास में सबसे बुरे रहे। खान ने कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न किया गया। हमें संघर्ष के लिए तैयार रहना होगा- इमरान खान इमरान खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा 'मेरे देश के नाम मेरा संदेश: हमें अब फासीवादी माफियाओं के खिलाफ संघर्ष करने के लिए तैयार रहना होगा। मैं आप सभी को आंदोलन के आह्वान के लिए इंतजार करने का निर्देश देता हूं।' क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान रावलपिंडी की अदियाला जेल में कैद हैं। वह तोशाखाना, गैर-इस्लामी विवाह और सिफर मामलों में सजा काट रहे हैं। 'पाकिस्तान की वजह से शांत रहे लेकिन अब बहुत हुआ' पाकिस्तान के पूर्व पीएम ने कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर जबरन कार्रवाई की गई, उनके घरों में अतिक्रमण किया गया, उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं को मार दिया गया और उन्हें प्रताड़ित किया गया। पीटीआई नेता ने आगे कहा 'पाकिस्तान की वजह से हम अब तक शांत रहे लेकिन अब बहुत हुआ। पूरा देश जानता है कि हमारे नेताओं पर हमले कौन करवा रहा है। ये वही लोग हैं जिन्होंने न्यायाधीशों को परेशान करने का काम किया और परिणामों के साथ छेड़छाड़ कर चुनावों का मजाक उड़ाया।' अपराधियों को बेनकाब करेंगे- इमरान खान पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि पाटीआई के सचिव रऊफ हसन पर जघन्य हमला हुआ। इससे पता चलता है कि शक्तिशाली लोग समस्याओं को सुलझाने के बजाय कायरता से भरी हुई रणनीति का सहारा ले रहे हैं। बता दें कि रऊफ हसन पर चार लोगों ने कथित तौर पर हमला किया था।

आज से ज्येष्ठ माह शुरू

हनुमान जी-शनि देव का रहेगा प्रभाव, जानें क्या करें, क्या नहीं

ज्येष्ठ के महीने में सूर्य सबसे ताकतवर होते हैं, इसलिए तेज गर्मी पड़ती है । धरती पर सूर्य की तीखी किरणें पड़ने से जीव-जंतु, मनुष्य, प्रकति सभी के लिए ज्येष्ठ का महीना बहुत कष्टकारी होता है। इस माह में नौतपा के चलते तेज गर्म हवाएं चलती हैं, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकती है।

शास्त्रों में जेठ यानी ज्येष्ठ महीने में पूजा, दान, तीर्थ दर्शन का विशेष महत्व बताया गया है। ज्येष्ठ महीने के दौरान नियम और संयम से रहने पर उम्र बढ़ती है और बीमारियां भी दूर होती है। इसलिए ज्येष्ठ में कुछ खास बातों का जरुर ध्यान रखें, जानें क्या करें, क्या न करें।

ज्येष्ठ माह 2024

ज्येष्ठ का महीना - 24 मई 2024 से 23 जून 2024 तक रहेगा।
ज्येष्ठ माह में क्या करें और क्या न करें
1- इनदेवताओं की पूजा

भगवान त्रिविक्रम :- शास्त्रों के अनुसार ज्येष्ठ महीने की दोनों पक्ष की द्वादशी तिथि को दिन-रात उपवास करके भगवान त्रिविक्रम (विष्णु जी का स्वरूप) की पूजा करना चाहिए, इससे गोमेध यज्ञ का फल मिलता है।

सूरज-शनि देवता :- ज्येष्ठ माह में सूर्योदय से पूर्व उठकर सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए, इससे उम्र लंबी होती है। रोगों का नाश होता है। इस माह में शनि जयंती के दिन शनि देव की पूजा से साढ़ेसाती और ढैय्या के अशुभ प्रभाव खत्म होते हैं।

हनुमान जी :- ज्येष्ठ में हनुमान जी पहली बार श्रीराम से मिले थे, इसलिए इस माह के हर मंगलवार (बड़ा मंगल) के दिन हनुमान जी की खास पूजा करें।

कृष्ण :- ज्येष्ठ महीने में गंगा, यमुना नदी में स्नान कर भगवान कृष्ण की पूजा और तिल का दान करने से अश्वमेध-यज्ञ का पूरा फल मिलता है। इस महीने की पूर्णिमा पर भी लक्ष्मी जी, सत्यनारायण की उपासन कर नारद पुराण सुनने से जन्मों के पाप खत्म हो जाते हैं।

वरुण देव :- ज्येष्ठ माह में जल स्तर कम हो जाता है, जल संरक्षण करें। जल का दान, गंगा दशहरा और निर्जला एकादशी पर खासतौर से जल के देवता वरुण देव की पूजा करें।

2- क्या खाएं, क्या नहीं :- ज्येष्ठ माह में शरीर में जल स्तर गिरने लगता है। ऐसे में सेहत को अच्छा रखने के लिए हरी सब्जियां, सत्तू, जल वाले फलों का अधिक प्रयोग करें। एक समय खाना खाएं, बैंगन, लहसुन, राईं, गर्मी करने वाली सब्जियां-फल न खाएं।

3- जल से जुड़े काम:- ज्येष्ठ की तपती धूप में पेड़ पौधे सूख जाते हैं। इनके बचाव के लिए रोजाना पेड़ों में पानी दें। राहगीरों को जल पिलाएं, पशु-पक्षियों के लिए जल की व्यवस्था करें। तीर्थ स्थल पर नदी स्नान करें।

4- इन चीजों का दान :- तिल, जल, मिट्टी का मटका, जूते, पंखा, चप्पल, खीरा, सत्तू, अन्न, छाता का दान करना चाहिए। मंदिर या सामाजिक स्थल पर लोगों के कालीन लगवाएं, ताकि उनके पैर न जलें।

5- ये एक काम बनाएगा धनवान :- महाभारत के अनुशासन पर्व के अनुसार ज्येष्ठ माह में एक समय भोजन का महत्व बताया है। ज्येष्ठामूलं तु यो मासमेकभक्तेन संक्षिपेत्। ऐश्वर्यमतुलं श्रेष्ठं पुमान्स्त्री वा प्रपद्यते।। अर्थात - जो कोई भी व्यक्ति ज्येष्ठ माह में सिर्फ एक समय भोजन करता है वह धनवान और निरोगी बनता है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ ही सबसे बड़ा धन माना गया है।

6- भूलकर भी न करें ये काम:- ज्येष्ठ माह में अपने बड़े पुत्र या पुत्री का विवाह नहीं करना चाहिए, इसे शुभ नहीं माना गया है। साथ ही तला, गरिष्ठ, तामसिक भोजन न करें, स्वास्थ बिगड़ सकता है। पशु-पक्षियों को न सताएं।

धारण कर लें चांदी का छल्ला, हर शौक होंगे पूरे, मिलेगी रॉयल लाइफ

जानें पहनने की विधि और सही दिन

ज्योतिष शास्त्र में प्रत्येक ग्रह की स्थिति को संतुलित करने और उसके सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाने के लिए विभिन्न तरह के रत्नों और धातुओं का उपयोग किया जाता है। चंद्रमा और अन्य ग्रहों की सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करने के लिए ज्योतिष शास्त्र में चांदी के छल्ले के प्रभावी उपाय बताए गए हैं। ज्योतिष के अनुसार, यदि हाथ के अंगूठे में चांदी का छल्ला पहना जाए, तो ग्रहों की सकारात्मक ऊर्जा पाई जा सकती है। लेकिन हाथ के अंगूठे में चांदी का छल्ला धारण करते हुए इसके नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। तो चलिए जानते अंगूठे में चांदी का छल्ला पहनने से क्या फायदे होते हैं और इसे किस तरह धारण किया जा सकता है।

चांदी का छल्ला पहनने का महत्व

चांदी को ज्योतिष शास्त्र में चंद्रमा से संबंधित माना गया है। चंद्रमा मन और भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में चंद्रमा कमज़ोर स्थिति में है और सकारात्मक ऊर्जा नहीं दे रहा है तो ऐसे में चंद्रमा की स्थिति को कुंडली में मजबूत करने की आवश्यकता होती है। ज्योतिष के जानकार चंद्रमा को मजबूत करने के लिए चांदी के छल्ले को हाथ के अंगूठे में पहनने की सलाह देते हैं। चांदी प्रेम, सौन्द्रर्य और विलासिता के ग्रह शुक्र से जुड़ी धातु भी मानी गई है। चांदी का छल्ला धारण करने से चंद्रमा और शुक्र का सकारात्मक प्रभाव प्राप्त होता है।

अंगूठे में चांदी का छल्ला पहनने के लाभ

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अंगूठे में चांदी का छल्ला पहनने से व्यक्ति को मानसिक शांति और स्थिरता प्राप्त होती है। ये मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। तनाव और चिंता को कम करता है। आयुर्वेद के अनुसार, चांदी में जीवाणु रोधी गुण पाए जाते हैं। ये शरीर को स्वस्थ रखते हैं। चांदी पहनने से व्यक्ति का इम्यून सिस्टम मज़बूत होता है और कई तरह की बीमारियों से बचाव होता है।

ज्योतिष के अनुसार चांदी का छल्ला पहनने से वित्तीय स्थिति सुधरती है और जीवन में समृद्धि आती है। अंगूठे में चांदी का छल्ला पहनने से रिश्तों में सुधार होता है। साथ ही भाग्य में वृद्धि होती है और जीवन में सकारात्मक बदलाव दिखाई देते हैं।

अंगूठे में चांदी का छल्ला पहनते समय कुछ नियमों का पालन किया जाना बेहद जरूरी होता है।

जैसे चांदी का छल्ला धारण करने से पहले शुभ दिन का चुनाव करना आवश्यक है। ऐसा करने से इसके बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं।

चांदी का छल्ला धारण करने के लिए ज्योतिष शास्त्र में सबसे अच्छा दिन सोमवार माना गया है। कुंडली में शुक्र ग्रह को मजबूत करने के लिए शुक्रवार का दिन भी उपयुक्त होता है। अंगूठे में चांदी का छल्ला धारण करने का सही समय सूर्योदय के बाद और दोपहर से पहले का माना गया है। इन नियमों को ध्यान में रखते हुए अंगूठे में चांदी का छल्ला धारण किया जाए तो इसका संपूर्ण लाभ प्राप्त होता है। चांदी के छल्ले को शनिवार के दिन धारण नहीं करना चाहिए।

भगवान विष्णु और लक्ष्मी के नाम से रखें लड़कों के नाम

स्वभाव में दिखेंगे विशेष गुण, यहां देखें लिस्ट

घर पर बच्चे के जन्म से बढ़कर कोई खुशी नहीं है। अगर घर में छोटे-छोटे कदम चल रहे हों तो घर में एक अलग ही उत्साह देखने को मिलती है। ऐसे में कई माता-पिता अपने बच्चों का नाम देवताओं या मूर्तियों के नाम पर रखने के बारे में सोचते हैं। अगर आप देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु में विश्वास करते हैं तो इन नामों पर अवश्य विचार करें। क्योंकि ये नाम निश्चित रूप से आपके बच्चों को प्रेरित करेंगे और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएंगे। आइए जानते हैं

श्रेयान और श्रेयांश

आप बच्चे का नाम श्रेयांफया श्रेयांशफरख सकते हैं। अगर आपके जुड़वां लड़के हैं तो आप ये दोनों नाम चुन सकते हैं। श्रेयणफभगवान विष्णु के नाम श्रीमन के पहले 3 अक्षरों और नारायण के अंतिम 3 अक्षरों का एक संयोजन है। श्रेयांशफनाम का अर्थ है प्रसिद्धि और भाग्य देने वाला, अमीर, भाग्यशाली व्यक्ति जो दूसरों को प्रसिद्धि देता है।

श्रीहान और श्रीथिक

अगर आप अपने बच्चे के लिए कोई धार्मिक नाम चाहते हैं तो आप अपने परिवार के इन दो नामों पर विचार कर सकते हैं। ङ्गश्रीहनफ भगवान विष्णु का एक नाम है जिसका अर्थ है सुंदर और मनमोहक। श्रितिकफभगवान शिव को कहा जाता है। ये दोनों नाम बेहद सुंदर और दिव्य हैं।

श्रेयस और श्रेयांश

श्रेयस का अर्थ है उत्कृष्ट, सर्वश्रेष्ठ, सुंदर, शुभ, भाग्यशाली, उत्कृष्ट। वहीं श्रीयांशफका अर्थ है प्रसिद्धि देने वाला, भाग्यशाली और धनवान। आप अपने बच्चे को इन दो खूबसूरत नामों में से कोई एक नाम दे सकते हैं। इस नाम को देखते हुए, आपके बच्चे में भी इससे जुड़े गुण होने की संभावना है।

श्रीजय और श्रेयान

जो लोग अपने बच्चे के लिए श्रीफसे शुरू होने वाला नाम चाहते हैं, वे श्रीजयफऔर श्रेयानफपर विचार कर सकते हैं। श्रीजयफनाम भगवान गणेश और माता लक्ष्मी का प्रतिनिधित्व करता है। इसका अर्थ है श्री अर्थात लक्ष्मी का विजेता जो स्वयं भगवान विष्णु हैं। अतः श्रेयन्फका अर्थ प्रसिद्धि है।

श्रीश और श्रेयांक

श्रीफसे शुरू होने वाले नामों में श्रीशफऔर श्रेयंकफभी शामिल हैं। श्रीशफनाम का अर्थ है धन का स्वामी और यह नाम धन के स्वामी भगवान विष्णु का प्रतिनिधित्व करता है। श्रेयांक नाम की बात करें तो इसका मतलब प्रसिद्धि होता है। एक लड़का जिसने जीवन में प्रसिद्धि हासिल की है।

आप भी वास्तु और फेंगशुई को समझते हैं एक?

दोनों में हैं जमीन-आसमान का अंतर

हिंदू धर्म में वास्तु शास्त्र को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। ये सबसे प्राचीन विज्ञान में से एक माना जाता है। वास्तु शब्द घर और भवन का प्रतिनिधित्व करता है। जो बहुत फायदेमंद साबित होता है। घर में मौजूद वस्तु को किस स्थान पर रखना है। उस सामान की सही दिशा क्या होनी चाहिए? इन सभी बातों के बारे में वास्तु शास्त्र में लिखा गया है। जो व्यक्ति इन नियमों के अनुसार घर में सामान को रखता है, उसको शुभ फल प्राप्त होते हैं। वहीं फेंगशुई एक चीनी प्राचीन कला है। यह खुशी और नियंत्रण के साथ जीवन को सहज बनाने में मदद करती है। इस विषय में जाने विस्तार से.....

क्या है फेंगशुई का अर्थ?

चीनी भाषा में फेंग का मतलब होता है हवा और शुई का मतलब पानी। ये ब्रह्मांडीय शक्तियों के साथ जुड़कर जीवन में सामजस्य स्थापित करने में मदद करता है।

वास्तु शास्त्र और फेंगशुई में अंतर

वास्तु शास्त्र दिशाओं को दर्शाता है और ये उनके संतुलन पर आधारित होता है। वहीं फेंगशुई जगह के भौगोलिक और परंपराओं से प्रभावित होता है।

वास्तु शास्त्र में उत्तर दिशा शुभ होती है। ये चीजों को आकर्षित करने में उपयोगी है। इसे चुंबकीय ऊर्जा माना जाता है। पूर्व दिशा में सूर्य की ऊर्जा है। वहीं अगर बात की जाए फेंगशुई की तो उत्तर दिशा को अशुभ कहा जाता है।

वास्तु और फेंगशुई में अंतर के उदाहरण

वास्तु शास्त्र में किचन में भोजन बनाते वक्त चूल्हे को दाईं ओर रखा जाता है और सिंक बाईं तरफ रखते हैं। वहीं अगर फेंगशुई की बात की जाए तो खाना पकाने की जगह और सिंक एक-दूसरे के सामने नहीं होना चाहिए ।

वास्तु शास्त्र में दक्षिण या पूर्व दिशा की तरफ सिर करके सोना अच्छा होता है। वहीं फेंगशुई में सोने की दिशा अक्सर व्यक्ति की शुभ दिशाओं के हिसाब से होनी चाहिए।

वास्तु शास्त्र के हिसाब से किसी स्थान में दक्षिण या दक्षिण-पश्चिम दिशा में कोई बड़ा फर्नीचर होना चाहिए। ऐसे में उत्तर और पूर्व क्षेत्र में जगह रहेगी, जिसे शुभ माना जाता है। वहीं फेंगशुई की बात करें तो बड़े या भारी फर्नीचर को उत्तर जगह में होना चाहिए।

आर्थिक तंगी से हैं परेशान, तो मिश्री से करें यह आसान उपाय

मां लक्ष्मी होंगी प्रसन्न, होगी धनवर्षा!

सनातन धर्म में माता लक्ष्मी की पूजा आराधना बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। माता लक्ष्मी को धन का देवी माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि जिस व्यक्ति पर मां लक्ष्मी की कृपा रहती है, उस व्यक्ति को जीवन में कभी भी आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ता। ऐसी स्थिति में ज्योतिष शास्त्र द्वारा अगर आप मिश्री से जुड़े कुछ खास उपाय करते हैं, तो इससे आपके ऊपर धन की देवी मां लक्ष्मी की विशेष कृपा बनी रहती है। तो चलिए आज हम आपको इस रिपोर्ट में बताते हैं कि मिश्री का उपाय करने से कैसे माता लक्ष्मी प्रसन्न होंगी और कैसे धन संबंधित सभी परेशानियां दूर होंगी।

अयोध्या के ज्योतिषी पंडित कल्कि राम बताते हैं कि माता लक्ष्मी को मिश्री अति प्रिय मानी जाती है। माता लक्ष्मी की पूजा के दौरान मिश्री का भोग लगाना बहुत महत्वपूर्ण होता है और पूजा के बाद मिश्री को प्रसाद के रूप में वितरित करना चाहिए। कहा जाता है कि ऐसा करने से व्यक्ति की सभी तरह की मनोकामना पूरी होती है।

अगर आप अपनी नौकरी में समस्या झेल रहे हैं, तो फिर माता लक्ष्मी को मिश्री का भोग लगे प्रसाद के रूप में इसे वितरित करें। उसके बाद मिश्री को गरीब लोगों को दान भी देना चाहिए। ऐसा करने से नौकरी में आ रही समस्या से मुक्ति मिलती है।

अगर आप मनचाहा जीवनसाथी पाना चाहते हैं, तो इसके लिए राधा और कृष्ण की पूजा आराधना करते वक्त मिश्री और तुलसी का भोग लगाना चाहिए। ऐसा करने से आपको अपने लिए योग्य जीवनसाथी की प्राप्ति होगी।

अगर आप शनि के बुरे प्रभाव से परेशान हैं, तो प्रत्येक शनिवार के दिन शनि मंदिर में जाकर भगवान शनि की पूजा आराधना करनी चाहिए। इस दिन मिश्री के दाने को चीटियों को खिलाना चाहिए। मान्यता के अनुसार इस उपाय को करने से शनि दोष से भी राहत मिलती है।

12वीं में किया ऑल इंडिया टॉप, डॉक्टरी की पढ़ाई के बीच बन गईं मिस वर्ल्ड

फिर दे डालीं 4 सुपरफ्लॉप, डूबे 650 करोड़?

बॉलीवुड एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर महज 27 साल की हैं और अब तक शोहरत का खास मुकाम हासिल कर चुकी हैं. 12वीं की परीक्षा में ऑल इंडिया टॉपर रहीं मानुषी छिल्लर ने साल 2017 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीतकर पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन किया है. इसके साथ ही 2017 में ही फैमिना मिस इंडिया पेजेंट में हिस्सा लिया और जीत हासिल की। इन खिताबों को अपने सिर पर सजाने के बाद मानुषी छिल्लर ने एक्ट्रेस बनने का फैसला लिया. मानुषी ने अपने 2 साल के करियर में 4 फिल्मों में बतौर हीरोइन काम किया. लेकिन मानुषी की किस्मत बॉक्स ऑफिस पर फुस्स रही। मानुषी की ये चारों फिल्में सुपरफ्लॉप रहीं। इन चारों फिल्मों में करीब 650 करोड़ रुपयों से ज्यादा की लागत लगी थी. इनमें से अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' फिल्म 350 करोड़ रुपयों के बजट से बनी थी। मानुषी छिल्लर ने साल 2022 में फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' से अपने करियर की शुरुआत की थी।

मानुषी की इस डेब्यू फिल्म में अक्षय कुमार बतौर हीरो नजर आए थे। लेकिन 250 करोड़ रुपयों के बड़े बजट से बनी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थी. इसके बाद मानुषी छिल्लर ने विक्की कौशल के साथ 'द ग्रेट इंडियन फैमिली' फिल्म की थी। लेकिन ये फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर धूल देखती रह गई।

मानुषी की लगातार 2 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रहीं. इसके बाद मानुषी ने 2024 में 'ऑपरेशन वेलेन्टाइन' फिल्म की. लेकिन इस फिल्म ने भी मानुषी के करियर में कोई करिश्मा नहीं किया. ये फिल्म भी महाफ्लॉप साबित हुई. इसके बाद मानुषी छिल्लर को 'बड़े मियां छोटे मियां' से काफी उम्मीदें थीं.

मानुषी के साथ इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ और अक्षय कुमार नजर आए थे. इस फिल्म को वासु भगनानी ने प्रोड्यूस किया था. इस फिल्म का बजट 350 करोड़ रुपयों से ज्यादा था. इस फिल्म की मार्केटिंग भी जमकर हुई थी. लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई और फ्लॉप रही.

अब मानुषी के करियर की नैया अपकमिंग फिल्मों पर टिकी है. मानुषी छिल्लर के निजी जीवन की बात की जाए तो वे बेहद एलीट परिवार से आती हैं. 14 मई 1997 को जन्मी मानुषी छिल्लर के पिता 'डॉक्टर मित्र वासु छिल्लर' डीआरडीओ में साइंटिस्ट हैं. इसके साथ ही मानुषी की मां 'डॉक्टर नीलम छिल्लर' एसोसिएट प्रोफेसर हैं. मानुषी बचपन से ही पढ़ने में तेज रहीं हैं. मानुषी ने 12वीं की परीक्षा में सीबीएसई बोर्ड में ऑल इंडिया टॉप किया था।

इसके बाद नीट की परीक्षा पहली बार में ही क्वालिफाई कर ली थी. इसके बाद एमबीबीएस की डिग्री भी ली है. पढ़ाई के साथ ही मानुषी छिल्लर ने कई ब्यूज कॉन्टेस्ट अपने वनाम किए हैं।

मिस वर्ल्ड का खिताब जीत चुकीं मानुषी छिल्लर ने 2 साल में 4 फिल्मों में काम किया है. लेकिन बॉक्स ऑफिस पर उनकी किस्मत साथ नहीं दे पा रही है. मानुषी की चारों फिल्म औंधे मुंह गिरी हैं. अब तक 1 भी हिट फिल्म मानुषी के हाथ नहीं लगी है।

कलंक मूवी में 'घर मोरे परदेसिया' गाने पर आलिया के नृत्य की अकादमी ने की भूरि-भूरि प्रशंसा

अकादमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज़ ने 2019 में आयी कलंक फिल्म में 'घर मोरे परदेसिया गाने पर बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट के नृत्य की सराहना की है।

श्रेया घोषाल और वैशाली म्हाडे के सेमी-क्लासिकल गाने में आलिया के कथक को दिखाया गया। धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म में रेमो डिसूजा ने इस गाने को कोरियोग्राफ किया था।

अभिषेक वर्मन द्वारा निर्देशित, पीरियड ड्रामा फिल्म का निर्माण करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा किया गया था और इसमें माधुरी दीक्षित, संजय दत्त, वरुण धवन, आदित्य रॉय कपूर, सोनाक्षी सिन्हा, कुणाल खेमू और कियारा आडवाणी ने भी भूमिकाएं निभाईं थीं।

अकादमी ने अपने कैप्शन में लिखा, आलिया भट्ट फिल्म 'कलंक' से 'घर मोरे परदेसिया' (वैशाली म्हाडे के साथ श्रेया घोषाल द्वारा गाया गाना) गाने पर नृत्य करती हुई दिखाई दी हैं। अभिषेक वर्मन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वरुण धवन, आलिया भट्ट, माधुरी दीक्षित, संजय दत्त और सोनाक्षी सिन्हा ने दमदार अभिनय किया है। गीत प्रीतम चक्रवर्ती द्वारा रचित, अमिताभ भट्टाचार्य के बोल हैं।

इतनी गरीबी.. शर्लिन चोपड़ा की ड्रेस देख बौखलाए नेटिजेंस

बोले- 'उर्फी तो यूं ही बदनाम'

बॉलीवुड एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा अक्सर लाइमलाइट में रहती हैं और आए दिन ही बेबाक बयान भी देते नजर आती हैं. इसी के साथ ही वे अक्सर ट्रोल भी होती हैं और बार फिर अपने आउटफिट की वजह से ट्रोलिंग का शिकार हो गई हैं. एक्ट्रेस का एयरपोर्ट पर शूट किया गया एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है. वीडियो में शर्लिन चोपड़ा बेहद रिवीलिंग आउटफिट पहने नजर आ रही हैं. उन्होंने हाई हील्स के साथ डैमेज या कहें रिप्ड जींस और सनग्लासेस पहन रखा है और इस लुक के साथ उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है. इस आउटफिट की वजह से एक्ट्रेस को खूब ट्रोल किया जा रहा है और वैसे शर्लिन इस तरह से ही लोगों का अटेंशन लेकर लाइमलाइट में रहती हैं।

अभिनेत्री का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है और कमेंट बॉक्स में लोग अनाप-शनाप बातें लिख रहे हैं. उसी कमेंट सेक्शन में एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, 'उर्फी इसके साथ अच्छी लग रही हैं.' एक अन्य ने लिखा, 'उर्फी तो ऐसे ही बदनाम है. असली समस्या यहीं है.' एक शख्स ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'अरेक्या चूहे ने आपकी जींस कुतर दी?' एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, 'क्या इस महिला को उसके कपड़ों से संक्रमण हुआ है?' एक शख्स ने लिखा, 'हे अल्लाह, इतनी गरीबी.' एक यूजर ने लिखा, 'मैम, क्या अलमारी में चूहा घुस गया था?' एक ने लिखा, 'इसको देख कर शर्म आ रहा है इसको क्यों शर्म नहीं आ रहा है पता नहीं..'

वर्कफ्रंट की बात करें तो शर्लिन चोपड़ा कामसूत्र 3डी, वजह तुम हो, टाइम पास और नॉटी बॉय जैसी फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं। शर्लिन आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के अपडेट्स सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं। एक्ट्रेस ने पौरुषपुर नाम की सीरीज में भी काम किया था, हालांकि इसे उतनी लोकप्रियता नहीं मिली जितनी इसे लेकर बनाई गई थी। अन्नू कपूर अभिनीत यह सीरीज एक ऐसी कहानी थी जिसमें एक ऐसा साम्राज्य है जहां केवल पुरुषों का शासन होता है।

मराठी अभिनेत्री हेमल इंगले ने आईपीएल 2024 में एंकर के रूप में अपनी शुरुआत की

मराठी अभिनेत्री हेमल इंगले ने आईपीएल 2024 में एक एंकर के रूप में शानदार शुरुआत की और अपने आकर्षण और उत्साह से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पहले ही मैच से, हेमल इंगले के आकर्षक व्यक्तित्व और क्रिकेट के गहन ज्ञान ने आईपीएल प्रशंसकों का दिल जीत लिया, जिससे वह एक घरेलू नाम बन गईं।हेमल की धाराप्रवाह मराठी एंकरिंग ने आईपीएल प्रसारण में एक क्षेत्रीय स्पर्श लाया, मराठी भाषी दर्शकों को प्रसन्न किया और कमेंट्री में विविधता जोड़ी।हेमल इंगले के विशेष पर्दे के पीछे के खंडों ने प्रशंसकों को टीम की तैयारियों और खिलाड़ियों की मानसिकता के बारे में अद्वितीय अंतर्दृष्टि प्रदान की, जिससे देखने का अनुभव बढ़ गया।हेमल के बेदाग फैशन सेंस ने आईपीएल सीजन के दौरान नए ट्रेंड सेट किए। उनके स्टाइलिश आउटफिट दर्शकों और फैशन प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन गए।हेमल ने शीर्ष आईपीएल खिलाड़ियों और मशहूर हस्तियों के साथ आकर्षक साक्षात्कार आयोजित किए, व्यक्तिगत कहानियाँ और हास्य उपाख्यान निकाले जो दर्शकों को पसंद आए।इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हेमल की उपस्थिति आसमान छू रही है, प्रशंसक उनके अपडेट और आईपीएल के पर्दे के पीछे की झलकियों को उत्सुकता से देख रहे हैं।अपने एंकरिंग आकर्षण के अलावा, हेमल ने खेल के प्रति अपनी विशेषज्ञता और जुनून का प्रदर्शन करते हुए अपने गहन क्रिकेट विश्लेषण से दर्शकों को प्रभावित किया।हेमल इंगले के इंटरैक्टिव सत्रों और प्रशंसकों की व्यस्तताओं ने क्रिकेट प्रेमियों का एक मजबूत समुदाय बनाने में मदद की, जिससे उनके अनुयायियों के बीच अपनेपन की भावना को बढ़ावा मिला।आईपीएल एंकर के रूप में हेमल के सफल कार्यकाल ने एक नया मानदंड स्थापित किया है, जिससे साबित होता है कि वह न केवल एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं, बल्कि खेल प्रसारण में भी उनकी शानदार उपस्थिति है।

समांथा रुथ को रणबीर की ऑनस्क्रीन गर्लफ्रेंड ने किया रिप्लेस

अल्लू अर्जुन संग लूटेंगी महफिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल में काम करने के बाद नेशनल क्रश बन गई हैं. बॉलीवुड में ही साउथ फिल्मों में भी उनका जलवा बन चुका है। खबरों की मानें तो, तृप्ति अब अल्लू अर्जुन की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' में नजर आएंगी।

बॉलीवुड नाउ की रिपोर्ट के अनुसार, तृप्ति को पुष्पा 2 के प्रोड्यूसर ने मसालेदार-झन्नाटेदार डांस नंबर के लिए चुना है. कथित तौर पर, अभिनेत्री इस नए ट्रैक में अल्लू अर्जुन के साथ स्टेज पर आग लगाती नजर आएंगी. हालांकि अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

दिलचस्प बात यह है कि 'पुष्पा' के पहले पार्ट में में साउथ की सुपरहिट एक्ट्रेस सामंथा रूथ प्रभु ने अपने शानदार डांस आइटम 'ऊ अंतवा' से सभी का दिल जीत लिया था. इस गाने और उनके डांस मूव्स को दर्शकों ने खूब पसंद दिया था।

याद दिला दें कि सुकुमार द्वारा निर्देशित पुष्पा 2 की शूटिंग शेड्यूल आखिरी चरण में है. अल्लू अर्जुन के अलावा, फिल्म में रश्मिका मंदाना भी लीड में हैं. इस साल की शुरुआत में, पुष्पा 2 के निर्माताओं ने अल्लू अर्जुन के जन्मदिन पर फिल्म का टीज़र जारी किया था जिसमें अल्लू अर्जुन का फर्स्ट लुक देखते ही बन रहा था. इसके बाद रश्मिका का लुक सामने आया है.

फिलहाल, पुष्पा 2 के निर्माता फिल्म का दूसरा गाना सूसेकी रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं. इस गाने में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना जोड़ी दिखेगी। यह 29 मई को रिलीज़ होगा. फिल्म 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में आएगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवन–साथी की उपलब्धियों की सराहना करें और उसकी सफलता और ख़ुशक़िस्मती का जश्न मनाएँ। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं , काम के बाद आपके सहकर्मी आपको किसी छोटे घरेलू उत्सव पर आमंत्रित कर सकते हैं। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में तनाव दूर करने के लिए अच्छा दिन है। हालात ठीक करने की ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर लें और सकारात्मक तौर पर पहल करें। आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं। घर पहुंचकर आप किसी पार्क में परिवार के लोगों के साथ जाने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए , वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा– बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के चलते काम–काज की अधिकता थकावट भरी हो सकती है। इस राशि के छात्र–छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं, लेकिन कई बार आप अपने अहम को आगे रखकर घर वालों को जरूरी बातें नहीं बताते। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए ऐसा करके परेशानी और भी बढ़ेगी कम नहीं होगी। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए धूम्रपान की आदत छोड़ दें। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएं। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं– साथ ही अपने साथी को अपना नज़रिया समझाने में भी तकलीफ़ महसूस होगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक सदस्य या जीवन–साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की ओर से जानबूझ कर भावनात्मक चोट मिल सकती है, जिसके चलते आप उदास हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार घर आ सकते हैं। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक रहने वाला है।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 24 मई 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 07:26 तक
नक्षत्र : अनुराधा प्रात: 10:10 तक
योग : शिव प्रात: 11:20 तक
करण : बालव प्रात: 07:29 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:40 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:34 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : रोहिणी में रवि , गण्डमूल प्रात: 10:11 से , रोहिणी तपन काल आरंभ

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा में चुनाव प्रचार समाप्त, मतदान कल

चंडीगढ़, 23 मई (एजेंसियां)। छठे चरण में 25 मई को होने जा रहे हरियाणा की 10 लोकसभा सीटों पर चुनाव और करनाल विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिये चुनाव प्रचार गुरुवार की शाम समाप्त हो गया।

चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा, कांग्रेस के राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे समेत तमाम राजनीतिक दलों के बड़े नेताओं से लेकर हरियाणा के नेताओं ने चुनावी सभाएं और रोड शो किए।

चुनाव प्रचार के मुद्दों में विपक्षी दलों का जहां बेरोजगारी, अग्निवीर योजना, महंगाई, किसानों जैसे मुद्दों पर जोर रहा, वहीं सत्तारूढ़ दल भाजपा ने राम मंदिर, पाकिस्तान शासित कश्मीर और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और हरियाणा की भाजपा सरकार के कथित विकास कार्यों पर जोर दिया।

लोकसभा चुनाव में 10 संसदीय क्षेत्रों के लिए कुल 223 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। इसके अलावा करनाल विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समेत कुल नौ उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। हरियाणा में मुख्य रूप से मुकाबला भाजपा जिसके पास प्रदेश की 10 लोकसभा सीटें हैं और कांग्रेस–आपा गठबंधन (जिसके तहत कांग्रेस नौ और आम आदमी पार्टी एक सीट कुरुक्षेत्र पर चुनाव लड़ रही है) में है लेकिन भाजपा के साथ साढ़े चार साल सत्ता में रही जननायक जनता पार्टी (जजपा) और इंडियन नेशनल लोकदल भी चुनावी मैदान में हैं। प्रमुख प्रत्याशियों में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर (करनाल से), उद्योगपति नवीन जिंदल (कुरुक्षेत्र से), राज बब्बर (गुड़गांव से) आदि शामिल हैं। सिरसा में दो पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कुमारी सैलजा और अशोक तंवर भिड़ेंगे तो हिसार से चौटाला कुनबे के तीन सदस्य नैना चौटाला (जजपा), सुनैना चौटाला (इनेलो) और रंजीत सिंह चौटाला (भाजपा) चुनावी मैदान में हैं।राज्य में मतदाताओं की कुल संख्या 2,01,87,911 है। मतदाताओं में 1,06,52,345 पुरुष और 94,23,956 महिला मतदाता शामिल हैं।

इसके अलावा, 467 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं। राज्य में 19,812 स्थायी मतदान केंद्र बनाये गये हैं। इसके अलावा 219 अस्थायी मतदान केंद्र भी स्थापित किये गये हैं और गर्मी को ध्यान में रखते हुये सभी मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त व्यवस्था भी की जायेगी।

प्रियंका गांधी ने सिरसा में सैलजा के पक्ष में किया रोड शो

सिरसा, 23 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को सिरसा में इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी कुमारी सैलजा के लिए रोड शो किया। श्री वाड्रा करीब एक घंटा 10 मिनट तक चिलचिलाती धूप में लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हुये कांग्रेस उम्मीदवार कुमारी सैलजा के पक्ष में मतदान करने के लिये लोगों को प्रेरित किया।

रोड शो के दौरान विशेष रूप से तैयार किये गये वाहन पर सबसे आगे श्रीमती वाड्रा खड़ी थीं, जबकि उनके बाईं ओर कुमारी सैलजा और दाईं ओर पूर्व मंत्री किरण चौधरी खड़ी थी। लोकसभा चुनाव के दौरान यह पहला मौका रहा, जब श्रीमती वाड्रा चुनाव प्रचार के लिये हरियाणा में आई थीं। वह सबसे पहले सिरसा आईं और बतौर स्टार प्रचारक पार्टी की ओर से एकमात्र रोड शो में शिरकत की। श्रीमती वाड्रा की मौजूदगी में रोड शो के दौरान राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की यादें भी ताजा हो गईं।

जींद के करीब 42 छात्र बिश्केक में फंसे, पांच दिन से हॉस्टलों में हैं बंद

जींद, 23 मई (एजेंसियां)। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में हुई हिंसा के बाद पिछले पांच दिनों से भारतीय छात्र हॉस्टलों में बंद हैं। हॉस्टल से बाहर निकलते ही स्थानीय लोग उनके साथ मारपीट कर रहे हैं। जींद जिले के करीब 42 छात्र इस समय बिश्केक में फंसे हुए हैं। वहां से छात्रों ने हिंसा की जो तस्वीरें भेजी हैं, वह देखकर परिजन सहमे हुए हैं। उन्होंने सरकार से रोते–बिलखते बच्चों की सकुशल भारत वापसी की गुहार लगाई है।

जींद जिले के सफीदों, उचाना, जुलाना, नरवाना से बड़ी संख्या में छात्र किर्गिस्तान के बिश्केक में रहकर एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे हैं। शहर में शैक्षणिक सलाहकार डॉ. कॉमिनी आसरी ने बताया है कि हिंसा के बाद उन्होंने इन विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर एंबेसी से लेकर वहां के विश्वविद्यालय के डीन से भी बात की है। इसके बाद हॉस्टल में विद्यार्थियों के खाने की व्यवस्था हो सकी। इससे पहले तक छात्रों को खाना तक नसीब नहीं हो रहा था। इस मामले में मंगलवार को जींद में छात्रों के परिजनों ने लघु सचिवालय में डीसी के जरिए प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजकर छात्रों की सुरक्षा की मांग की थी।

बताते चलें कि पाकिस्तान के छात्रों का वहां के स्थानीय विद्यार्थियों से विवाद हुआ था। इसके बाद स्थानीय लोगों ने हॉस्टल में घुसकर पाकिस्तानी और भारतीय छात्रों पर हमला किया। इसमें पाकिस्तान और भारतीयों को भयंकर हिंसा का सामना करना पड़ा। इसके बाद पाकिस्तान की एंबेसी ने वहां के विद्यार्थियों को वापस बुला लिया। भारतीय विद्यार्थी अब भी वहां फंसे हुए हैं। इन विद्यार्थियों को पिछले पांच दिन से बंधकों की तरह हॉस्टल में ही रहना पड़ रहा है।

भिवानी रोड निवासी एक युवक ने बताया कि उसका छोटा भाई वहां रहकर एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है। वहां पर हुई हिंसा में इन विद्यार्थियों पर बुरी तरह से हमला किया गया। उन्होंने वहां के फोटो भेजकर हालात दिखाए हैं।

इसमें किसी विद्यार्थी के हाथ तो किसी के सिर व किसी की कमर में गहरे जख्म के निशान हैं। विद्यार्थी अपने आप को बचाने के लिए एक साथ हास्टल में बंधकों की तरह बंद हैं। अभिभावकों ने बताया है कि पिछले दो दिन से कुछ हद तक शांति बनी हुई है। वहां की पुलिस व अन्य फोर्स उनकी सुरक्षा के लिए मुस्तैद है, लेकिन उनके हॉस्टल व अन्य स्थानों से बाहर निकलने पर पाबंदी है।

छात्रों के परिजनों ने यूनिवर्सिटी के डीन और वहां की सरकार से सुरक्षा की मांग की है। परिजनों की मांग है कि अगर विद्यार्थियों को सुरक्षा देने में सरकार असमर्थ है तो भारतीय दूतावास से बात कर विद्यार्थियों को वापस स्वदेश सुरक्षित पहुंचाया जाए। भारतीय समय के अनुसार बुधवार दोपहर काफी संख्या में भारतीय छात्र भारत आने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे। एक विद्यार्थी ने फोन कर बताया कि जब वह लोग एयरपोर्ट पहुंचे तो यहां पर बम होने की अफवाह फैल गई। इस कारण वहां पर भगदड़ मच गई और वह वापस लौट आए। अब पता नहीं कब उनको अपने घर आने का मौका मिलेगा।

जंगल गए व्यक्ति का क्षत–विक्षत अवस्था में शव बरामद

अलवर, 23 मई (एजेंसियां)। जिले के बानसूर क्षेत्र के बहराम का बास में दो दिन पहले अपने पशुओं की तलाश में घर से निकले व्यक्ति का शव गुरुवार को जंगल के रास्ते में क्षत–विक्षत अवस्था में मिला।प्राप्त जानकारी के अनुसार बहराम का बास के रहने वाले हनुमान यादव (55) दो दिन पहले पशुओं की तलाश में जंगल में गया था। इसी दौरान लेकड़ी के पास जोहड़ के जंगल में जंगली जानवरों ने उन्हें कथित रूप से अपना शिकार बना लिया। बेटे रोशन यादव ने बताया, तीन–चार दिन पहले हमारे दो पशु खो गए थे। जिनकी तलाश करते हुए पिता 21 मई को लेकडी के जंगल में चले गये। लेकिन दो दिन तक उनके बारे में कोई खबर नहीं मिली। आज सुबह हम लोग जंगल तलाश करने पहुंचे तो जंगल के रास्ते में पिता का शव पड़ा मिला। इसकी सूचना पर, वन विभाग की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली।वन अधिकारी दिलीप कुमार ने बताया, हम आज सुबह सूचना पर मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। वन्य जीव के हमले से मौत की पुष्टि मेडिकल रिपोर्ट पर ही होगी। अगर वन्य जीव के हमले से मौत होने की पुष्टि होती है तो पांच लाख रुपए तक की अनुग्रह राशि विभाग की ओर से दी जाएगी।

देवनानी से आंध्रप्रदेश विधानसभा के मार्शल दल ने की मुलाकात

जयपुर, 23 मई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से आंध्रप्रदेश विधानसभा के मार्शल दल ने गुरुवार को यहां मुलाकात की।दल के सदस्यों ने यहां विधानसभा में श्री देवनानी से मुलाकात की और आंध्रप्रदेश विधानसभा के चीफ मार्शल डी कौनडला रेडी ने दुपट्टा और तिरुपति बालाजी का चित्र भेंटकर उनका अभिनंदन किया। राजस्थान विधानसभा के मार्शल संजय चौधरी ने आंध्रप्रदेश के मार्शल के दल को राजस्थान विधानसभा का भ्रमण कराया और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर चर्चा की।

किर्गिस्तान में पढ़ रहे राजस्थानी छात्रों की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : भजनलाल

जयपुर, 23 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा है कि किर्गिस्तान में चल रहे घटनाक्रम पर राज्य सरकार लगातार निगरानी रख रही है और वह वहां पढ़ रहे राजस्थानी विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

श्री शर्मा ने गुरुवार को कहा कि विदेश मंत्रालय द्वारा भी इस मामले में गाइड लाइन जारी की गई है और मंत्रालय ने बताया कि बिश्केक में विदेशी छात्रों के खिलाफ हिंसा की हालिया घटनाओं पर दूतावास चिंतित है। पिछले कुछ दिनों के दौरान बिश्केक में किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। परिवहन या लोगों की आवाजाही पर कोई प्रतिबंध नहीं है। हालांकि ऐहतियात के तौर पर कक्षाएं ऑनलाइन मोड में आयोजित की जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि दूतावास विश्वविद्यालयों और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से काम कर रहा है। छात्रों की मदद के लिए दो हेल्पलाइन 0555710041 और 0555005538 जारी की गई हैं। दूतावास ने आग्रह किया गया है कि असामाजिक तत्वों द्वारा फैलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान न दें।उल्लेखनीय है कि हर साल बड़ी संख्या में भारतीय छात्र किर्गिज़ गणराज्य के मेडिकल और अन्य विश्वविद्यालयों में दाखिला लेते हैं। इस समय लगभग 17 हजार भारतीय छात्र किर्गिज़ गणराज्य के कई शहरों में फैले हुए हैं लेकिन उनमें से अधिकांश बिश्केक में हैं।

जयपुर में हो रहा है अत्याधुनिक हरे कृष्ण सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण

जयपुर, 23 मई (एजेंसियां)। समाज में आध्यात्मिकता को फिर से जीवंत करने एवं परिवर्तन लाने के लिए राजस्थान की राजधानी जयपुर में अत्याधुनिक हरे कृष्ण सांस्कृतिक केन्द्र का निर्माण किया जा रहा है।

यह हरे कृष्ण सांस्कृतिक केन्द्र जगतपुरा में श्रीकृष्ण बलराम मंदिर में छह एकड़ भूमि में बनाया जा रहा है। हरे कृष्ण मूवमेंट जयपुर और मुंबई के अध्यक्ष अमितासन दास ने बताया कि इसकी लागत लगभग 150 करोड़ रुपए आने का अनुमान है। इसके निर्माण में अब तक 50 करोड़ खर्च कर दिए गए है। काम तेज गति से चल रहा है और इसके मार्च 2027 तक पूरा होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि जल्द ही यहां तीन सौ कारीगर, पत्थर के मूर्तिकार, राजमिस्त्री, संगमरमर बिछाने के विशेषज्ञ आदि के काम करने से इसके निर्माण में और तेजी आयेगी।उन्होंने बताया कि मंदिर केवल पूजा स्थल नहीं होते बल्कि यह एक ऐसा स्थान है जहां सभी जाति, रंग, पंथ और विभिन्न आयु वर्ग के लोग आ सकते हैं और वेदों, पुराणों, रामायण और महाभारत में दिए गए ज्ञान से लाभ उठा सकते हैं। मंदिर की वास्तुकला आधुनिक और पारंपरिक राजस्थानी वास्तुकला का मिश्रण होगी। इसमें राजस्थान के कई पारंपरिक मंदिरों और ऐतिहासिक स्मारकों में पाए जाने वाली वास्तुशिल्प की छाप भी होगी। आधुनिक वास्तुशिल्प जैसे ग्लास, जीअ–ारसी, कंपोजिट सामग्री, फोम कास्टिंग, हल्के वजन वाले कंक्रीट आदि का भी इसमें उपयोग किया जाएगा।

इस सांस्कृतिक केंद्र को हरित स्वर्ग में बदलने के लिए सहजन, नीम, शीशम, पीपल, बरगद, चंदन, कदंब, रुद्राक्ष, कल्पवृक्ष, अश्वगंधा, पारिजात, एलोवेरा, मेसवाक और कई अन्य महत्व–पूर्ण पौधे लगाए जा रहे हैं और पूरे परिसर में पौधारोपण किया गया। प्रदर्शनी स्थल जहां कालातीत संदेश और मूल्यों को एनीमेशन, प्रकाश और ध्वनि शो आदि का उपयोग करके प्रस्तुत किया जाएगा। केन्द्र में 30 मीटर की लंबाई के साथ सबसे बड़ी कामन छतरी होगी। इसी तरह मयूर द्वार में पेंटिंग, पत्थर की मूर्ति और कांच जड़ाई के काम के रूप में 108 मोर रूपांकनों का प्रदर्शन किया जाएगा।

मंदिर के हॉल में एक साथ तीन हजार लोग बैठ सकेंगे। मंदिर में हाथी हौदा दरवाजे एवं सीढ़ियों के साथ छह भव्य प्रवेश द्वार होंगे। एक संग्रहालय होगा जो भारत के इतिहास और संस्कृति को दर्शाने वाली कलाकृतियां, पेंटिंग, मूर्तियां और अन्य प्रदर्शनियां प्रदर्शित करेगा। उन्होंने बताया कि यहां विश्व शांति के लिए हरिनाम जप मंडप में आगंतुक और तीर्थयात्री 108 जाप कर सकेंगे। कृष्ण लीला एक्सपो में भगवान श्री कृष्ण की विभिन्न लीलाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। ये सारी विशेषता सांस्कृतिक केंद्र को एक अनूठा स्थान बना देंगी जो राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का समग्र अनुभव प्रदान करेगा। यह तीर्थयात्रा और आध्यात्मिक पर्यटन के लिए भी एक लोकप्रिय स्थल होगा। इस कारण यह केंद्र अन्य इमारतों से अलग दिखेगा।

कार की टक्कर से बाइक सवार मां–बेटे की मौत, मामला दर्ज

फतेहाबाद, 23 मई (एजेंसियां)। गांव चिंदड़ से बुधवार देर रात को मोटरसाइकिल पर पानी लगाकर लौट रहे अग्रोहा निवासी मां–बेटे को गांव खाराखेड़ी में नेशनल हाइवे 9 पर कार ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अग्रोहा मेडिकल ले जाया गया। यहां पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने कार चालक के खिलाफ गुरुवार को मामला दर्ज किया है और पोस्टमार्टम करवाकर दोनों के शव परिवार को सौंप दिए।

हिसार के अग्रोहा निवासी महेंद्र सिंह ने बताया कि 22 मई की रात को चचेरा भाई विनोद और चाची रोशनी अपने खेत चिंदड़ में पानी लगाने के लिए गए थे। रात करीब साढ़े 12 बजे मोटरसाइकिल पर सवार होकर चिंदड़ से अग्रोहा आ रहे थे। चाची रोशनी अपने बेटे विनोद के साथ मोटरसाइकिल पर सवार थी। जब मोटरसाइकिल समेत खासा रोड से खाराखेड़ी कच्चा रास्ता पर पहुंचे तो विनोद अपने मोटरसाइकिल को एनएच–9 पर चढ़ाने लगा तो उसी समय हिसार की तरफ से आई कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। जिससे विनोद और उसकी मां मोटरसाइकिल समेत सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को उपचार के लिए अग्रोहा मेडिकल ले जाया गया। यहां पर विनोद और उसकी मां को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर सदर पुलिस टीम अग्रोहा मेडिकल पहुंची। यहां पर पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया।

शुभ लाभ

राजद ने भाजपा पर लगाया आरोप

छपरा मामले में रोहिणी पर भी केस

निर्वाचन आयोग को 1000 शिकायतें मिलीं

पटना (एजेंसियां)।

छपरा गोलीकांड को लेकर निर्वाचन विभाग के पास ऑनलाइन एक हजार से अधिक शिकायतें पहुंचीं हैं। 24 शिकायतों पर निर्वाचन आयोग ने कार्रवाई कर निर्देश दिया है। इधर, गोलीकांड में एक युवक (राजद कार्यकर्ता) की मौत के बाद उनके परिजनों ने 12 लोगों पर नामजद और 50 अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज करवाई है।

पुलिस मुख्यालय ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। मुख्यालय की ओर से एडीजी संजय सिंह ने बुधवार को घटनास्थल की जांच की थी। वहीं रोहिणी आचार्य पर भी टाउन थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई गई है। भारतीय जनता पार्टी की ओर से पोलिंग एजेंट ने रोहिणी आचार्य पर बूथ पर हंगामा करने का आरोप लगाया है।

बताया जा रहा है कि छपरा (सारण) में मतदान के बाद राष्ट्रीय जनता दल की प्रत्याशी रोहिणी आचार्य बूथ पर पहुंची थीं। भाजपा ने रोहिणी पर लोगों को भड़काने का भी आरोप लगाया है। वहीं राजद की ओर से कहा गया है रोहिणी आचार्य को देखते ही भाजपा वाले हंगामा करने लगे। उनके साथ अभद्रता की गई। रोहिणी आचार्य ने कहा कि हमारे लोगों को मतदान केंद्र पर जाने से रोका गया। मैं बूथ पर गई थी लेकिन मेरे साथ अभद्रता की गई। मुझे भद्दी भद्दी गालियां दी गई। आप ही बताइए क्या हमलोग बूथ लुटेरे हैं? भाजपा के गुंडे मेरी हत्या की साजिश रह थे। लोगों पर भाजपा को वोट देने का दबाव बनाया जा रहा था।

इधर, भाजपा प्रत्याशी और पूर्व केंद्रीय राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि इस चुनाव में राजद सुप्रीमो लालू यादव ने पुराने दिनों की याद दिला दी। 90 के दशक में जिस तरह बूथ कैप्चरिंग, लूट और अफसर मैनेजमेंट का माहौल था। उसकी तरह का माहौल उस दिन मतदान के दौरान था। निर्वाचन आयोग से हमलोगों ने शिकायत की है। राजद के लोग मतदाता को भड़का रहे थे। वह लोकतंत्र में विश्वास ही नहीं रखते हैं।

बता दें कि सारण में मतदान के बाद विवाद हुआ था। इसके बाद कर्पूरी चौक पर गोलीबारी हुई। इसमें एक युवक की मौत हो गई। वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल हा गए। इसके बाद भाजपा और राजद के कार्यकर्ताओं के भिड़ंत हुई। दोनों ओर से गोलीबारी की गई। इलाके में तनाव बढ़ते देख पर्याप्त संख्या में पुलिस और अर्द्धसैनिक बल तैनात कर दिए गए। दो दिनों तक इंटरनेट बंद कर दिया गया। फिलहाल पुलिस और अर्द्धसैनिक बल इलाके में फ्लैग मार्च कर रहे।

सपरिवार बोधगया पहुंचे सीएम मोहन यादव

महाबोधि मंदिर में की भगवान बुद्ध की पूजा-अर्चना

गया (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सपरिवार बोधगया पहुंचकर भगवान बुद्ध की विशेष पूजा-अर्चना की। गया एयरपोर्ट से महाबोधि मंदिर तक उनके पहुंचने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। महाबोधि मंदिर में भगवान बुद्ध के समक्ष पूजा के बाद वे मंगलागौरी मंदिर और विष्णुपद मंदिर भी जाएंगे, जहां करने के बाद वे झारखंड के देवघर के लिए प्रस्थान करेंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि मैं बोधगया आकर अपने आपको धन्य मानता हूं। आतंक और उथल-पुथल के दौर में भगवान बुद्ध ने अहिंसा की जो भावना फैलाई थी वह आज भी प्रासंगिक है।

कमरे में फंदे से झूलती मिली नवविवाहिता की लाश

पटना (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले कटेया थाना क्षेत्र के जमुनाहां टोला सिधरिया गांव में एक नवविवाहिता की लाश मिली है। ससुराल के कमरे में उसकी लाश फांसी के फंदे से झूलती हुई बरामद हुई है। बरामद शव को पुलिस अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया है। साथ ही पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर फांसी लगाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। मृतका की पहचान जिले के कटेया थाना क्षेत्र के सिधरिया जमुनहा गांव निवासी अब्बास अंसारी की पत्नी खुशबू खातून के रूप में की गई है।

ईरान में अगवा युवक के मामले का विदेश मंत्रालय ने लिया संज्ञान

भारतीय दूतावास ने शुरू की कार्रवाई

भागलपुर (एजेंसियां)।

भोजपुर के युवक को ईरान में बंधक बना व्हाट्सएप्प के जरिये दो करोड़ रुपए की फिरौती मांगी जा रही है। बंधक बनाया गया युवक पिरो के सुखरौली गांव निवासी मुंगी लाल साह का पुत्र गौरव गुप्ता है। झांसे में ले कर युवक को पटना से मुंबई, फिर वहां से दुबई, पाकिस्तान और उसके बाद ईरान ले जाया गया है। वहां से व्हाट्सएप्प के वॉइस रिकॉर्डिंग के जरिये उसके परिजनों से लगातार पैसे की मांग की जा रही है। इस मामले में बेबस परिजनों के द्वारा पिरो के हसनबाजार थाना में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। साथ ही आरा के सांसद सह केंद्रीय मंत्री आरके सिंह से भी अपहृत युवक को वापस लाने की मांग की गई है। पिता को जिन दो अलग-अलग विदेशी नंबर से कॉल आ रहे, वह नंबर भी पुलिस को दी गई है। इस संबंध में पीरो डीएसपी राहुल सिंह का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस कार्रवाई कर रही है। उसे ईरान में नौकरी लगाने के लिए ले जाया गया था, अब संपर्क नहीं हो पा रहा है। यह अंतरराष्ट्रीय मामला है।

गौरव के भाई राजन का कहना है कि गौरव 15 फरवरी को घर से ईरान के लिए पटना जंक्शन पहुंचा। पटना जंक्शन से लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस ट्रेन से मुंबई पहुंचा। जॉब एजेंट कंपनी (इंटरनेशनल किडनैपर गैंग) के खर्च पर वह मुंबई के एक होटल में करीब एक सप्ताह ठहरा। उसके बाद 22 फरवरी को एयर अरबिया एयरलाइंस से शारजाह एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरा। शारजाह में उसे इंटरनेशनल किडनैपर गैंग हैंडलर मिस्टर साहू और सोनू ने रिसीव किया। उस व्यक्ति ने गौरव को ईरान के तेल कारखाने में काम लगवाने की बात कही थी। उसे ईरान ले गया और छोड़कर भाग गया। आठ मई के बाद से गौरव से बात नहीं हो पा रही थी, तब उसने वायस मैसेज भेजना शुरू किया। वायस मैसेज भी किडनैपरों के द्वारा ही कराया जा रहा है। भाई राजन कुमार का कहना है कि आखिरी बार जब बात हुई तब उसने बताया था कि उसे जिस काम के लिए ईरान ले जाया गया था, उससे काम नहीं कराया गया। ड्रग्स के बदले गौरव को गिरवी रखने की बात आ रही है। गौरव के अपहरण की सूचना अहमदाबाद पुलिस ने स्वजन को दी है।

गौरव के भाई राजन ने बताया कि 29 अप्रैल को पोरबंदर बंदरगाह के रास्ते ड्रग्स लेकर तस्कर भारत पहुंचने वाले थे। इसकी सूचना भारतीय तट रक्षक, एनसीबी और एटीएस को पहले से थी।

कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने पांच पैडलरों को गिरफ्तार कर लिया था, जिनसे करोड़ों के ड्रग्स बरामद किए गए थे। गिरफ्तार अंतराष्ट्रीय तस्करों में से एक के मोबाइल में गौरव का नम्बर मिला, फिर पुलिस ने जब उससे पूछताछ की तो उसने सारा माजरा बताया कि गौरव को गिरवी रख कर हमलोग ड्रग्स उठाये है।

परिजनों का कहना है कि अब लगातार व्हाट्सएप्प कॉल और वॉइस मैसेज से पाकिस्तानी नंबर से फिरौती की मांग की जा रही है। किडनैपरों के द्वारा कॉल पर उर्दू में बात करने का दबाव बनाया जाता है लेकिन उर्दू नही आने के वजह से गौरव उनलोगों से गुहार लगाता है कि हिंदी में ही बात करने दिया जाय। लेकिन भोजपुरी भाषा का इस्तेमाल कर किडनैपरों के सामने से ही गौरव सारी परिस्थितियों से परिजनों को वाकिफ करा देता है।

परिवार वाले अब केंद्रीय मंत्री आर के सिंह से संपर्क कर बेटे को मुक्त कराने की गुहार लगाई है। केंद्रीय मंत्री आरके सिंह विदेश मंत्रालय को पत्र लिख कर युवक की बरामदगी की अपील किये है। इस मामले में विदेश मंत्रालय हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया है और ईरान में भारतीय एंबेसी में संज्ञान ले कर कार्यवाई शुरू की जा चुकी है। विदेश मंत्रालय से मेल के जरिये परिजनों का संपर्क बनाए हुआ है।

अपहृत गौरव की मां का यहां रो-रो कर बुरा हाल है। माता जगवांति देवी का कहना है कि अब एक ही उम्मीद है कि मोदी सरकार ही मेरे बेटे को वापस ला सकती है। हम उनसे भीख मांग रहे हैं कि एक बार मेरे बेटे को वापस सरकार ला दे फिर हम उसको कभी यहां से दूर नही भेजेंगे।

पहले तो मनचले ने पड़ोसन से छेड़छाड़ की, फिर विरोध किया तो लड़की के साथ-साथ चाची को भी पीट डाला

मुंगेर (एजेंसियां)।

बेगूसराय में एक परिवार को छेड़खानी का विरोध करना उस वक्त महंगा पड़ गया, जब एक मनचले ने पड़ोस में ही रहने वाली छात्रा एवं उसके चाची की जमकर पिटाई कर दी। घटना मंसूरचक थाना क्षेत्र के गराय गांव की है।

फिलहाल घायलों का सदर अस्पताल बेगूसराय में इलाज चल रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गराई गांव की एक इंटरमीडिएट की छात्रा को उसके ही पड़ोस में रहने वाला प्रियांशु कुमार नामक युवक लगातार परेशान कर रहा था और उसके अपहरण की भी धमकी दे रहा था। पीड़ित छात्रा ने आरोप लगाया कि कल शाम जब उसके परिवार के सभी लोग काम से बाहर गए हुए थे, तभी प्रियांशु शराब के नशे में अपने दो साथियों के साथ पहुंचा और छेड़खानी करने लगा। छात्रा ने जब इसका विरोध किया तो प्रियांशु कुमार ने उसकी पिटाई शुरू कर दी और चाची के बीच-बचाव करने पर आरोपियों ने उसकी भी पिटाई कर दी।

बहरहाल पीड़ित पक्ष ने इस संबंध में मंसूरचक थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

बोधगया में भगवान बुद्ध की प्रतिमा के पास से निकली धम्म यात्रा, राज्यपाल ने किया उद्घाटन

गया (एजेंसियां)।

बौद्ध भिक्षुओं और श्रद्धालुओं के लिए वैशाख पूर्णिमा के दिन का विशेष महत्व है। इस मौके पर महाबोधि मंदिर परिसर में पवित्र बोधिवृक्ष की छांव में मुख्य समारोह आयोजित किया जा रहा है। सूबे के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर धम्म दीप प्रज्वलित कर समारोह का आरंभ किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रदेशों से बड़ी संख्या में बौद्ध श्रद्धालु गया पहुंचे हैं।

बुद्ध जयंती के मौके पर गुरुवार सुबह यहां स्थित 80 फीट विशाल बुद्ध प्रतिमा के पास से आकर्षक धम्म यात्रा निकाली गई, इसमें शामिल बौद्ध भिक्षु और श्रद्धालु हाथों में पंचशील ध्वज लिए 'बुद्धं शरणं गच्छामि' का जयघोष करते हुए निकले। धम्म यात्रा मंदिर मार्ग से होते हुए महाबोधि मंदिर पहुंची, जहां यात्रा में शामिल सभी लोग कार्यक्रम आयोजन स्थल पवित्र बोधिवृक्ष की छांव तले एकत्रित हुए। बुद्ध जयंती को लेकर महाबोधि मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था चौकस कर दी गई है। मंदिर की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी मंदिर में प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं की सघन जांच कर रहे हैं। अत्याधुनिक स्कैनर से जांच कर प्रवेश दिया जा रहा था। मंदिर के चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मी तैनात दिखे।

यहां पहुंचे श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष तौर पर स्वास्थ्य शिविर और शीतल पेयजल काउंटर खोले गए हैं। इसके अतिरिक्त बोधगया जगह-जगह पर स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा पेयजल और भोजन की व्यवस्था की गई है।

स्कूलों में चल रहा एडवांस हाजिरी का खेल, जांच में सामने आया मामला

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

विद्यालयों में एडवांस हाजिरी का खेल चल रहा है। कहीं अवकाश के बाद तो कहीं एडवांस हाजिरी बनाकर शिक्षक स्कूल से गायब रहते हैं। ताजा मामला मुशहरी प्रखंड के उच्च विद्यालय द्वारिकानगर का है। प्रधानाध्यापक की मिलीभगत से विद्यालय में इस तरह की गड़बड़ी हो रही है।

डीपीओ स्थापना नासिर हुसैन ने यह गड़बड़ी पकड़ी है। प्रभारी प्रधानाध्यापक से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना ने विद्यालय का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के क्रम में प्रभारी प्रधानाध्यापक पर एक शिक्षिका ने आरोप लगाया कि एक शिक्षक एक दिन पूर्व अपराह्न में दूसरे दिन की उपस्थिति बना लेते हैं। संबंधित शिक्षक विद्यालय भी नहीं आते हैं।

आरोपों की गंभीरता को देख डीपीओ ने अपने स्तर से मामले की जांच की। विद्यालय में लगे सीसी कैमरे का फुटेज खंगाला गया।

फुटेज में आरोप को सत्य पाया गया है। एक अन्य शिक्षक ने जांच पदाधिकारी को बताया कि सेवा-पुस्तिका पर अनावश्यक बातें अंकित कर दी गई हैं। प्रभारी प्रधानाध्यापक विद्यालय में मनमानी कर रहे हैं।

विद्यालय में सादे कागज पर शिक्षकों की हाजिरी बन रही थी। इस तरह की हाजिरी पर सवाल खड़े हो रहे हैं। एक जनवरी 2024 से हीशिक्षक उपस्थिति पंजी पर हाजिरी नहीं बन रही है। यह सिलसिला पांच महीने से चलता रहा। डीपीओ स्थापना ने आपत्ति जताई है कि किसके आदेश से सादे कागज पर शिक्षकों की उपस्थिति बनी है। दूसरी ओर विद्यालय में 812 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं, जिनमें 254 उपस्थित पाए गए। विद्यालय में 32 शिक्षक पदस्थापित हैं।

विद्यालय के लिपिक पंकजेश कुमार को बिना किसी आदेश के विरमित कर दिया। डीपीओ स्थापना नासिर हुसैन ने प्रभारी प्रधानाध्यापक राजेंद्र कुमार से पूछा तो उनका जवाब असंतोषजनक पाया गया। कहा कि सेवा पुस्तिका मांगे जाने पर नहीं दी गई। इसके बाद स्कूल से विरमित कर दिया गया।

रानी तालाब में ईंट भट्ठा के मालिक की धारदार हथियार से हत्या, जांच में जुटी पुलिस

पटना (एजेंसियां)।

रानीतालाब थाना से सटे कनपा पुल के समीप मंगलवार की देर रात अपराधियों ने ईंट भट्ठा के मालिक की हत्या तेज हथियार से कर दी। बताते चलें कि रानीतालाब थाना के डोरापुर निवासी नरेश सिंह के पुत्र अमरजीत सिंह (40वर्ष) बीती रात घर लौट रहे थे।

पूर्व से घात लगाए अपराधियों ने कनपा पुल के समीप उनपर हमला बोल दिया। अपराधियों ने तेज हथियार से अमरजीत को लहूलुहान कर दिया। रास्ता सुनसान होने से अधिक रक्त गिरने से उनकी मौत हो गई। रानीतालाब पुलिस सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंची।

बहरहाल, पुलिस ने अमरजीत के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गौरतलब है कि अमरजीत सिंह की कनपा में वर्षों से ईंट फैक्ट्री है। अभी तक हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

नौबतपुर में मंगलवार की दोपहर थाना क्षेत्र अंतर्गत नौबतपुर लख पर तेज गति से जा रही ऑटो ने बाइक में जोरदार ठोकर मार दी। घटना में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसे स्थानीय रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए एम्स रेफर कर दिया।

वह बेहोशी की हालत में है। वह कहां का है, इसका पता नहीं चल पाया है। उधर ठोकर मार के भाग रहे ऑटो चालक समेत दो लोगों को स्थानीय नागरिकों ने पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने ऑटो को जब्त कर लिया है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ऑटो की गति इतनी तेज थी कि उसके धक्के से बाइक सवार युवक फेंका कर पुल के लोहे के एंगल पर जा गिरा। थानाध्यक्ष ने बताया की जख्मी युवक का पता लगाया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com